रेल किराए की गणना का तरीका हमारा व्यापारिक रहस्य, नहीं कर सकते आम - 12

ट्रंप की नई धमकी से भारतीय निर्यातक चिंतित - 12

रूस का यूक्रेन के विद्युत ग्रिड पर बड़ा हमला, चार लोगों की मौत - 13

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे ही मैच में सीरीज को जीतना चाहेगी भारतीय टीम - 14

आज का मौसम

16.0^0 अधिकतम तापमान

5.0^0 न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.09 | सूर्यास्त 05.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष एकादशी 05:53 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 14 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 145, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

लोकसेवकों पर मुकदमा... भ्रष्टाचार रोधी कानून पर बंटे जज, सुनाया खंडित आदेश

भ्रष्टाचार के मामलों की जांच शुरू करने से पहले अनुमति लेने के मामले में हुई सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- जस्टिस नागरत्ना बोलीं- धारा 17ए असंवैधानिक इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए
- जस्टिस विश्वनाथन ने धारा को संवैधानिक मानते हुए ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा पर दिया जोर

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच शुरू करने से पहले अनुमति लेने से संबंधित, भ्रष्टाचार रोधी कानून की 2018 की धारा की संवैधानिक वैधता पर मंगलवार को खंडित निर्णय सुनाया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे रद्द किया जाना चाहिए जबकि न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन ने धारा को संवैधानिक मानते हुए ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा की जरूरत पर जोर दिया।

साल 2018 में जोड़ी गई भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना किसी लोकसेवक पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' की जनहित याचिका (पीआईएल) पर यह निर्णय सुनाया है, जिसमें धारा 17ए की वैधता को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि पूर्वानुमति की आवश्यकता भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विरुद्ध है इससे जांच में रुकावट आती है और भ्रष्ट अधिकारियों को बचने का मौका मिल जाता है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा, धारा 17ए असंवैधानिक है और इसे रद्द किया जाना चाहिए। जांच शुरू करने से पहले किसी तरह की पूर्व अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। पूर्व मंजूरी की शर्त अधिनियम के उद्देश्य के खिलाफ है। इससे जांच में रुकावट आ सकती है और ईमानदार अधिकारियों के बजाय भ्रष्ट लोकसेवकों को संरक्षण मिलता है। वहीं, न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा, धारा 17ए संवैधानिक रूप से वैध है, बशर्ते मंजूरी देने का फैसला लोकपाल या राज्य का लोकायुक्त करे।

प्रधान न्यायाधीश के समक्ष रखा जाएगा मामला

अब यह मामला भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत के समक्ष रखा जाएगा, ताकि एक बड़ी पीठ का गठन कर इस पर अंतिम निर्णय लिया जा सके। पीठ ने कहा, हमारे अलग-अलग मतों को देखते हुए रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि इस मामले को प्रधान न्यायाधीश के समक्ष रखा जाए, ताकि उपयुक्त पीठ का गठन करके इससे जुड़े मुद्दों पर नए सिरे से विचार किया जा सके। एनजीओ की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि यह प्रावधान भ्रष्टाचार विरोधी कानून को कमजोर करता है, क्योंकि सरकार से अक्सर मंजूरी नहीं मिलती, जबकि वही इस कानून के तहत सक्षम प्राधिकारी है।

कुत्ते के काटने पर भारी मुआवजा होगा तय

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यों को देंगे निर्देश, जो आवारा कुत्तों को लेकर चिंतित, वे अपने घर ले जाएं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पिछले पांच वर्षों में आवारा पशुओं से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाने पर चिंता व्यक्त की और मंगलवार को कहा कि वह कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए राज्यों को भारी मुआवजा देने का आदेश देगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं के लिए कुत्ता प्रेमियों और उन्हें खाना खिलाने वालों को भी जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, कुत्तों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों की मृत्यु या चोट के हर मामले के लिए हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा देने की मांग करेंगे क्योंकि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में नियमों के कार्यान्वयन के संबंध में कुछ नहीं किया है। साथ ही, इन आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है तो आप उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? ये कुत्ते इधर-उधर क्यों घूमते हैं, लोगों को काटते हैं और डराते हैं? न्यायमूर्ति मेहता ने न्यायमूर्ति नाथ के विचारों से सहमति जताते हुए कहा, जब कुत्ते नौ साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? वह संगठन जो उन्हें खाना खिला रहा है, उसे? आप चाहते हैं कि हम इस समस्या से आंखें मूंद लें। उच्चतम न्यालय सात नवंबर, 2025 के अपने उस आदेश में संशोधन के अनुरोध वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें अधिकारियों को सार्वजनिक स्थानों और सड़कों से इन आवारा जानवरों को हटाने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने कहा कि सबसे अजीब बात यह है कि गुजरात के एक वकील को एक पार्क में कुत्ते ने काट लिया और जब नगर निगम के अधिकारी उस जानवर को पकड़ने गए, तो खुद को कुत्ता प्रेमी बताने वाले वकीलों ने नगर निगम के अधिकारियों पर हमला कर दिया। शीर्ष अदालत ने यह भी खेद जताया कि पिछले चार दिनों से वह इस मुद्दे पर दलीलें सुन रही है, लेकिन एनजीओ के हस्तक्षेप के कारण वह मामलों में आगे नहीं बढ़ पाई और केंद्र तथा राज्य सरकारों के पक्ष को भी नहीं सुन सकी।

ईरान से व्यापार करने वालों पर ट्रंप ने थोपा 25% टैरिफ

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- भारत पर पड़ सकता है असर, चाबहार बंदरगाह पर है हिस्सेदारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा। इस कदम का भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे ईरान के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों पर असर पड़ सकता है। चाबहार पोर्ट को लेकर भी असर देखने को मिल सकता है। ट्रंप ने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में यह घोषणा की।

ट्रंप ने कहा है कि ईरान अब सीमाएं लांघ रहा है और इसी वजह से उन्हें और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को कठोर विकल्पों पर विचार करना पड़ रहा है। ट्रंप की इस घोषणा का असर भारत पर पड़ सकता है जो हाल के वर्षों में ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है। अमेरिका ने पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जो दुनिया के किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्क में से एक है। इसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, ईरान को भारत के प्रमुख निर्यातों में चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, कृत्रिम फाइबर, विद्युत मशीनरी और कृत्रिम आभूषण शामिल हैं जबकि ईरान से भारत के प्रमुख आयातों में सूखे मेवे, अकार्बनिक/कार्बनिक रसायन और कांच के बर्तन शामिल हैं। ऑनलाइन डेटा विजुअलाइजेशन और वितरण मंच 'ऑब्जर्वेटरी ऑफ इकोनॉमिक कॉम्प्लेक्सिटी' (ओईसी) के अनुसार, 2023 में भारत से ईरान को निर्यात कुल 1.19 अरब डॉलर था जबकि भारत में आयात कुल 1.02 अरब डॉलर का हुआ था। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा, भारत और ईरान के बीच सदियों पुराना संबंध है। समकालीन संबंध इन ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों की मजबूती पर आधारित हैं और उच्च स्तरीय आदान-प्रदान, वाणिज्यिक एवं संपर्क सहयोग, सांस्कृतिक और मजबूत जन-संबंधों के माध्यम से लगातार मजबूत हो रहे हैं। भारत-ईरान संबंधों का एक महत्वपूर्ण पहलू चाबहार बंदरगाह का संयुक्त विकास है।

ग्रीनलैंड पर कब्जे का बिल पेश 51वें राज्य का अधिकार मिलेगा

वाशिंगटन। ग्रीनलैंड को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने के लिए अमरीकी कांग्रेस में एक विधेयक अमेरिकी संसद में पेश किया है। विधेयक के बताए गए लक्ष्यों में ग्रीनलैंड के विलय और उसके बाद उसे राज्य का दर्जा देना शामिल है।

ब्रीफ न्यूज

महादेव एप : रवि उप्पल की दुबई स्थित संपत्ति समेत नई संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने कहा कि उसने अवैध महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले में फरार प्रमुख प्रवर्तकों में से एक रवि उप्पल सहित विभिन्न आरोपियों की लगभग 21 करोड़ की नई संपति कुर्क की है। इस मामले में छत्तीसगढ़ के कई बड़े राजनीतिक नेताओं और नौकरशाहों की कथित संलिप्तता बताई जाती है। पीएमएलए के तहत 10 जनवरी को एक अंतरिम आदेश जारी किया गया। पिछले हफ्ते, ईडी ने इसी तरह का एक आदेश जारी कर महादेव ऑनलाइन बुक नामक एप के एक अन्य मुख्य प्रवर्तक सौरभ चंद्राकर तथा अन्य लोगों की संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था।

देश में डिजिटल भुगतान के विस्तार की बहुत अधिक गुंजाइश : शंकर

नई दिल्ली। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर ने मंगलवार को कहा कि देश में डिजिटल भुगतान के विस्तार की बहुत अधिक गुंजाइश हैं। यूपीआई में अपने मौजूदा 40 करोड़ के आधार से दोगुने से अधिक होकर 100 करोड़ उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने की क्षमता है। दुनिया के कुल खुदरा भुगतान लेनदेन का लगभग 50 प्रतिशत भारत में होता है, लेकिन इसके बावजूद प्रति व्यक्ति डिजिटल लेनदेन की संख्या के मामले में भारत को अभी कई उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की बराबरी करनी है।

पाकिस्तान के हर दुस्साहस का देंगे जवाब: सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, एलओसी पर हालात स्थिर

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है और दुश्मन के किसी भी दुस्साहस से माकूल तरीके से निपटा जाएगा। सेना प्रमुख ने कहा कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर हालात स्थिर हैं, लेकिन इस पर लगातार नजर रखने की जरूरत है।

ऑपरेशन सिंदूर के अलग-अलग पहलुओं के बारे में विस्तार से बात करते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि इससे रणनीतिक सोच को फिर से तैयार करने में मदद मिली, क्योंकि भारतीय सेना ने आतंकी ढांचे को खत्म करने और इस्लामाबाद की 'लंबे समय से चली आ रही परमाणु बयानबाजी' को धता बताने के लिए अंदर तक हमला किया। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते होंगे, ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है, और भविष्य में किसी भी दुस्साहस का दृढ़ता से जवाब दिया जाएगा। जनरल द्विवेदी ने कहा कि तीनों सेनाओं के तालमेल को दिखाने वाला यह अभियान सीमापार आतंकवाद के लिए भारत का सोचा-समझा और मजबूत जवाब था, जो तैयारी, सटीकता और रणनीतिक स्पष्टता दिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय सेना ने अपने सैनिकों को इकट्ठा कर लिया था और वह जमीनी हमलों के लिए तैयार थी। जनरल द्विवेदी ने कहा, उत्तरी मोर्चे पर हालात स्थिर हैं, लेकिन लगातार नजर रखने की जरूरत है।

चीन सीमा पर सतर्कता जरूरी, शक्सगाम घाटी में निर्माण कार्य अवैध

नई दिल्ली। सेना प्रमुख ने कहा है कि उत्तरी सीमा से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा पर स्थिति स्थिर बनी हुई है लेकिन निरंतर सतर्कता बनाए रखने की जरूरत है और वहां तैनात सैनिकों की संख्या में कमी विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों के निर्देश के आधार पर लिया जाएगा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में शक्सगाम घाटी में चीन के निर्माण पर विरोध जताते हुए कहा कि चीन और पाकिस्तान के बीच 1963 के समझौते को भारत ने कभी नहीं माना और यह गैर कानूनी है।

रुद्राक्ष से बनाया शिवलिंग

प्रयागराज : माघ मेले में शिवयोगी मौनी महाराज द्वारा 5 करोड़ 51 लाख रुद्राक्षों से 11 फीट ऊंचे भव्य शिवलिंग का निर्माण किया गया है। मकर संक्रांति से शुरू होने वाले विशेष अनुष्ठान में राष्ट्र रक्षा, आतंकवाद विनाश और काशी-मथुरा में भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प लिया जाएगा। • एजेंसी

वंदे भारत स्लीपर में नहीं होगी आरएसी, न्यूनतम किराया 400

नई दिल्ली, एजेंसी

- रेलवे बोर्ड ने एक परिपत्र में दी यह जानकारी

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में आरएसी या आंशिक रूप से कन्फर्म टिकटों का कोई प्रावधान नहीं होगा और न्यूनतम 400 किलोमीटर की दूरी के लिए शुल्क लगेगा। रेलवे बोर्ड ने एक परिपत्र में यह जानकारी दी।

वंदे भारत ट्रेन के पहले शयनयान संस्करण को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 17 जनवरी को गुवाहाटी-कोलकाता मार्ग पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक जनवरी, 2026 को दोनों स्टेशनों के बीच एसी 1, एसी 2 और एसी 3 - तीनों श्रेणियों के लिए संभावित किरायों की घोषणा की थी। एक यात्री को एसी 1, एसी 2 और एसी 3 श्रेणियों में क्रमशः 1,520 रुपये, 1,240 रुपये और 960 रुपये का भुगतान करना होगा, चाहे यात्रा की दूरी एक किमी से 400 किमी के बीच कितनी भी हो। परिपत्र के अनुसार, 400 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए, शुल्क की गणना प्रति किलोमीटर के आधार पर की जाएगी, जिसमें एसी 1 के लिए 3.20 रुपये, एसी 2 के लिए 3.10 रुपये और एसी 3 के लिए 2.40 रुपये होंगे। बोर्ड के परिपत्र में कहा गया, लागू होने पर माल एवं सेवा कर अलग से लगाया जाएगा।

एएसपी अनुज चौधरी सहित 20 कर्मियों पर एफआईआर के आदेश

कार्यालय संवाददाता, संभल

संभल हिंसा मामला

- हिंसा के दौरान घायल युवक के पिता के प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने जारी किया आदेश
- एसपी ने कहा पुलिस मुकदमा दर्ज नहीं करेगी बल्कि कोर्ट में करेगी अपील

> संभल हिंसा के मामले में न्यायिक जांच पहले ही हो चुकी है। जिन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट ने आदेश किया है उनकी जांच पूरी हो चुकी है। इसलिए हम इस मामले में मुकदमा दर्ज नहीं करेंगे और इस आदेश के खिलाफ कोर्ट में अपील करेंगे।
>
> -कृष्ण कुमार विश्नोई, पुलिस अधीक्षक संभल

अमृत विचार : संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा में गोली लगने से घायल एक युवक के मामले में अदालत ने तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी व कोतवाल सहित 15-20 पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

एसपी केके विश्नोई ने कहा है कि पुलिस मुकदमा दर्ज नहीं करेगी बल्कि कोर्ट में अपील करेगी। चौधरी वर्तमान में फिरोजाबाद में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हैं। नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला खग्गू सराय निवासी यामीन ने 6 फरवरी 2025 को सीजेएम की कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था कि उसका बेटा आलम 24 नवंबर को सुबह 8:45 बजे जामा मस्जिद के नजदीक पहुंचा तो वहां भीड़ जमा थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी संभल अनुज चौधरी और इंस्पेक्टर अनुज तोमर व अन्य कर्मियों ने अचानक भीड़ पर गोलियां चला दी शुरू कर दीं। आलम जान बचाने के लिए भागा तो दो गोली पीठ में व एक हाथ में लगी। संभल में डॉक्टरों ने मना कर दिया तो मुरादाबाद व अलीगढ़ लेकर गया। वहां भी भर्ती नहीं किया तब मेरठ में इलाज कराया। पुलिस ने कोर्ट को सौंपी अपनी जांच रिपोर्ट में कहा था कि इस मामले में थाने पर कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। साथ ही आलम का इलाज करने वाले डॉक्टर के बयान व अन्य तथ्य भी कोर्ट में रखे थे। बहरहाल कोर्ट ने आदेश दिया कि प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 1734 बीएस से स्वीकार किया जाता है। थाना अध्यक्ष संभल को आदेशित किया कि मामला पंजीकृत कर विवेचना कराई जाए। सूचना 7 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें।

ब्लिंकिट ने 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

- स्विगी और जेप्टो भी कर सकते हैं अनुसरण हड़ताल और सरकार की दखल के बाद फैसला

इटर्नल के स्वामित्व वाली इकाई ब्लिंकिट ने डिलीवरी कर्मियों के कल्याण से जुड़ी बढ़ती चिंताओं के बीच सभी मंच से अपना '10 मिनट में' डिलीवरी का दावा हटा लिया है। स्विगी और जेप्टो जैसे अन्य 'क्विक कॉमर्स' मंच भी इस कदम का अनुसरण कर सकते हैं।

यह बदलाव केंद्रीय श्रम मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद देखा जा रहा है, जो इतनी कठिन समय सीमा को पूरा करने की कोशिश करने वाले डिलीवरी कर्मियों के कल्याण को लेकर चिंतित था। श्रम मंत्रालय ने इस संबंध में क्विक कॉमर्स मंचों के साथ चर्चा की, ताकि गिग कर्मियों के लिए बेहतर सुरक्षा और कामकाजी परिस्थितियां सुनिश्चित की जा सकें। दस मिनट में डिलीवरी के वादे के कारण वर्ष 2025 की पूर्व संध्या पर गिग कर्मियों ने देशव्यापी हड़ताल की थी, जिसने कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और आय की ओर ध्यान आकर्षित किया। जेप्टो, इंस्टामार्ट और बिगबास्केट के लिए 10 मिनट में डिलीवरी की ब्रांडिंग अभी भी गूगल प्ले स्टोर और आईओएस ऐप स्टोर पर दिखाई दे रही है, लेकिन ब्लिंकिट के लिए ऐसी कोई ब्रांडिंग अब वहां मौजूद नहीं है।

समीक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा- इंटेंट, टेक्नोलॉजी और अकाउंटेबिलिटी के समन्वय से मिले ठोस नतीजे

प्रगति नए भारत की कार्यसंस्कृति का सशक्त उदाहरण : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी बोले-मोदी के प्रगति मॉडल से यूपी बना देश का इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ इंजन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन (प्रगति) केवल बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की समीक्षा का मंच नहीं, बल्कि नए भारत की नई कार्य संस्कृति का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह मॉडल उस प्रशासनिक सोच को दर्शाता है, जिसकी नींव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी। जिसे वर्ष 2014 के बाद राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिली और भाजपा सरकार आने के बाद देश में यूपी इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ का इंजन बना।

योगी ने मंगलवार को गोरखपुर रवाना होने से पहले पत्रकारों से खास बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'प्रगति' ने यह सिद्ध किया है कि जब इंटेंट, टेक्नोलॉजी और अकाउंटेबिलिटी एक साथ आती हैं, तो आउटकम स्वतः सुनिश्चित हो जाते हैं। डिजिटल गवर्नेंस और कोऑपरेटिव फेडरलिज्म को मजबूती देते हुए प्रगति एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना है, जहां अंतर-मंत्रालयीय और अंतर-विभागीय समन्वय से जटिल समस्याओं का समयबद्ध समाधान संभव हुआ है। प्रगति मॉडल की अवधारणा वर्ष 2003 में गुजरात में 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रीवांसेज बाई एप्लिकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) के रूप में शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि प्रगति केवल एक रिव्यू मैकेनिज्म नहीं, बल्कि गवर्नेंस रिफॉर्म है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति के प्रभाव का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके माध्यम से 86 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को गति मिली है। प्रधानमंत्री द्वारा 377 प्रमुख परियोजनाओं की प्रत्यक्ष समीक्षा की जाती है, जबकि 3162 में से 2958 मुद्दों का समाधान हो चुका है, जो शासन की विश्वसनीयता को दर्शाता है। योगी ने कहा कि प्रगति के माध्यम से इंटर-एजेंसी बाधाएं समाप्त हुई हैं। राजस्व, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन, नगर विकास और पंचायती राज जैसे विभाग एक ही मंच पर समाधान कर रहे हैं। इससे उत्तर प्रदेश 'बॉटलनेक स्टेट' से 'ब्रेकथ्रू स्टेट' बन चुका है।

विपक्ष पर सीधा वार

- **योगी आदित्यनाथ का तंज :** विकास पर बोलने से पहले विपक्ष आंकड़े देखे
- **'जुमला' नैरेटिव खारिज :** घोषणाएं नहीं, पूरा हुआ काम बोलेगा
- **प्रोजेक्ट बनाम प्रचार :** 330 में 128 परियोजनाएं पूरी, जवाब खुद मौजूद
- **देरी की राजनीति पर चोट :** प्रगति ने फाइलों को मैदान में उतारा
- **अनुमतियों की रफ्तार :** इंटर-एजेंसी बाधाएं खत्म, बहाने बंद
- **राजनीतिक संदेश :** जो कर दिखाया, वही भरोसे का आधार
- **असर :** विपक्ष की सरकार-विफलता की लाइन कमजोर

यूपी में गेम-चेंजर सिद्ध हुआ प्रगति मॉडल

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगति मॉडल राज्य के लिए गेम-चेंजर सिद्ध हुआ है। एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, सर्वाधिक शहरों में मेट्रो, एयर कनेक्टिविटी, देश की पहली रैपिड रेल, अंतर्देशीय जलमार्ग और रोपवे जैसे प्रोजेक्ट समयबद्ध ढंग से आगे बढ़े हैं। वर्तमान में यूपी के पास 10 .48 लाख करोड़ रुपये की 330 परियोजनाओं के साथ देश का सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर पोर्टफोलियो है। इनमें से 2 .37 लाख करोड़ रुपये की 128 परियोजनाएं (39 प्रतिशत) पूरी हो चुकी हैं, जबकि 8 .11 लाख करोड़ की 202 परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रगति पर हैं।

न्यूज ब्रीफ

समाज कल्याण विभाग और मदद फाउंडेशन के बीच एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में बालिकाओं के समावेशी विकास, डिजिटल साक्षरता और तकनीकी सशक्तिकरण को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। समाज कल्याण विभाग और मदद फाउंडेशन के बीच मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के तहत दो सर्वोदय बालिका विद्यालयों को 40 टैबलेट वितरित किए गए। गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में आयोजित समन्वय बैठक एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम में समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि डिजिटल शिक्षा आज समय की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। कार्यक्रम में पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयन किए गए जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय, गोरखपुर और महाराजगंज को कुल 40 टैबलेट प्रदान किए गए।

संयुक्त परिषद 20 को करेगी विधानसभा का घेराव

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश के करीब 40 लाख कार्मिकों की लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने 20 जनवरी को विधान सभा घेराव का ऐलान किया है। परिषद का कहना है कि क्षेत्रीय, मंडलीय और प्रांतीय स्तर पर कई चरणों में आंदोलन और सम्मेलन किए गए, लेकिन शासन–सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है।इसी क्रम में आलमबाग बस स्टेशन पर परिवहन निगम से जुड़े विभिन्न संगठनों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष जेएन तिवारी ने की।

डिप्लोमा फार्मेसी संस्थानों की संबद्धता प्रक्रिया शुरू

अमृत विचार, लखनऊ: सत्र 2026–27 के लिए डिप्लोमा स्तरीय फार्मेसी संस्थानों को संबद्धता दिए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्राविधिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने इसके लिए यू–राइज पोर्टल को सक्रिय कर दिया है। शासनादेश के अनुपालन में अब नई फार्मेसी संस्था की स्थापना, नया पाठ्यक्रम शुरू करने, प्रवेश क्षमता बढ़ाने या घटाने तथा संस्था क्लोजर से जुड़े सभी आवेदन केवल यू–राइज पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। परिषद के अनुसार, नव–आवेदित और पूर्व से परिषद से संबद्ध सभी डिप्लोमा स्तरीय फार्मेसी संस्थान 30 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। निर्धारित तिथि और समय के बाद किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। परिषद ने स्पष्ट किया है कि ऑफलाइन या किसी अन्य ऑनलाइन माध्यम से भेजे गए आवेदन मान्य नहीं होंगे।

विवादमुक्त संपत्ति व्यवस्था पर सरकार का फोकस

अमृत विचार, लखनऊ: विधान भवन स्थित कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने कहा कि अब पारिवारिक अचल संपत्ति के बंटवारे के लिए स्टांप शुल्क मात्र 5000 रुपये और पंजीयन शुल्क अधिकतम 5000 रुपये तय किया गया है। यानी प्रदेश के नागरिक अब 10 हजार के भीतर वैध रूप से संपत्ति का पारिवारिक विभाजन करा सकेंगे। इससे पारिवारिक विवाद, कोर्ट–कचहरी और वर्षों तक चलने वाले मुकदमों में कमी आएगी। मंगलवार को विधान भवन स्थित कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में स्टांप एवं पंजीयन राज्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने आम नागरिकों, महिलाओं और परिवारों को बड़ी राहत देते हुए स्टांप एवं पंजीयन शुल्क में ऐतिहासिक रियायतों का फैसला किया है।

वीबी–जीरामजी से बदलेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, भ्रष्टाचार पर लगेगा डिजिटल ब्रेक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

किरण रिजिजू का आरोप

- मनरेगा में 11 लाख करोड़ खर्च के बाद भी गांवों का विकास नहीं

अमृत विचार: केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरण रिजिजू ने मनरेगा को लेकर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि इस योजना में 11 लाख करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीण भारत में अपेक्षित विकास नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां रोजगार की जरूरत नहीं थी, वहां पैसा बहाया गया और जहां काम चाहिए था, वहां लोगों को रोजगार नहीं मिला। रिजिजू ने कहा कि मनरेगा रोजगार की नहीं, बल्कि लूट की गारंटी बन गई थी, इसलिए केंद्र सरकार वीबी–जीरामजी (विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण) लेकर आई है।

वीबी–जीरामजी योजना को लेकर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भाजपा की वर्कशॉप और बाद में प्रेस वार्ता में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प गांवों का समग्र और टिकाऊ विकास है। नई योजना के जरिए रोजगार, आजीविका और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां होने वाला बदलाव पूरे देश के लिए मॉडल बनेगा।

किरण रिजिजू ने बताया कि वीबी–जीरामजी के तहत हर परियोजना की डिजिटल मॉनिटरिंग होगी, जिससे भ्रष्टाचार और दुरुपयोग की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी। 100 दिन की जगह अब 125 दिन रोजगार की गारंटी दी जाएगी। कृषि सीजन के अनुसार योजना में लचीलापन रखा गया है, ताकि किसानों को सीधा लाभ मिले। जल संरक्षण, स्वास्थ्य सुविधाएं, बेसिक शिक्षा और ग्रामीण जलापूर्ति के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ा उछाल आएगा।

केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष पर दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जैसे सीएए के समय नागरिकता छीनने का झूठा भ्रम फैलाया गया था, वैसे ही अब नए कानून को लेकर डर पैदा किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी की नागरिकता गई? वीबी–जीरामजी में हर ग्राम सभा से प्रस्ताव लेकर जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पुराने कानून में भ्रष्टाचार रोकना संभव नहीं था, इसलिए नया कानून लाना जरूरी हो गया।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित वर्कशॉप में बाएं से उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह। अमृत विचार

गरीबों को जीरामजी के फायदे गिनाएं कार्यकर्ता

- कार्यशाला में मंत्रियों और भाजपा नेता ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि नया कानून पारदर्शिता और जवाबदेही की गारंटी देता है। संगठन स्तर पर कार्यकर्ता इसे जन–जन तक पहुंचाएं। गांवों की भागीदारी से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वीबी–जीरामजी से गांवों में वास्तविक विकास होगा। यह योजना गरीब, किसान और मजदूर की जिंदगी बदलेगी। बृजेश पाठक ने कहा कि डिजिटल निगरानी से भ्रष्टाचार खत्म होगा। यह योजना भरोसे और पारदर्शिता की गारंटी है। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि ग्राम पंचायतें इस योजना की रीढ़ होंगी। गांव से ही विकसित भारत का रास्ता निकलेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता वीबी–जीरामजी को गांव–गांव तक पहुंचाएंगे। यह ऐतिहासिक सुधार है। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि संगठन स्तर पर हर कार्यकर्ता इस योजना को जन–आंदोलन बनाएगा। कहा कि प्रदेश की कार्यशाला के पश्चात वीबी–जी राम जी की जिला कार्यशालाओं में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी जिला सम्मेलनों के माध्यम से वीबी–जी राम जी पर श्रमिकों, गामीणों, ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों तथा किसानों के साथ संवाद करेगी। जिला सम्मेलनों में सांसद, विधायक सहित सभी जनप्रतिनिधि तथा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के पदाधिकारी सम्मिलित रहेगें। उन्होंने कहा कि भाजपा मंडल स्तर पर भी सम्मेलन आयोजित करेगी। प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित , शहर मीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे, राष्ट्रीय मंत्री ओम प्रकाश धनखड़, राष्ट्रीय मंत्री सुरेन्द्र नागर, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेन्द्र सिंह चौधरी उपस्थित रहे। संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने किया।

5 लाख युवाओं को मिलेगा हाई-स्किल रोजगार

प्रदेश में 1000 से अधिक जीसीसी स्थापित करने का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एक नज़र में यूपी का जीसीसी रोडमैप

- **लक्ष्य:** 1000 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स
- **संभावित रोजगार:** 5 लाख युवा
- **वर्तमान जीसीसी:** लगभग 90
- **नीति:** उत्तर प्रदेश जीसीसी नीति–2024
- **फोकस सेक्टर:** आईटी, डेटा, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट
- **मुख्य लाभ:** हाई–स्किल जॉब्स, प्रतिभा पलायन पर नियंत्रण

रफ्तार पकड़ रही मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना

- **अमृत विचार, लखनऊ:** मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना वित्तीय वर्ष 2025–26 में 94 इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिसके तहत 648 .63 लाख रुपये का पूंजी निवेश संभव हुआ है। इसके माध्यम से 2,586 युवाओं को रोजगार दिलाने में सफलता मिली है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित एवं तकनीकी योग्य बेरोजगार युवक–युवतियों को 10 लाख रुपये तक का बैंक ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योगी सरकार ने उद्यमियों के लिए ब्याज सब्सिडी की बड़ी सुविधा दी है, जिसमें सामान्य वर्ग के उद्यमियों के लिए 4 प्रतिशत से ऊपर का ब्याज सरकार देती है, जबकि आरक्षित वर्ग के उद्यमियों का पूरा ब्याज सरकार वहन करती है। योजना में 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला उद्यमी पात्र हैं। चयन प्रक्रिया जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स के माध्यम से की जाती है। सामान्य वर्ग को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत, जबकि आरक्षित वर्ग को 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान देना होता है।

अमृत विचार: तेजी से विकसित होती अवसंरचना, स्पष्ट नीतियों और स्थिर शासन के चलते उत्तर प्रदेश अब ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) के लिए देश का उभरता हुआ हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। बीते नौ वर्षों में योगी सरकार में प्रदेश ने न केवल मैन्युफैक्चरिंग बल्कि नॉलेज और सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में भी ठोस कदम बढ़ाए हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश वैश्विक कंपनियों का एक बड़ा ऑपरेशन हब बन सकता है।

प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश जीसीसी नीति-2024 के तहत 1000 से अधिक जीसीसी स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसके माध्यम से पांच लाख से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 90 जीसीसी सक्रिय हैं, जो आईटी, इंजीनियरिंग, डेटा एनालिटिक्स, फाइनेंस और मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। नीति की सबसे बड़ी ताकत इसकी स्पष्टता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण है। निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता-नियमों की अनिश्चितता और प्रक्रियागत देरी—को दूर करने के लिए सरकार ने एक स्पष्ट और पारदर्शी ढांचा तैयार किया है। इससे निवेशकों को शुरुआती चरण में ही नियम, शर्तें और जिम्मेदारियां स्पष्ट हो जाती हैं, जिससे निर्णय लेने की गति तेज हुई है और भरोसा मजबूत हुआ है। भूमि आधारित प्रोत्साहन और संरचनात्मक सहयोग से निवेश की शुरुआती लागत घटाने पर विशेष जोर दिया गया है। प्रदेश सरकार का मानना है कि यदि निवेशक को आरंभिक स्तर पर ठोस आधार मिलेगा, तो वह लंबे समय तक राज्य से जुड़ा रहेगा। इसी कारण अस्थायी कार्यालयों के बजाय स्थायी औद्योगिक और आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही समयबद्ध क्रियान्वयन और जवाबदेही तय कर यह सुनिश्चित किया गया है कि परियोजनाएं तय समय में धरातल पर उतरें।जीसीसी के माध्यम से प्रदेश में हाई-वैल्यू और हाई-स्किल रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। स्थानीय युवाओं को अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति और तकनीकी अनुभव मिल रहा है, जिससे प्रतिभा पलायन पर अंकुश लगने की उम्मीद है। साथ ही कम विकसित क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित कर सरकार क्षेत्रीय संतुलन साधने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है।

गोरखपुर महोत्सव में बच्चों से बात करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

विकास की नई ऊंचाइयों पर उत्तर प्रदेश : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- मुख्यमंत्री ने किया गोरखपुर महोत्सव का समापन, छह विभूतियां 'गोरखपुर रत्न' से सम्मानित

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में अब केवल संभावनाओं की चर्चा नहीं होती, बल्कि मजबूत इच्छाशक्ति के साथ परिणाम धरातल पर दिखाई देते हैं। सरकार की दृढ़ नीति और संकल्प का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश माफियामुक्त, दंगामुक्त होकर विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री मंगलवार अपराह्न रामगढ़ताल के सामने चंपा देवी पार्क में आयोजित गोरखपुर महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्थानीय छह विभूतियों को 'गोरखपुर रत्न' से सम्मानित किया और महोत्सव की स्मारिका 'अभ्युदय' का विमोचन किया। योगी ने कहा कि सरकार की स्पष्ट इच्छाशक्ति से प्रदेश में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। आज नौजवानों को रोजगार मिल रहा है, किसानों की आय में वृद्धि हो रही है और व्यापारी भयमुक्त वातावरण में अपना कारोबार बढ़ा रहे हैं। बहन-बेटियां सुरक्षित माहौल में स्कूल और बाजार जा पा रही हैं। उन्होंने सख्त शब्दों में कहा कि यदि कोई बहन-बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने का दुस्साहस करता है, तो उसे कानून का कठोर सामना करना पड़ेगा। यह परिवर्तन तभी संभव हुआ है, जब सरकार में जनसेवा की सच्ची भावना और निर्णय लेने का साहस हो।

2017 से पहले और बाद जमीन-आसमान का फर्क

- योगी ने कहा कि 2017 से पहले गोरखपुर और प्रदेश की स्थिति बदहाल थी। सड़कें जर्जर थीं, बिजली संकट था, गुंडा टैक्स वसूला जाता था और बीमारियों का प्रकोप था। आज गोरखपुर और उत्तर प्रदेश विकास की नई बुलंदियों पर हैं। उन्होंने कहा कि मच्छर और माफिया एक–दूसरे के पूरक होते हैं, एक शरीर को बीमार करता है, दूसरा समाज को। स्वच्छता और कानून व्यवस्था के जरिए दोनों पर नियंत्रण किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज गोरखपुर में शानदार सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी है। हजारों करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जिससे करीब 50 हजार युवाओं को रोजगार मिला है।

माघ मेले में मकर संक्रांति स्नान पर्व के लिए तैयारी पूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

- एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान

अमृत विचार: संगम नगरी प्रयागराज में आयोजित माघ मेले का दूसरा और महत्वपूर्ण स्नान पर्व मकर संक्रांति 15 जनवरी को होगा। पौष पूर्णिमा स्नान पर्व पर 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं को सकुशल स्नान कराने के बाद अब मेला प्रशासन मकर संक्रांति के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। प्रशासन का अनुमान है कि इस पर्व पर एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम तट पर आस्था की डुबकी लगाएंगे।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेला क्षेत्र में 12,100 फीट लंबाई में स्नान घाटों का निर्माण किया गया है। भीड़ के दबाव को कम करने के लिए घाटों के समीप ही पार्किंग विकसित की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को कम से कम पैदल चलना पड़े। इस बार 42 अस्थायी पार्किंग स्थल बनाए गए हैं, जिनमें एक लाख से अधिक वाहनों की क्षमता है। सुगम आवागमन के लिए गोल्फ कार्ट और बाइक टैक्सी सेवा भी उपलब्ध रहेगी। भीड़ माघ मेला अधिकारी ऋषिराज के अनुसार, पिछले वर्ष मकर संक्रांति पर करीब 29 लाख श्रद्धालु आए थे, जबकि इस बार अनुमान लगभग तीन गुना है। इसी को देखते हुए यातायात और प्रवेश-निकास मार्गों को विशेष रूप से सुव्यवस्थित किया गया है। गंगा में पर्याप्त जल उपलब्धता के लिए कानपुर स्थित बैराज से प्रतिदिन 8000 क्यूसेक जल छोड़ा जा रहा है और सभी 81 नालों की टैपिंग पूरी कर ली गई है। स्वच्छता और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। मेला क्षेत्र को ओडीएफ, दुर्गंध मुक्त और जीरो डिस्चार्ज बनाए रखने के लिए 25,880 टॉयलेट, 11 हजार डस्टबिन, 10 लाख लाइनर बैग और 3,300 स्वच्छता कर्मियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मेला क्षेत्र में 17 थाने, 42 पुलिस चौकियां, जल पुलिस, अग्निशमन स्टेशन और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई है। एआई आधारित 400 से अधिक कैमरों से क्राउड मॉनिटरिंग और भीड़ घनत्व का विश्लेषण किया जाएगा।

मेला प्रशासन की तैयारी

- **अनुमानित श्रद्धालु:** 1 करोड़ से अधिक
- **स्नान घाट:** 12,100 फीट लंबाई
- **पार्किंग स्थल:** 42 (1 लाख वाहन क्षमता)
- **स्वच्छता कर्मी:** 3,300
- **टॉयलेट:** 25,880
- **सुरक्षा:** 400 एआई व सीसीटीवी कैमरे
- **विशेष सुविधा:** गोल्फ कार्ट व बाइक टैक्सी सेवा

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दो छोलदारियां जलीं

- **अमृत विचार, लखनऊ:** माघ मेला–2026 के दौरान प्रयागराज में फायर सर्विस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। मंगलवार को मेला क्षेत्र अंतर्गत थाना झूंसी, सेक्टर–05 में श्री राम नाम एवं मानव प्रचार संघ के संस्था परिसर में विद्युत आपूर्ति के दौरान लाइट फ्लक्चुएशन के कारण शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके के पास ड्यूटी पर तैनात दो–पहिया फायर वाहन ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर अग्निशमन कार्य शुरू किया। इसके बाद मात्र दो मिनट के भीतर फायर सर्विस के कुल छह वाहन मौके पर पहुंच गए और संगठित तरीके से आग बुझाने की कार्रवाई की गई।

एसआईआर के लंबित मामलों पर जवाब तलब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीईओ नवदीप रिणवा ने वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग से डीईओ–ईआरओ को दिए सख्त निर्देश
- 18 को मिशन मोड में पढ़ी जाएगी मतदाता सूची, सोशल मीडिया पर त्वरित समाधान के आदेश

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के साथ वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि 18 जनवरी 2026 को प्रदेश के सभी बूथों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मिशन मोड में आलेख्य मतदाता सूची को पुनः पढ़कर मतदाताओं को सुनाएंगे। इस अभियान में राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट, संबंधित क्षेत्र के पार्षद और ग्राम प्रधान का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि बीएलओ के पास फॉर्म-6 (घोषणा पत्र सहित), फॉर्म-7 और फॉर्म-8 पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हों। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त मतदाताओं की जिज्ञासाओं और शिकायतों का समयबद्ध, तथ्यपरक और स्पष्ट उत्तर दिया जाए, ताकि मतदाताओं के बीच किसी भी प्रकार का भ्रम उत्पन्न न हो।

नाम–पते की त्रुटियों पर सख्ती

- सीईओ ने निर्देश दिए कि फॉर्म–6 ऑफलाइन भरवाते समय मतदाता का नाम, पता और अन्य विवरण हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में मतदाता के सामने भरवाया जाए, ताकि वर्तनी की किसी भी प्रकार की गलती की संभावना न रहे। इसी प्रकार, ऑनलाइन फॉर्म–6 के मामलों में सत्यापन के दौरान बीएलओ मतदाता से उसका नाम हिंदी में भी भरवाएं, जिससे मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध और अद्यतन हो सके।

'बुक ए कॉल विद बीएलओ' की समीक्षा

- बैठक में 'बुक ए कॉल विद बीएलओ' सुविधा के अंतर्गत 48 घंटे से अधिक समय तक लंबित प्रकरणों की विधानसभा वार समीक्षा की गई। जिन आठ विधानसभा क्षेत्रों मुरादाबाद ग्रामीण, शिकोहाबाद, गढ़मुक्तेश्वर, चायल, मधुबन, कुंदरकी, मनकापुर और मुरादाबाद नगर में 10 से अधिक प्रकरण 48 घंटे से ज्यादा लंबित पाए गए, वहां के ईआरओ से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी ईआरओ को नियमित बूथ वार समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि कोई भी प्रकरण 48 घंटे से अधिक लंबित न रहे।

राजनीति

मछुआ समाज अब सिर्फ वोट बैंक नहीं, सत्ता का भागीदार : डॉ . संजय निषाद

निषाद पार्टी के संकल्प दिवस पर एनडीए ने किया ताकत का प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) के 13वें संकल्प दिवस पर मंगलवार को राजधानी लखनऊ में एनडीए के सहयोगी दलों की एकजुटता और राजनीतिक ताकत का जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला। 2027 के विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत का दावा करते हुए विपक्ष को हाशिये पर पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

डॉ. बीआर आंबेडकर सभागार, राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ मंत्री, सहयोगी दलों के नेता तथा हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि 13 साल पहले श्रृंगवेरधाम में संकल्प लिया था कि मछुआ समाज का शोषण करने वाली सरकारों का अंत करेंगे। उन्होंने कहा कि निषाद समाज अब केवल नदी–तालाब तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार बनाना और गिराना भी जानता है। उन्होंने फूलन देवी और स्व. जमुना निषाद की हत्या की सीबीआई जांच की मांग दोहराई और संतकबीरनगर लोकसभा चुनाव में साजिश का आरोप लगाया।

डॉ. संजय निषाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मछुआ समाज के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत बीते 11 वर्षों में 41.5 हजार करोड़ रुपये मछुआरों को दिए गए, जबकि पूर्ववर्ती सरकारें दशकों में यह नहीं कर पाईं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने निषाद पार्टी के नाम को सबसे सुंदर बताते हुए कहा कि भाजपा और निषाद पार्टी का रिश्ता राजनीतिक नहीं, बल्कि पारिवारिक गठबंधन है।

सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि यदि निषाद पार्टी और सुभासपा एकजुट रहती हैं, तो बिना उनके सहयोग के कोई भी सरकार नहीं बन सकती।

उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि 2027 में सपा सत्ता से पूरी तरह बाहर हो जाएगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निषाद समाज को भरोसा दिलाया कि आरक्षण का मुद्दा एनडीए सरकार में ही हल होगा। कार्यक्रम में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, शिवसेना (शिंदे) के समन्वयक अभिषेक वर्मा सहित एनडीए के कई नेता उपस्थित रहे। संकल्प दिवस ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि 2027 के चुनाव की तैयारी में एनडीए पूरी तरह संगठित और आक्रामक मोड में है।

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और संजय निषाद का स्वागत करते कार्यकर्ता।

न्यूज ब्रीफ

जहर खाने से युवक की हालत बिगड़ी

राजपुर। थाना क्षेत्र के गांव सिलहरा के मजदूर आशीष (20) ने मंगलवार शाम 6 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालात बिगड़ने पर परिजनों ने उसे राजपुर पीएचसी में भर्ती कराया। डाक्टर ध्रुव सिंह ने हालत बिगड़ती देख मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। आशीष के चाचा ने डॉक्टर को बताया कि घरेलू कलह के चलते आशीष ने जहरीला पर्दाथ खाकर जान देने का प्रयास किया है। बताया गया कि युवक को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

लखनऊ में प्रशिक्षण से लौटे आपदा मित्र

कानपुर देहात। आपदा विशेषज्ञ अश्वनी वर्मा ने बताया कि जिले से 33 स्वयं सेवक आपदा मित्र प्रशिक्षण लेने लखनऊ गए थे। प्रशिक्षण राज्य आपदा मोचक बल द्वारा दिया गया जो 12 दिन का था। सभी आपदा मित्रों को अग्निकांड, बाढ़, सर्पदंश, भूकंप, अकाशीय विद्युत, प्राथमिक उपचार आदि पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले आपदा मित्रो को बहुपयोगी आपदा राहत किट एवं एसडीआरएफ से प्रमाण पत्र दिया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वालो में आशीष सिंह चौहान, हमजा सिद्दीकी, कादिर खान, विकास, राकेश आदि रहे।

नवजात को सुरक्षित सैफई पहुंचाया

राजपुर। जिला अस्पताल से सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किए गए नवजात शिशु को 108 एंबुलेंस सेवा से नया जीवन मिला। एंबुलेंस में तैनात चंद्रभान और पायलट अभिषेक ने फ्री फ्लो ऑक्सीजन तकनीक का उपयोग करते हुए नवजात को समय पर ऑक्सीजन सपोर्ट दिया। परिवहन के दौरान नवजात की स्थिति नाजुक थी, लेकिन चंद्रभान द्वारा लगातार मॉनिटरिंग और पायलट अभिषेक की सुरक्षित व तेज ड्राइविंग के कारण शिशु को बिना किसी जटिलता के सैफई मेडिकल कॉलेज में सुरक्षित रूप से भर्ती कराया गया।

जन समस्याओं का जल्द करें निस्तारण

रसूलाबाद। विकास खंड सभागार में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि किशन दुबे उर्फ छुन्नी दुबे ने समस्याएं सुनीं। 6 लोगों की समस्याओं का तत्काल समाधान कर दिया गया। एक दर्जन से अधिक शिकायतें आईं। अधिकारियों से कहा गया कि समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर किशन दुबे ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर गोविंद माधव चतुर्वेदी, प्रिया मिश्रा, रामबाबू कुशवाहा, सज्जन पाठक, सीमा दुबे, मानवेंद्र पाल, पल्लू मिश्रा, प्रमोद त्रिवेदी और मीनू शुक्ला रहे।

युवक पर किशोरी को ले जाने का आरोप

रसूलाबाद। एक महिला ने गांव के ही एक युवक, उनकी मां एवं घर के अन्य सदस्यों के विरुद्ध नाबालिग पुत्री को 12 जनवरी रात 11 बजे बहला फुसला कर ले जाने और उलाहना देने पर अपशब्द कहने और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि गांव का ही एक युवक उसकी 16 वर्षीय पुत्री को कहीं भगा ले गया। जब उसने इसका उलाहना दिया तो उसकी मां व उसके घर के सदस्यों ने उसे अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। इस पर वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने थाने आई है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है। इसकी विवेचना असालतगंज चौकी प्रभारी केशव देव करेंगे।

दो लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा

रसूलाबाद। पूरनपुरवा निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही दो लोगों के विरुद्ध 9 जनवरी शाम 3 बजे खेतों से वापस आते समय रास्ते में अपशब्द कहने, विरोध करने पर लात-घूसों से पीटने व बचाव के लिए आए पुत्र के साथ भी मारपीट कर, जान से मारने की धमकी देकर भाग जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पूरन पुरवा निवासी जगदीश ने पुलिस को बताया कि वह अपने खेतों से वापस लौट रहा था तो रास्ते में घात लगाकर बैठे प्रवेश व उसके भाई सचिन ने उसे घेर कर अपशब्द कहे। जब उसने इसका विरोध किया तो उसे लात घूसों से मारा पीटा और बचाव में आए उसके पुत्र के साथ भी घर जाकर अपशब्द कहकर मारपीट की। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए लोग भाग गए। पुलिस जांच कर रही है।

मलिकपुर कांड में 6 आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

महिलाओं के बीच कहासुनी के बाद किया गया हमला, कानपुर से बाइकों पर पहुंचे थे हमलावर, रात भर पुलिस की छापेमारी

अमृत विचार Follow UP

संवाददाता, शिवली

- गांव में तनाव को देखते हुए अभी भी पुलिस बल तैनात
- विद्यालय प्रबंधन ने चौकीदारी से हटाकर नहीं दी पगार

अमृत विचार। मलिकपुर हत्याकांड में शिवली पुलिस ने छह हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है। यह हमला महिलाओं के बीच हुई कहासुनी के बाद बोला गया था। हमलावर बाइकों पर कानपुर से पहुंचे थे। इस बीच गांव में अभी भी तनाव व्याप्त है, जिसे देखते हुए मंगलवार को भी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस ने हमलावरों की निशानदेही पर लाठी-डंडे बरामद कर सभी को जेल भेज दिया है।

शिवली कोतवाली क्षेत्र के मलिकपुर गांव के रहने वाले देवकीनंदन पासवान की झोपड़ी में रविवार की रात जिस तरह हमला बोलकर हत्या की गई, उससे गांव वाले भी स्तब्ध हैं। देवकीनंदन गांव के ही इंटर कालेज में चौकीदारी करता था, लेकिन कुछ दिन पहले उसे न सिर्फ नौकरी से निकाल दिया गया, बल्कि स्कूल प्रबंधन की ओर से उसे कई महीने की पगार भी नहीं दी गई। उसकी जगह गांव के ही गोविंद सिंह को चौकीदार के पद पर रख लिया गया, जो विवाद की मूल वजह बना।

देवकीनंदन पासवान।

आरोपियों को कोर्ट में पेश करने ले जाती शिवली पुलिस। अमृत विचार

बताते हैं कि नौकरी से निकाले जाने और पगार भी नहीं देने को लेकर देवकीनंदन और गोविंद सिंह के बीच कई बार विवाद हो चुका था। रविवार की रात देवकीनंदन की पत्नी ममता और गोविंद सिंह की पत्नी संगम के बीच कहासुनी हो गई थी। इसी कहासुनी में दोनों के बीच मारपीट हो गई थी। बताते हैं कि इस मारपीट के बाद ही गोविंद सिंह की पत्नी संगम ने कानपुर नगर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के नई बस्ती मिर्जापुर में रहने वाले अपने भाई आकाश उर्फ छोटू और विजय सिंह को फोन कर घटना के बारे में जानकारी दी और ममता को सबक सिखाने का दंभ भरा।

इसी के बाद आकाश सिंह कल्याणपुर थाना क्षेत्र के बारासिरोही में रहने वाले गजनेर क्षेत्र के गंगरौली निवासी अपने साथी अमन पुत्र राम प्रकाश कमल, कानपुर नगर के चकेरी थाना क्षेत्र के सनिगवां में रहने वाले फतेहपुर जिले के ललौली थाना क्षेत्र के अठावल निवासी अनूप सिंह पुत्र विशाल सिंह के साथ बाइकों से मलिकपुर गांव पहुंचा और गोविंद सिंह, उसकी पत्नी संगम के साथ मिलकर देवकीनंदन पासवान की झोपड़ी में धावा बोल दिया।

हमलावरों ने देवकीनंदन, उसकी पत्नी ममता और पुत्री गोमती पर बेरहमी के साथ लाठी-डंडों से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया था। देवकीनंदन के मरणासन्न होने के बाद हमलावर भाग निकले। देवकीनंदन को सीएचसी से कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनकी निशानदेही पर हमले में प्रयुक्त लाठी-डंडे बरामद कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए अभी पुलिस बल तैनात है।

ममता के सिर पर दर्जन भर टांके, हालत गंभीर

हमलावरों ने बेरहमी के साथ देवकीनंदन और उसकी पत्नी व बेटीम पर हमला किया था। क्रूरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देवकीनंदन के सिर पर गंभीर चोट के चलते मौत हो गई, जबकि पत्नी ममता के सिर में करीब एक दर्जन टांके लगाए गए हैं। बेटी गोमती के मुताबिक ममता का कल्याणपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

हमले में घायल ममता।

भागते समय मैथा से पकड़े गए हमलावर

- दलित परिवार पर हमला करने के बाद आरोपी मौके से भाग निकले थे। दलित परिवार से जुड़े इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अफसरों ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की थीं। दलित देवकीनंदन की मौत के बाद पुलिस ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही थी। दरअसल, बेरहमी से हमले से पहले भी मारपीट की थी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची थी और समझा-बुझाकर लौट गई थी। कोतवाली इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि हमले के बाद फरार हुए गोविंद सिंह, उसकी पत्नी संगम, गोविंद सिंह के साले आकाश उर्फ छोटू, विजय सिंह उर्फ गोरे और इनके साथी अमन व अनूप सिंह को मैथा में राम गंगा नहर पुल के पास मंगलवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया है।

मलिकपुर कांड में छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

–राजेश पांडेय, एएसपी

अदालत में हत्यारोपियों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- राजपुर थाना क्षेत्र में हुई थी घटना बेटे ने दर्ज कराई थी एफआईआर
- अपराध की प्रकृति के आधार पर कोर्ट ने निरस्त किए प्रार्थना पत्र

अमृत विचारः राजपुर थाना क्षेत्र के चर्चित मारपीट एवं जहर देकर हत्या के मामले में नामजद आरोपियों को अग्रिम जमानत नहीं मिली। माती सत्र न्यायालय ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की अर्जी खारिज कर दी। विस्तृत आदेश में कोर्ट ने अपराध की प्रकृति, प्रथम दृष्टया साक्ष्यों, चश्मदीद गवाहों के बयानों तथा विवेचना की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए दोनों अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्रों को निरस्त किया है।

बेटे अंकित सिंह की ओर से तहरीर में आरोप लगाया था कि खेत से संबंधित विवाद को लेकर आरोपियों द्वारा वादी एवं उसकी मा आशा देवी के साथ लाठी, डंडा एवं कुल्हाड़ी से मारपीट की गई। इसके बाद आशा देवी को जबरन जहरीली टिकिया खिला दी गई, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। मामले को लेकर आरोपियों की ओर से अग्रिम जमानत की अर्जी दी गई। आरोपियों की ओर से उन्हें पारिवारिक रंजिश में झूठा फंसाए जाने का तर्क दिया गया, जबकि वादी पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान एवं अभियोजन की ओर से घटना के वीडियो, चश्मदीद गवाहों के बयान तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्रों का कड़ा विरोध किया गया।

सत्र न्यायालय ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि एफआईआर, गवाहों के बयान एवं विवेचना में सामने आए तथ्यों से अभियुक्ताओं की भूमिका को इस स्तर पर नकारा नहीं जा सकता। न्यायालय ने यह भी कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण स्पष्ट न होने के कारण बिसरा सुरक्षित किया गया है तथा विवेचना अभी प्रचलित है। ऐसे में इस स्तर पर अभियुक्ताओं को अग्रिम जमानत का लाभ देना न्यायोचित नहीं है।

अधिवक्ता ने कहा कि, न्यायालय का यह आदेश कानून की गंभीरता और पीड़ित पक्ष के अधिकारों की रक्षा का सशक्त उदाहरण है। प्रथम दृष्टया साक्ष्य, चश्मदीद गवाहों के बयान और अपराध की प्रकृति को देखते हुए अग्रिम जमानत से इंकार किया जाना पूरी तरह न्यायसंगत है। ऐसे मामलों में कठोर दृष्टिकोण ही समाज में कानून के प्रति विश्वास को मजबूत करता है।

व्यापारी को शस्त्र लाइसेंस की मांग

कानपुर देहात। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की पुखरायां इकाई की बैठक में समस्याओं पर एवं संगठन विस्तार पर चर्चा की गई।

बैठक में जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता मोनू को बताया गया कि नगर अध्यक्ष नीतेश गुप्ता के यहा चोरी की घटना को हुए एक वर्ष के ऊपर हो गया है। उसके बाद पीड़ित व्यापारी ने शस्त्र लाइसेंस का आवेदन किया था और शस्त्र लाइसेंस स्वीकृत करने के लिए उच्चधिकारियों का आश्वासन मिला हुआ था परंतु अभी तक पीड़ित व्यापारी नीतेश गुप्ता के शस्त्र लाइसेंस पर कोई सुनवाई नहीं हो पाई है। जिलाध्यक्ष ने बैठक में कहा कि जिलाधिकारी महोदय से नीतेश गुप्ता के साथ मिलकर प्रकरण पर भेंट की जाएगी। इस मौके पर नगर अध्यक्ष नीतेश गुप्ता, उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता, कोषाध्यक्ष शरद ओमर, आनन्द गुप्ता बृजेश किशोर गुप्ता, संघठन मंत्री अजय साहू, उपाध्यक्ष चंदन कुलश्रेष्ठ मंत्री गुलजार आदि लोग उपस्थित रहे।

वकीलों ने कराया खिचड़ी भोज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः मंगलवार को जिला जजी परिसर में अधिवक्ताओं ने खिचड़ी भोज का आयोजन किया। बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। लोगों को सनातन धर्म में मकर संक्रांति और खिचड़ी पर्व के बारे में जानकारी दी गई।

वरिष्ठ अधिवक्ता दुर्गेश यादव ने अपने सहयोगियों के साथ खिचड़ी भोज का आयोजन किया। जिला एवं सत्र न्यायालय में हनुमान मंदिर के बगल में स्टॉल पर सुबह से ही लोगों ने गरमागरम खिचड़ी का आनंद लिया। ठंड के बावजूद स्थानीय लोगों के साथ राहगीरों ने प्रसाद को ग्रहण किया। यह आयोजन सेवा भाव से सराबोर दिखा। अधिवक्ता दुर्गेश यादव ने कहा कि मकर संक्रांति पर दान और खिचड़ी खिलाने का विशेष महत्व है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। शनि देव मकर राशि का प्रतिनिधित्व करते हैं। माना जाता है कि उन्हें खिचड़ी बहुत पसंद है। शक्तिशाली शनि देव बुरी नज़र से बचाव करते हैं और बाधाओं को दूर करते हैं। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए यह आयोजन किया गया, ताकि लोग पुण्य कमा सकें। जितेंद्र यादव, डीके वर्मा, महेंद्र सिंह, श्याम सुंदर, शशि बिंदु नीलेश यादव, अर्पित चतुर्वेदी, सौरभ यादव, अंशुल यादव आदि रहे।

माती कचहरी में खिचड़ी वितरित करते अधिवक्ता। अमृत विचार

बजरंग स्वामी मंदिर में बांटी गई खिचड़ी

- **शिवली।** मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर धर्म कांटा के संचालक सूर्यभान सिंह उर्फ सचिन सेंगर की ओर से बजरंग स्वामी मंदिर नहरपुल चौराहे पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। खिचड़ी भोज में सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। मंगलवार की सुबह से ही राहगीर, ग्रामीण और व्यापारी जुट गए और खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। यहां उदयभान सिंह सेंगर उर्फ कल्लू सिंह सेंगर, पिंटू सिंह चन्देल, रामस्वरूप यादव, पप्पू कुशवाहा, नीरज राठौर, सुचित सेंगर, नितिन सेंगर, आशीष यादव, डा. विनोद पाल, अशोक कुमार यादव उर्फ लल्लू यादव, लालजी मिश्रा, लाला यादव आदि मौजूद रहे।

स्वर्ण पदक विजेता पर चाकू-लाठी से हमला

संवाददाता, राजपुर

- सट्टी थाना क्षेत्र के गिरधरपुर गांव में हमले से युवक घायल
- पिता की तहरीर पर तीन अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज

अमृत विचारः सट्टी थाना क्षेत्र के गिरधरपुर गांव में दौड़ लगाकर घर लौट रहे खिलाड़ी पर अज्ञात हमलावरों ने चाकू व लाठी से हमला कर घायल कर दिया। परिजनों ने उसे पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गिरधरपुर गांव निवासी मनोज कुमार का बेटा शिवम तिवारी राज्य स्तरीय भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता है। शिवम ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम करीब 6 बजे वह गिरधरपुर-महकापुर संपर्क मार्ग पर दौड लगा रहा था। तभी सरसों के खेत में छिपे तीन लोगों ने दौड़ते समय उस पर चाकू व लाठी से हमला कर घायल कर दिया। शोर मचाने पर हमलावर भाग गए। शिवम ने घटना की सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने शिवम को पुखरायां सीएचसी में भर्ती कराया और पुलिस को सूचना दी। सट्टी थानाध्यक्ष कालीचरन ने बताया कि खिलाड़ी के पिता मनोज की तहरीर पर तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सच्चा मित्र वही जो कष्ट में साथ दे

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः पौराणिक आख्यानों की मानें तो मित्रता के अनुपम उदाहरण केवल तीन मिलते हैं। इनमें राम व सुग्रीव, दुर्योधन-कर्ण एवं श्री कृष्ण और सुदामा की मैत्री अनुकरणीय है और श्रेष्ठ है। मैत्री के इन पौराणिक आख्यानों से भगवान ने मानव को संदेश दिया है कि वह मित्र के कष्ट को पहले दूर करें फिर अपना कष्ट देखें।

यह बात खेड़ाकुर्सी के काली माता मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा में सुदामा मैत्री की कथा के दौरान कथावाचक उपेंद्र शुक्ल ने बताई। उन्होंने बताया कि राजाधिराज होते हुए भी भगवान कृष्ण अत्यंत निर्धन हुए अपने मित्र सुदामा को नहीं भूले और पूर्ण आदर सत्कार के साथ उन्हें गले लगाया।

कथा सुनाते उपेंद्र शुक्ला।

अत्यंत विपन्न जीवन जी रहे सुदामा की पत्नी सुशीला ने उन्हें बच्चों के कष्ट को देखते हुए जबरन श्री कृष्ण के पास भेजा। भगवान की भक्ति में डूबे सुदामा संकोच करते हुए उनके पास गए किंतु भगवान के प्रेम को देखकर वह विभोर हो गए और भगवान ने भी उन्हें संपूर्ण सांसारिक वैभव एवं पारलौकिक सुख देकर अंत काल में अपने धाम भेजा। कथा वाचक ने इसके बाद रुक्मणी विवाह का प्रसंग श्रोताओं को बताया। उन्होंने बताया कि श्री कृष्णा जी की मोहिनी मूरत और उनके गुणों एवं लीलाओं की चर्चा से मोहित होकर रुक्मणी ने उन्हें अपना पति मान लिया किंतु उनका भाई रुक्मी उनका विवाह शिशुपाल से करना चाहता था और उसने इसके लिए विवाह की तैयारियां कीं लेकिन कृष्ण के प्रति पूर्ण समर्पित रुक्मिणी को यह स्वीकार नहीं था और उन्होंने गोपनीय तरीके से श्री कृष्ण जी को पत्र लिखकर ब्राह्मण के हाथ पत्र भेजा और उनसे मंदिर में मिलने की बात बताकर उनसे विवाह करने की इच्छा से अवगत कराया। उन्होंने उनसे अनुरोध किया कि वे उन्हें ले जाएं इस पर भगवान कृष्ण उनके देश में गए और विवाह समारोह से मंदिर पहुंची रुक्मिणी को हर करके अपने साथ ले गए।

डिवाइडर पर चढ़ पलटी कार, युवक की गई जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- सेंगुर नदी के पास हुआ हादसा घायल साथी कानपुर रेफर

अमृत विचारः सदर कोतवाली क्षेत्र में सेंगुर नदी के पास हाईवे पर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस से दोनों को मेडिकल कॉलेज भेजा गया जहां डॉक्टर ने एक मृत घोषित कर दिया। दूसरे को गंभीर हालत देखते हुए कानपुर रेफर कर दिया गया।

लहरापुर गांव निवासी कृष्ण उर्फ श्रवण कुमार (18) पुत्र राजकुमार और यीशु उर्फ रेशु पुत्र जसवंत (24) कार से बिहारी गांव की ओर जा रहे थे। सेंगुर नदी के समीप कार डिवाइडर से टकराते हुए कई पलटी खाकर खड्ड में जा गिरी, जिससे दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस ने एनएचएआई की एम्बुलेंस से दोनों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहां डॉक्टर ने कृष्ण उर्फ श्रवण कुमार को मृत घोषित कर दिया। यीशु की हालत गंभीर देखते हुए कानपुर रेफर किया गया। हादसे की सूचना गांव पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। कृष्ण उर्फ श्रवण कुमार पेशे से चालक था। दो बड़े भाई व दो बहनों में सबसे छोटा था। कोतवाल हरमीत सिंह ने बताया कि क्षतिग्रस्त कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

प्रशासन रहा चौकन्ना | बैठक शुरू होने से पहले ही डीएम ने किया स्पष्ट, एजेंडा के अलावा दूसरा सवाल न उठाएं, लखनऊ जाने से विधायक नहीं पहुंचे

कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच 10 घंटे तक चली दिशा की बैठक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक मंगलवार दोपहर 12 बजे से रात 10:20 बजे तक चली। पिछली बैठक में बवाल के बाद इस बार बैठक को लेकर प्रशासन खासा चौकन्ना रहा। अफसरों और समिति के सदस्यों के अलावा किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। डीएम कपिल ने बैठक शुरू होने से पहले ही स्पष्ट कर दिया कि एजेंडा के अलावा कोई दूसरा सवाल न उठाया जाए।

बैठक में विकास योजनाओं से लेकर नुमाइंदों व अफसरों के बीच रस्साकसी के मामले उठे। अध्यक्षता कर रहे सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने जन समस्याओं पर अधिकारियों को गंभीर रहने की नसीहत दी।

कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद देवेंद्र सिंह भोले की अध्यक्षता में बैठक हुई। अमृत विचार

पहले पारित प्रस्तावों पर अब तक कार्यवाही नहीं होने पर नाराजगी जताई। 4 नवंबर को पिछली बैठक के दौरान जमकर हंगामा हुआ था। पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी और सांसद देवेंद्र सिंह भोले के बीच तनातनी के साथ बांहें सिमटी थीं। समर्थक आमने-सामने आ गए थे। तब बैठक स्थगित कर दी गई थी। मंगलवार को दुबारा बैठक हुई। बैठक में सांसद देवेंद्र सिंह भोले, जिला पंचायत अध्यक्ष नीरज रानी, डीएम कपिल सिंह, एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय और सीडीओ विधान जायसवाल पहुंचे, मगर जिले का कोई विधायक और एमएलसी शामिल नहीं हुआ। बताया गया कि लखनऊ जाने के कारण वे शामिल नहीं हुए। सूत्रों के मुताबिक सांगठनिक बैठक और विधायकों के उसमें शामिल होने की सूचना पहले से थी, इसी कारण बैठक मंगलवार की जगह किसी और दिन कराने की बात कही गई थी, मगर ऐसा नहीं हुआ। कलेक्ट्रेट सभागार में तय कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को बैठक हुई। डीएम ने पहले ही स्पष्ट कर दिया कि बैठक में सिर्फ दिशा संबंधित विषयों पर ही चर्चा की जाए। विभागीय विषयों पर फोरम अथवा विभागीय बैठकों में विचार किया जाएगा। इसके बाद सांसद द्वारा गत बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की। परिवहन विभाग से अब तक ओवरलोड वाहनों एवं बिना नंबर प्लेट के वाहनों पर की गई कार्रवाई का विस्तृत विवरण मांगा। साथ ही फिटनेस सेंटरों पर की गई जांचों की जानकारी भी सदन में प्रस्तुत करने को कहा गया। सांसद द्वारा वृक्षारोपण के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने हेतु प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) को निर्देशित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की नियुक्ति के संबंध में जांच कराकर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) को अपने कर्मचारियों की जनपद कानपुर देहात में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा अब तक कितने भवन मानचित्र स्वीकृत किए गए हैं, इसकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान कलेक्ट्रेट गेट पर पुलिस बल तैनात रहा। अमृत विचार

कलेक्ट्रेट के रास्ते पर तैनात रहा पुलिस बल

- 4 नवंबर को बवाल के मद्देनजर प्रशासन ने सभागार में प्रवेश की पाबंदी का फरमान रात में ही जारी कर दिया था। बैठक से पहले ही कलेक्ट्रेट के रास्ते पर पुलिस तैनात कर दी गई। सदस्य, अफसर ही पहुंचे।

धर्मांतरण को लेकर किया गया हंगामा

कानपुर देहात। धर्मांतरण के खुलासे के बाद सक्रिय हुए हिंदू वादी संगठनों ने मोर्चा खोल दिया। चर्च व कथित धर्मांतरण के विरोध में काफी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और सख्त कार्रवाई की मांग की।

कलेक्ट्रेट सभागार में दिशा की बैठक की चल रही थी। इसी बीच सैकड़ो की संख्या में बजरंग दल कार्यकर्ता जय श्री राम के नारे लगाते हुए जिला मुख्यालय पहुंच गए। जनपद में अवैध धर्मांतरण और चर्चो की जांच की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। दिशा की बैठक चलने के कारण पुलिस ने उन्हें मुख्य परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया। इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने बाहर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को बुलंद किया। नारेबाजी सुन एडीएम न्यायिक दिशा की बैठक के बीच कार्यकर्ताओ के पास पहुंचे, जिन्हें ज्ञापन सौंपा गया।

प्रतिबंधित मांस मिलने पर बिल्हौर में तनाव

जफर शाह मोहल्ले में सोमवार शाम हुई थी तोड़-फोड़, आरोपियों की गिरफ्तारी को पुलिस ने मारे छापे, पीएसी तैनात

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर कस्बे के जफरशाह मोहल्ले में सोमवार शाम उस समय बवाल हो गया जब सिंह वाहिनी मंदिर से महज 400 मीटर की दूरी पर एक खेत में भारी मात्रा में प्रतिबंधित पशु मांस के अवशेष बरामद हुए। इस घटना के विरोध में हिंदू संगठनों और स्थानीय विधायक ने जमकर तोड़फोड़ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने लापरवाही बरतने पर थाना प्रभारी समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

बिल्हौर में तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी को छापेमारी हो रही है। एडीसीपी कपिलदेव सिंह ने बताया कि दो लोगो को हिरासत मे लिया गया है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगी हुई है। लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है नगर पालिका के अध्यक्ष और पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जांच की जा रही है सबूत के आधार पर कार्रवाई की जाएगी कार्रवाई में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर भी समर्थकों के साथ कोतवाली पहुंचे और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए धरना दिया। तनाव बढ़ता देख संयुक्त पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार और एडिशनल कमिश्नर कपिल देव सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को शांत कराया और मामले में सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल की। अमृत विचार

क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर समर्थकों के साथ कोतवाली पहुंचे।

उधर घटना के बाद बार एसोसिएशन के सदस्यों ने भी बिल्हौर नगर में जीटी रोड पर जमकर नारेबाजी की और गोकशी के मामले में पुलिस प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन उप जिलाधिकारी डॉक्टर संजीव दीक्षित को सौंपा।

पुलिस ने इस मामले में बिल्हौर नगरपालिका के चेयरमैन इकलाख, पूर्व चेयरमैन शादाब खान, रहमान कुरैशी, नादिर, कबीर समेत 10 नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ गौवध निवारण एवं क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। हालांकि, चेयरमैन इकलाख ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है। उधर थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज, कस्बा इंचार्ज प्रेमवीर सिंह, बीट प्रभारी आफताब आलम और कांस्टेबल दिलीप गंगवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सुधीर कुमार को बिल्हौर कोतवाली का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज पटेल की देखरेख में मांस के नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए हैं, जबकि शेष अवशेषों को नष्ट करा दिया गया है।

डीसीपी (पश्चिम) एस. कासिम आबिदी ने मंगलवार सुबह घटनास्थल का निरीक्षण किया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एडिशनल पुलिस कमिश्नर सुमित रामटेके के नेतृत्व में टीमें गठित की गई हैं। फिलहाल कस्बे में भारी पुलिस बल तैनात है और स्थिति नियंत्रण में है।

वकीलों ने भी उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। अमृत विचार

सोशल मीडिया पर शव निस्तारण का ठेका होने की चर्चा

- मामले में मंगलवार की देर शाम एक नया मोड़ आ गया जहां पर सोशल मीडिया पर चर्चा हुई की बिल्हौर कस्बे में मृत पशुओं के शव निस्तारण के लिए जिला पंचायत कानपुर की ओर से अरशद नाम के व्यक्ति को ठेका दिया गया था जिसके संबंध में अपर मुख्य अधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि ठेका दिया गया है लेकिन ठेका कहां संचालित है इस बात की पुष्टि नहीं है घटनास्थल पर ठेका की प्रक्रिया चल रही थी या फिर गोकशी हो रही थी इस बात की जांच पुलिस अधिकारियों के द्वारा की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

वेतन वृद्धि हेतु जांच समिति को ज्ञापन

कानपुर नगर। मिडडे मील समन्वयक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने जनपद आगमन पर 'शिक्षा का व्यवसायिकरण संबंधी जांच समिति' के सभापति डॉ. धर्मेंद्र सिंह व सदस्यों का स्वागत किया और वेतन वृद्धि हेतु ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व समन्वयक सौरभ पाण्डेय ने किया, जिसमें कंप्यूटर ऑपरेटर नरेंद्र कुशवाहा भी शामिल रहे। समिति को अवगत कराया गया कि वर्ष 2016 से वेतन में कोई वृद्धि नहीं हुई है। हालांकि, 14 अक्टूबर 2024 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति ने अनुमोदन दे दिया था, लेकिन प्राधिकरण की उदासीनता के कारण प्रक्रिया लंबित है। सभापति ने मामले को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान में लाकर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह ने भी समिति से कर्मियों के हित में सहानुभूतिपूर्वक कार्यवाही का अनुरोध किया। इस दौरान एमएलसी बाबूराम तिवारी व अनिरुद्ध सिंह, सौरभ कुमार उपस्थित रहे।

दस हजार नकदी सहित लाखों की गृहस्थी जली

घाटमपुर। क्षेत्र के गांव हथेही निवासी श्री नारायण उर्फ छोटे पुत्र ईश्वरदीन कमल के यहां बिजली से आग लग जाने के कारण घर में बक्से में रखा दस हजार रुपए व बिजली के उपकरण व गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी मिलते के बाद ग्रामीणों ने बड़ी मशक्कत के साथ आग पर काबू पाया तथा आग बुझाई गई। पीड़िता कंचन देवी पत्नी श्री नारायण ने बताया की पूरा परिवार खेतों पर काम करने गया था और बड़ी पुत्री स्कूल गई थी। तभी घटना हुई।

गंगापुल पर ट्रैफिक संभाल रहे होमगार्ड की बाइक हुई चोरी

शिवराजपुर। क्षेत्र के गंगा पुल पर वाहन को रोक रहे होमगार्ड की ही बाइक चोरी हो गई। होमगार्ड ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के अजीत राय नेवादा गांव निवासी प्रदीप पुत्र साहब लाल ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि गंगा पुल की सड़क कट जाने से वाहनों का आना-जाना बंद है। वह बड़े वाहनों को रोक रहे थे इसी बीच उनकी मोटरसाइकिल किसी ने पार कर दी। इस मामले में थाना प्रभारी वरुण शर्मा ने बताया कि बाइक चोरी की तहरीर मिली है छानबीन चल रही है।

टोल कर्मियों ने की मारपीट, पीड़ित ने तहरीर दी

शिवराजपुर। कार सवार मुसाफिरों के साथ टोल कर्मियों द्वारा मारपीट करने के मामले में कल्याणपुर पनकी निवासी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने थाने में तहरीर देकर टोल कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाने में दी तहरीर में उन्होंने बताया कि 28 दिसंबर को रात लगभग 8:30 बजे वह टोल प्लाजा पार कर रहे थे। टोल का पैसा न कटने पर टोल कर्मियों ने उनकी कार की चाबी छीन ली। विरोध करने पर 15 से 20 टोल कर्मियों ने मिलकर उन्हें लाठी-डंडों से पीटा, जिससे उन्हें गंभीर आंतरिक चोटें आईं। प्रार्थी के अनुसार, कुछ राहगीरों ने बीच-बचाव किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद उन्होंने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और न ही मेडिकल कराया। थानाध्यक्ष से शिकायत को संज्ञान में लेकर मेडिकल परीक्षण कराया इस मामले में थाना प्रभारी वरुण शर्मा ने बताया कि टोल कर्मियों के खिलाफ तहरीर मिली है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

खेत जा रही युवती से छेड़छाड़, रिपोर्ट दर्ज

बिवांर (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने थाने में दिए शिकायती पत्र में बताया कि, बीते 12 जनवरी को शाम करीब साढ़े चार बजे जब वह खेत जा रही थी। तभी रास्ते में गांव के अरविंद पुत्र सरमन वर्मा ने उसे बुरी नीयत से पकड़ लिया और खेत में खींच कर ले जाने लगा। पीड़िता ने बताया कि जब उसने शोर मचाया तो पास ही क्रिकेट खेल रहे लड़कों को आता देख आरोपी गाली गलौज करता हुआ चला गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में थाना प्रभारी नंदराम प्रजापति ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कार्यवाही की जा रही है।

ईसाई परिवार पर लगा धर्मांतरण का आरोप

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। नौरंगा स्थित हाउस चर्च पर बजरंगियों ने मंगलवार शाम शिकायत की है, कि वहां पर एक हिंदू परिवार का धर्मांतरण किया जा रहा है। इसकी शिकायत बजरंगियों ने घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव से की थी, शिकायत को संज्ञान में लेकर घाटमपुर पुलिस तुरंत हाउस चर्च पर पहुंची, पुलिस ने वहां से चर्च के पादरी समेत उसके परिवार व अन्य सभी लोगों को पकड़कर थाने लाई है, जहां पर सभी से पूछताछ की जा रही है।

मंगलवार शाम बजरंग दल के जिला संयोजक शुभम शौर्य अग्निहोत्री ने घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव को तहरीर देकर बताया कि नौरंगा स्थित एक घर में हाउस चर्च संचालित हो रही है। यहां पर पास्टर अलविन व उसकी पत्नी के द्वारा हिंदू धर्म के लोगों को प्रलोभन देकर उनका धर्मांतरण किया जा रहा है। सूचना मिलते घाटमपुर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस पास्टर व उसकी पत्नी को पकड़कर थाने लाई है। जहां पर सभी से पूछताछ की जा रही है। बजरंग दल ने जिस वृद्धा का धर्मांतरण करने का आरोप लगा रहा था, उस वृद्धा ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह कई दिनों से बीमार रह रही है। जिसके लिए वह प्रार्थना करने पास्टर के घर पर पहुंची थी। उसने धर्मांतरण के आरोपो को नकार दिया है। घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया कि सू पूछताछ में धर्मांतरण की पुष्टि नहीं हुई है, फिलहाल दोनों पक्षों की बात सुनी जा रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निःशुल्क नेत्र प्रशिक्षण शिविर में 95 रोगियों ने कराई जांच

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के शंकरा आई हॉस्पिटल द्वारा मंगलवार को कस्बा स्थित आनंदेश्वर धाम मंदिर प्रांगण में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान करीब एक सैकड़ा नेत्र रोगियों की जांच कर उन्हें दवाएं दी गईं। मोतियाबिंद से ग्रस्त 15 लोगों का ऑपरेशन किया जाएगा।

शंकरा आई हॉस्पिटल द्वारा आयोजित निःशुल्क परीक्षण शिविर में सुबह से ही आसपास गांवों से मरीजों का पहुंचना शुरू हो गया। रजिस्ट्रेशन के उपरांत 95 लोगों के आंखों की जांच की गई। जिसमें मोतियाबिंद से ग्रसित 15 लोगों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया, जिनका शंकरा आई हॉस्पिटल में जल्द ऑपरेशन किया जाएगा। शेष मरीजों को टीम के लोगों द्वारा मुफ्त दवाएं व चश्मे वितरित किये गए।

इस मौके पर नेत्र विशेषज्ञ डॉ पंखुड़ी सिंघल, काउंसलर कमलाकांत अवस्थी, सुजाता आदि के अलावा ग्राम प्रधान कल्लू यादव व संतोष यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। अमृत विचार

- मोतियाबिंद से ग्रस्त 15 मरीज का किया जाएगा ऑपरेशन

एसडीएम ने की राजस्व कार्यों व पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। जिलाधिकारी कानपुर नगर के निर्देशों के अनुपालन में आज तहसील बिल्हौर में राजस्व कार्यों एवं बृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उप जिलाधिकारी बिल्हौर संजीव दीक्षित की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण पर बल दिया गया।

एसडीएम ने 'फार्मर रजिस्ट्री', 'ई-पड़ताल' और आइजीआरएस रैंकिंग में सुधार लाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से किया जाए।

अविवादित वरासत के मामलों को प्राथमिकता पर निपटाने तथा एसआईआर हेतु फॉर्म-6 भरवाने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा गया। कृषक दुर्घटना बीमा योजना और दैवीय आपदा से संबंधित प्रकरणों में संवेदनशीलता बरतते हुए समय से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए ताकि प्रभावितों को जल्द राहत मिल सके। गौशालाओं के नियमित सत्यापन और जमीनी हकीकत की जांच करने की जिम्मेदारी राजस्व निरीक्षकों को सौंपी गई। समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से तहसीलदार बिल्हौर अनुभव चंद्र, नायब तहसीलदार रंजीत यादव, सीपी राजपूत, दिव्या संबंधित कार्यालय राजस्व निरीक्षक, समस्त लेखपाल उपस्थित रहे।

राजस्व कार्यों एवं बृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक हुई। अमृत विचार

बालिका से दुष्कर्म के मामले में मुकदमा दर्ज

संवाददाता बिल्हौर

- दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और जान से मारने की धमकी में मुकदमा
- बालिका को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया

अमृत विचार। अरौल क्षेत्र के गांव में खेत जा रही सात वर्षीय बालिका को रास्ते में दबोचकर युवक ने दुष्कर्म किया। पुलिस ने मुकदमा दर्जकर आरोपित की तलाश शुरू की। पीड़ित को आश्वासन दिलाया कि जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अरौल के गांव निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि सात वर्षीय मामा की बेटी घर आई है। आरोप है कि रास्ते में गांव निवासी अतुल पुत्र भगवानदीन ने बालिका को दबोच लिया और मुंह दबाते हुए राई के खेत में ले गया। जहां गलत काम करने की नीयत से बालिका के निजी अंग से छेड़छाड़ करने लगा। बालिका के शोर मचाने पर युवक स्वजन को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। रोते हुए घर पहुंची बालिका ने घटना की जानकारी दी। घटना के बाद बालिका गुमसुम हो गई। प्रभारी थानाध्यक्ष कमल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर अतुल पुत्र भगवानदीन के खिलाफ दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्जकर आरोपित की तलाश की जा रही है। बालिका को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है। मामले की जांचकी जा रही है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

जहर खिलाने की चर्चा | क्षेत्र के बंदी माता मार्ग किनारे सोमवार शाम मिले थे 13 बंदरों के शव, बिसरा रखा गया सुरक्षित

बंदरों का हुआ पोस्टमार्टम, रिपोर्ट आने का इंतजार

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र के बन्दीमाता मार्ग पर फत्तेपुर व सुनौढ़ा गांव के बीच सोमवार शाम मिले बंदरों के शवों का मंगलवार को पशु चिकित्साधिकारियों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया। मौत का कारण स्पष्ट न हो पाने पर बिसरा सुरक्षित रखा गया है। लैब से जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह पूरी तरह से स्पष्ट हो सकेगी।

मालूम हो कि क्षेत्र के बंदीमाता मार्ग पर फत्तेपुर व सुनौढ़ा गांव के मध्य मार्ग किनारे सोमवार शाम करीब 200 मीटर क्षेत्र में 13 बंदरों को मृत अवस्था में पड़ा देख ग्रामीणों में रोष उत्पन्न हो गया था। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी। छानबीन के दौरान पुलिस को मार्ग किनारे चार पहिया वाहन के टायरों के निशान मिले थे। आशंका जताई गई कि बंदरों को जहर देकर मारने के बाद किसी ने वहां से लाकर यहां सुनसान स्थान पर इस तरह से फेंका गया है। चौबेपुर पशु चिकित्साधिकारी की मौजूदगी में पुलिस ने बंदरों के शवों को निकट स्थित पंचायत घर में रखवा दिया था।

पोस्टमार्टम के दौरान मौजूद पुलिस व वन विभाग के उपनिरीक्षक। अमृत विचार

इधर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आईडीएन चतुर्वेदी के निर्देशानुसार मंगलवार को तीन पशु चिकित्सकों डॉ राजेश कुमार चौबेपुर, डॉ अरुण कुमारइटरा व डॉ अमरेंद्र मंधना द्वारा शवों का पोस्टमार्टम किया गया। इस दौरान मौत का कारण स्पष्ट न होने से बिसरा सुरक्षित रखा गया। पोस्टमार्टम के उपरांत बंदरों के शवों का विधिविधान से बंदी माता घाट किनारे भू विसर्जन किया गया।

पशु चिकित्साधिकारी डॉ राजेश कुमार ने बताया कि बंदरों का बिसरा जांच के लिए लैब भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष मनीष दीक्षित, ग्राम प्रधान श्याम रानी, पूर्व प्रधान शिवमंगल सिंह, क्षेत्रीय वन दरोगा शुभम दीक्षित व शिवम मिश्रा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। फत्तेपुर व सुनौढ़ा गांव के बीच बंदी माता मार्ग किनारे सोमवार शाम मिले बंदरों के शवों के पोस्टमार्टम में देरी को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त रोष उत्पन्न रहा। मालूम हो कि सोमवार शाम बंदरों के शव मिलने की पूर्ण जानकारी के बावजूद डॉक्टरों का पैनल 20 घंटे बाद यहां पोस्टमार्टम के लिए पहुंचा। पोस्टमार्टम प्रक्रिया में हुई देरी को लेकर विहिप के पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने भारी नाराजगी व्यक्त की।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार क कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
सूचित किया जाता है कि हाईस्कूल का परीक्षा वर्ष 1994 अनुक्रमांक 1561161 की मार्कशीट एवं प्रमाण पत्र 8 जनवरी 2026 को शीशी चौराहे और औरास के बीच कहीं खो गया है। **सुधाकर तिवारी पुत्र रामकिशोर तिवारी निवासी मोहल्ला बरुवाटोला (अटलनगर) नगर पंचायत औरास जनपद उन्नाव**

सूचना
मैं **मानसी सोनकर उर्फ आयशा पुत्री लोकई सोनकर, निवासिनी कान्दभारी थाना कोत0 नगर जनपद– बलरामपुर** दिनांक 15–06–2018 से सराफत उल्ला पुत्र नकीबुल्ला निवासी ग्राम बंजरहा, थाना श्रीदत्तगंज जनपद बलरामपुर लिव एण्ड रिलेशनसिप में साथ–साथ रहते थे दोनो से एक बच्चा ईसान पैदा हुआ जो मानसी सोनकर के साथ रहता है दोनो के आपसी सहमति से ईसान मानसी सोनकर के साथ रहेगा और दिनांक 05–12–2625 की यह लिव एण्ड रिलेशनशिप राजी खुशी से समाप्त किया जाता है मानसी सोनकर ने राजी खुशी से यह शपथ–पत्र के माध्यम से रिश्ता समाप्त कर सक्षम अधिकारी व पेपर गजट के माध्यम से सूचना प्रकाशित कर दिया जो सर्व मान्य है।

सूचना
मेरे शैक्षिक अभिलेख में मेरी माता जी का नाम मन्जू तथा सरिता दर्ज है। जोकि दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है जो सही नहीं है। सही नाम मन्जू देवी है। **हिमांशी यादव पुत्री सतेन्द्र कुमार निवासी – ग्रा0 परसुआ पो0 भैदपुर थाना–' विधूना जिला औरैया।**

सूचना
सूचित किया जाता है कि हाईस्कूल अंकतालिका में मेरा नाम छाया गुप्ता पुत्री भगवान दास गुप्ता दर्ज है, शादी के बाद आधार, पेन कार्ड आदि अभिलेख में मेरा नाम छाया पत्नी विष्णु पोरवाल दर्ज है। अतएव छाया गुप्ता व छाया एक ही नाम है। भविष्य में मुझे छाया के नाम से जाना जाए। छाया पत्नी विष्णु पोरवाल निवासी 38 नेविलगंज कस्बा भरथना इटावा

सूचना
मैं MOHAMMAD SHAMEEM पुत्र श्री शमसीर, निवासी–15, मीरानपुर बभनपुरा, पो0–इल्फिातगंज, अम्बेडकर नगर, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MOHD SHAMEEM रख लिया है, अत: आज से मुझे MOHD SHAMEEM के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना
मैने अपना नाम मोहम्मद मोबीन से बदलकर मोबीन अहमद कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए। **मोबीन अहमद पुत्र अख्तर अली निवासी – खीदास नगर पोनी रोड शुक्लागंज गंगा गंज सफीपुर उन्नाव**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम BINDA PRASAD MISHRA से BINDA PRASAD कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। BINDA PRASAD 26 GANGA KHEDA KESRI KHEDA MANAKNAGAR LUCKNOW

सूचना
मैं राम इन्दर सिंह नाम गलत है। DOB 19.07.1978 गलत है मे सही नाम राबेन्द्र सिंह कुशवाहा पुत्र कालीचरण है। DoB 01.07.1984 सही है निवासी– ए.59 बापू पार्क कोटला मुबारकपुर लोधी रोड मध्य दिल्ली 110003 पिनकोड है

NOTICE
I, Brahm Dutt Yadav S/o Ram Pratap Yadav R/o 332/19, Narpat Nagar, Jarauli phase-1, Barra, Kanpur Nagar U.P. I have changed my name to Bramh Dutt Yadav for all future purposes.

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम LALIT KUMAR MISHRA से LALIT कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना। LALIT 26, Ganga kheda Kesri kheda Manak Nagar Lueknow

सूचना
मैं **शुभी सिंह पुत्री निर्भय चन्द्र सिंह नि0 ग्राम झाबर हरदो पट्टी पोस्ट बेहटा कला, लालगंज रायबरेली** की निवासिनी हूं। मेरा इंटर वर्ष 2023 रोल नंबर 237427 76 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

NOTICE
I, Nita J Mishra, R/o 406, A Block, Laplace, Hazaratganj, Lucknow, declare that my name in High School Marksheet is Mishra Nitakumari Janardan, while in Aadhaar & PAN it is Nita J Mishra. Henceforth, I shall be known as Nita J Mishra for all purposes.

सूचना
पहले मेरा नाम SANTOSH KUMAR था अब अपना नाम बदलकर SANTOSH KUMAR VERMA रख लिया हूँ इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। SANTOSH KUMAR VERMA S/0-HIRA LAL चौक स्टेशन रोड जिला–बलिया (उ0प्र0)

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम MOHAMMAD USMAN S/O RAMZAN ALI था जो दिनांक 10/12/2025 को मैने अपना नाम बदलकर USMAN ALI S/O RAMZAN ALI रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। पता मोहल्ला बड़ीहाट थाना कोतवाली नगर जनपद बहराइच, यूपी।

सूचना
मैं **अंकिता द्विवेदी पत्नी श्री अभिषेक द्विवेदी निवासिनी – 4/624 विजयंतखण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ** की हूँ मैने अपना नाम अंकिता तिवारी रख लिया है। भविष्य में मुझे अंकिता तिवारी के नाम से ही जाना पहचाना जाये।

सूचना
पहले मेरा नाम नाम वजीहा खातून (VAJIHA KHATOON) था अब मैं अपना नाम बदलकर वजीहा बतूल (WAJEEHA BUTOOL) रख रही हूँ, अत: भविष्य में मुझे वजीहा बतूल (WAJEEHA BUTOOL) नाम से जाना व पहचाना जाय। D/O DILDAR HUSAIN KHAN R/O VILL TURABKHANI, GORABARIK POST - GORABARIK THANA - KOTWALI NAGAR DIST- SULTANPUR (U.P.) 228001

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपना नाम मो जुबेर (MOHd JUBAIR) से बदल कर मो जुबैर (MOHDZ UBAIR) कर लिया हूं। मुझे अब से मो जुबैर (MOHDZ UBAIR) पुत्र अब्दुल्ला नि, ग्राम हॉसिल पुरवा, थाना विशेश्वरगंज – जिला बहराईच के नाम व पते से जाना व पहचाना जाये। –मो जुबैर पुत्र अब्दुल्ला नि. ग्राम हॉसिल पुरवा, थाना विशेश्वरगंज जिला बहराईच

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 22 मार्च सन 1995 का बैनामा की मूल कापी जो मैने इंद्रदेव पुत्र रामवृक्ष से बैनामा लिया था और इंद्रदेव ने दीनानाथ गुप्ता पुत्र आनंत प्रसाद गुप्ता से बैनामा लिया था, जिसकी मूल कापी घर से मिहीपुरवा बाजार जाते समय दिनांक 7 जनवरी 2026 को वास्तव में कहीं खो गई है।
सूचनार्थ- विनीता देवी पत्नी विजय कुमार निवासी मिहीपुरवा थाना मोतीपुर जनपद बहराइच मोबाइल:– 9454814858

सूचना
सूचित हो कि मैं Kafeel Ahmed पुत्र Late Jameel Ahmed निवासी:–टिकवामऊ, पोस्ट – पूरे डलई, बाराबंकी का हूँ, मैंने अपना नाम Kafeel Ahmed Siddiqui से बदलकर Kafeel Ahmed रख लिया हैं, मेरे स्व. पिता व माता जी के नाम में भी Siddiqui नहीं लगा हैं। मेरे सारे दस्तावेजों में Kafeel Ahmed S/o- Jameel Ahmed व माता का नाम Ummathul Nisha दर्ज हैं, जो सही हैं, अत: मुझे Kafeel Ahmed के नाम से जाना व पहचाना जाये।

नीलामी सूचना
दिनाँक 19–01–2026 प्रात: 10.30 बजे सेना चिकित्सा कोर (अभिलेख कार्यालय जी0जी0एस0 मार्ग), लखनऊ में पब्लिक ग्रान्ट एवं रेजीमेन्टल स्टोर्स के निष्प्रयोज्य घोषित सामग्रियों की नीलामी, सिक्योरिटी रु0–10,0000/ –नकद जी.एस.टी. पंजीकरण, आधार, पैनकार्ड के साथ जमा होगी।
आई0पी0 सिंह एण्ड सन्स – मो0– 9919503110,

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर महानगर

कानपुर, बुधवार,14 जनवरी 2026

सुविचार

लोग चाहे मुट्ठी भर हों, लेकिन संकल्पवान हों, अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था हो, वे इतिहास को भी बदल सकते हैं

-महात्मा गांधी

कानपुर के प्रमुख समाचार

- गैंगरेप पीड़िता के भाई को धमकी, आरोपी गिरफ्तार-II
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अब नहीं आएंगे-III
- चप्पल पहनकर पैरों से आलू की सफाई -IV

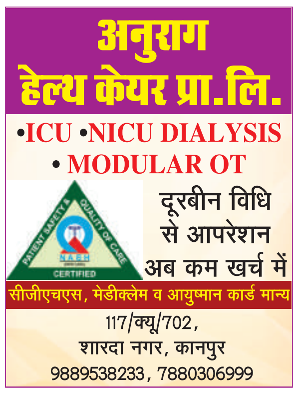

शहर में आज

- **मुलाकात :** कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय द्वारा सचेंडी में बलात्कार पीड़िता व परिजन से मुलाकात 10 बजे।
- **वितरण :** हैलट अस्पताल में कर्मचारियों द्वारा मरीजों को खिचड़ी वितरण दोपहर 12 बजे।
- **सम्मेलन :** श्याम नगर बाईपास चौराहा स्थित अवध ग्राउंड होटल में ट्रैरिफ पर व्यापारी सम्मेलन दोपहर एक बजे।

सिटी ब्रीफ

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष आज जाएंगे दुष्कर्म पीड़िता के घर

कानपुर। सचेंडी में बीते दिनों एक दरोगा के द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता को इंसाफ दिलाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय बुधवार को सचेंडी स्थित पीड़िता के आवास जाएंगे।

मोतीझील लॉन 1 में बुकिंग डेट से पहले ही कब्जा किया

मेघा ट्रेड फेयर महोत्सव के आयोजन के लिए कंपनी ने किया है बुक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अपर नगर आयुक्त ने कंपनी पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया
- लॉन खाली कराने के साथ सामान जब्त करने की नोटिस

अमृत विचार। नगर निगम की संपत्ति मोतीझील के लॉन में निर्धारित बुकिंग डेट से पहले ही आयोजक कब्जा कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है। यहां इवेंट आर्गनाइजर कंपनी ने 4 दिन पहले ही लॉन में कब्जा कर जर्मन पंडाल लगाना शुरू कर दिया। संपत्ति विभाग को जानकारी हुई तो केयर टेकर विभाग ने जांच शुरू की। मामला सही पाए जाने पर बिना बताए 4 दिन पहले से ही लॉन में कब्जा करने के मामले में इवेंट कंपनी के समान को जब्तीकरण के साथ ही जुर्माने का नोटिस जारी किया गया है। अपर नगर आयुक्त मो. आवेश खान ने कंपनी पर प्रतिदिन 50 हजार के हिसाब से दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

द प्लानर्स इवेन्ट्स एण्ड मोर के सनी मलिक द्वारा इण्टरनेशनल मेघा ट्रेड फेयर महोत्सव के आयोजन के लिए मोतीझील लॉन संख्या 1 को 14 जनवरी से 27 जनवरी तक 12 दिनों लिए बुक कराया गया है। जिसमें दिनांक 14 से 15 तक सामान लगाने के लिए लॉन को मांगा गया था, लेकिन संस्था द्वारा बिना अनुमति 11 जनवरी को ही अवैध रूप से टेण्ट, जर्मन हंगर पांडाल लगाकर लॉन पर अस्थायी कब्जा कर लिया गया। प्रभारी संपत्ति अधिकारी ध्रुव नारायण यादव ने बताया कि जब इसकी जानकारी हुई तो आयोजक सनी मलिक को सामान हटाने के लिए कहा गया, लेकिन इसके बाद भी कार्य जारी रखा गया। उन्होंने बताया कि इससे नगर निगम को आर्थिक क्षति हुई। जिसके बाद नगर निगम ने बिना अनुमति लॉन में कब्जा करने की स्थिति में लॉन को तत्काल खाली कराने के साथ सामान जब्त करने की नोटिस दी है।

मोतीझील के लॉन एक में जर्मन हंगर पंडाल लगा हुआ। अमृत विचार

देना होगा 4 दिन का जुर्माना

- प्रभारी संपत्ति अधिकारी ध्रुव नारायण यादव ने बताया कि नियमानुसार कंपनी को 4 दिन का जुर्माना भी देना होगा। बता दें कि मंगलवार को भी कंपनी के लोग मैदान पर दिनभर बिना अनुमति कार्य करते रहे।

भूमाफिया गजेंद्र नेगी पर दो और मुकदमे दर्ज

कल्याणपुर। रावतपुर में भूमाफिया गजेंद्र सिंह नेगी पर फ्लैट के नाम पर दो लोगों से 40 लाख रुपये लेकर रजिस्ट्री न करने और न ही रकम लौटाने पर पीड़ितों ने रावतपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इससे पहले ऑपरेशन महाकाल के तहत भी भूमाफिया गजेंद्र के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में 13 मुकदमे दर्ज हुए थे।

शास्त्रीनगर निवासी राजकुमारी के अनुसार 2017 में उन्होंने ने आवास विकास केशवपुरम स्थित नेगी एनक्लेव के एक फ्लैट 21 लाख रुपये में गजेंद्र सिंह नेगी से खरीदा था। रकम देने के बाद जब उन्होंने फ्लैट की रजिस्ट्री करने को कहा तो गजेंद्र ने एक साथ सबकी रजिस्ट्री कराने की बात कहकर 100 रुपये के स्टांप पर नोटरी कराकर उन्हें थमा दिया। तब से रजिस्ट्री के नाम पर वह लगातार टालमटोल कर रहा था। इसी तरह शास्त्रीनगर के ही वरुण सिंह से भी 2017 में फ्लैट के नाम पर कई बार में 19 लाख रुपये हड़पे थे। लेकिन उनकी भी रजिस्ट्री नहीं की। आरोप है कि रजिस्ट्री के लिए दबाव बनाने पर गजेंद्र नेगी ने उन्हें धमकाते हुए अपने गेस्ट हाउस से भगा दिया था। रावतपुर थाना प्रभारी ने बताया कि अब तक ठगी के शिकार हुए 15 पीड़ित भूमाफिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर चुके हैं। पीड़ितों की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

जीएसवीएम के ट्रामा सेंटर में अलग डेंटल यूनिट बनेगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डेंटल की अपनी अलग यूनिट बनने से कई जटिल सर्जरी भी हो सकेंगी संभव
- ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ने पर किया फैसला, शोध कार्य भी तेज होंगे

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में अभी दंत रोग विभाग दो कमरों में संचालित किया जा रहा है। इस कारण यहां पर मरीजों की दंत रोग से संबंधित सभी प्रकार की दिक्कतें दूर नहीं हो पाती हैं। इसलिए ट्रामा सेंटर में डेंटल की एक पूरी यूनिट का अलग से निर्माण करने का फैसला कॉलेज प्रशासन ने लिया है। यूनिट का निर्माण होने से यहां पर दांतों की सभी प्रकार की गंभीर सर्जरी और शोध कार्य हो सकेंगे।

हैलट अस्पताल के दंत रोग विभाग की ओपीडी में दंत रोगियों की संख्या बढ़ने पर अब डेंटल यूनिट को ट्रामा सेंटर में संचालित किए जाने का फैसला लिया गया है। यहां नगर के साथ ही कई जिलों के मरीज आते हैं।

दंत रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.अशरफ उल्ला ने बताया कि ट्रामा सेंटर में डेंटल का अलग से एक यूनिट होने से दांत रोगियों को काफी लाभ मिलेगा। यूनिट में ही गंभीर सर्जरी भी हो सकेगी। सीटें बढ़ने पर शोध कार्य हो सकेंगे और दांतों की बढ़ती बीमारी से निजात दिलाने के लिए कई प्रमुख बिंदुओं पर शोध कार्य हो सकेंगे।

इसके अलावा डेंटल इम्प्लांट सर्जरी की सुविधा ट्रामा सेंटर में शुरू होने से खोए हुए दांतों की जगह टाइटेनियम स्क्रू (कृत्रिम जड़) को जबड़े की हड्डी में लगाया जाएगा, जिसपर नया दांत (क्राउन) फिट होता है, जिससे चबाने की क्षमता और सुंदरता वापस आती है। मसूड़ों की गंभीर बीमारियों के इलाज में सहायता मिलेगी, , जिसमें मसूड़ों को उठाना या ग्राफ्टिंग (ऊतक प्रत्यारोपण) शामिल हो सकता है। एक जगह से दांत निकालकर दूसरी जगह लगाना या हड्डी का ग्राफ्ट भी किया जा सकता है।

लेजर आधारित तकनीक लैनाप की भी सुविधा

- विशेषज्ञों के मुताबिक डेंटल यूनिट में अस्थि प्रत्यारोपण की भी सुविधा मिलेगी। जब जबड़े की हड्डियों में कंकाल संबंधी समस्याओं (जैसे जबड़े का गलत अलाइनमेंट) को ठीक करने के लिए की जाती है, जिसे सुधारात्मक जबड़े की सर्जरी होती है। इसके माध्यम से इम्प्लांट या अन्य सर्जरी के लिए पर्याप्त हड्डी न होने पर प्राकृतिक या कृत्रिम हड्डी जोड़कर हड्डी को बढ़ाया जा सकता है। वहीं, यहां पर एक लेजर आधारित तकनीक लैनाप की भी सुविधा मिल सकती है, जो मसूड़ों की बीमारी को ठीक करने और ऊतकों को फिर से जोड़ने के लिए उपयोग की जाती है। यह एक पारंपरिक सर्जरी से कम आक्रामक होती है।

विशेषज्ञों की भी हो सकती तैनाती

- ट्रामा सेंटर में डेंटल की यूनिट बनने से ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जन, मसूड़ों के विशेषज्ञ और दांतों के पुनर्निर्माण के विशेषज्ञों की भी तैनाती हो सकती है। इसके लिए जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज प्रशासन काफी प्रयासरत है। ताकि संबंधित विशेषज्ञों के आने से मरीजों को इलाज के लिए अन्य निजी अस्पताल या शहर से बाहर न जाना पड़े।

गंदा पानी पीने से भाजपा पार्षद की बेटी की तबियत खराब

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के बाद भी कानपुर जलकल विभाग गंभीरता से नहीं ले रहा है। इसका नतीजा है कि बारादेवी में दूषित पानी पीने से भाजपा पार्षद की 12 वर्षीय बेटी व क्षेत्र का एक अन्य बच्चा बीमार हो गया है। आरोप है कि तमाम शिकायतों के बाद भी अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे।

बीमार काव्या।

वार्ड 38 जूही हमीरपुर रोड के बारादेवी में जलकल की ओर से 35 हजार लोगों को पाइप लाइन के माध्यम से पानी की सप्लाई की जा रही है। घरों तक जाने वाला पानी बिल्कुल काला और बदबूदार है। सुबह मोटर चालू करने के बाद क्षेत्रीय लोग काफी देर तक साफ पानी आने की आस से बहाते हैं, लेकिन साफ पानी नहीं आता है। अंत में इसी पानी को बर्तन में भर कर रख लिया जाता, जब गंदगी नीचे ठहर जाती है तो उससे बर्तन व कपड़े धोए जाते हैं। पार्षद हरिस्वरूप तिवारी का आरोप है कि यह स्थिति पीछे पांच माह से है, क्षेत्रीय लोगों व ने जलकल विभाग में शिकायत भी की थी। इसके बाद भी समाधान नहीं हुआ। बारादेवी निवासी पार्षद ने बताया कि मूल रूप से एटा के रहने वाले उनके पड़ोसी किशोर कुछ दिन पहले ही रहने आए थे। किराए पर कमरा लेकर गुजारा कर रहे थे। इसी बीच दूषित पानी के इस्तेमाल से उनका आठ वर्षीय बेटा बीमार पड़ गया। एक डॉक्टर को दिखाने के बाद किशोर परिवार सहित एटा चले गए। उन्होंने बताया कि उनके घर में भी दूषित पानी आ रहा है।

क्षेत्र में आ रहा दूषित काला पानी।

नाले के बीच से निकली है पानी की लाइन

बारादेवी उत्तरी द्वार के सामने नाला निकला हुआ है। इसी नाले में क्रास पानी की लाइन पड़ी है। यह टूटी होने की वजह से नाले का गंदा पानी लाइन से होकर घरों तक पहुंच रहा है। कुछ दिन पहले नगर निगम ने नाले के ऊपर छोटी पुलिया भी बनाई है।

दो शिक्षिकाओं पर आत्महत्या को उकसाने की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शिक्षिकाओं के अपमानित करने पर ट्रेन के आगे कूदी थी छात्रा
- ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कालेज की छात्रा थी

अमृत विचार। काकादेव में ट्रेन के आगे कूदकर नौवीं की छात्रा के जान देने के मामले में दो शिक्षिकाओं के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने की रिपोर्ट दर्ज हुई है। कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई हुई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

कल्याणपुर के केशवपुरम निवासी प्राइवेटकर्मी मुकुल आनंद की 13 वर्षीय एकलौती बेटी संस्कृति जवाहरनगर स्थित ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कालेज में कक्षा नौ की छात्रा थी। परिवार में पत्नी साधना और बड़ा बेटा अर्णव है, जो 11वीं का छात्र है। परिजनों के अनुसार 15 सितंबर 2024 को संस्कृति गणेश की मूर्ति लेकर कालेज गई थी। शिक्षिका ने देखा तो उसे डांटा और मां को बुलाकर लाने पर ही घर जाने देने को कहा था। मां साधना के कालेज पहुंचने पर शिक्षिका मांडवी शुक्ला और अंकिता ने संस्कृति को डांटकर अपमानित किया। इससे आहत छात्रा कालेज से घर लौटते समय ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। संस्कृति की मां का आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा दिया था, लेकिन शिक्षिकाओं पर रिपोर्ट नहीं दर्ज की। कालेज के सीसीटीवी फुटेज में छेड़छाड़ कर साक्ष्यों को मिटा दिया गया था। शिक्षिकाओं पर कार्रवाई के लिए पुलिस कमिश्नर व आइजीआरएस पर शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इस पर कोर्ट की शरण ली। न्यायिक मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ शेखर सिंह ने सुनवाई के बाद मंगलवार को मुकदमा दर्ज करने का आदेश कर दिया। काकादेव थाना प्रभारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर शिक्षिका मांडवी शुक्ला और अंकिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

वन-वे सिस्टम फेल

पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाहर ही कचहरी मार्ग पर वन-वे सिस्टम लागू किया गया है लेकिन ट्रैफिक इंस्पेक्टर व सिपाही वनवे का पालन नहीं करा पा रहे हैं। कचहरी मार्ग पर चेतना चौराहा से एम.जी. कॉलेज चौराहा जाने वाले वाहन प्रतिबंधित हैं। वन-वे लागू होने के बावजूद दोनों छोर से वाहनों का आवागमन हो रहा जिसके कारण कचहरी मार्ग पर लगे भीषण ट्रैफिक जाम में लोग फंसे हैं। • अमृत विचार

नौबस्ता, रामादेवी में 350 से अधिक वाहनों के चालान

कानपुर। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में मंगलवार को सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत नौबस्ता, पनकी, रामादेवी समेत कई क्षेत्रों में वाहनों की चेकिंग का अभियान चलाया गया। जिसमें 350 से अधिक वाहनों के चालान किये गये। ककवन ब्लाक में भी बीडीओ, एडीओ एवं जिला पंचायत सदस्यों के साथ कई गांवों के ग्राम प्रधानों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि दो पहिया वाहन पर पीछे बैठने वाले को भी हेलमेट लगाना है, अन्यथा चालान हो जाएगा।

आतंकी अजहर मसूद का पुतला फूंकते अधिवक्ता। अमृत विचार

कचहरी गेट पर आतंकी मसूद का फूंका पुतला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- भारत को धमकाने पर जताई नाराजगी, नारेबाजी

अमृत विचार। भारत को आतंकियों के निशाने पर होने और नेस्तनाबूद किए जाने की धमकियों का मंगलवार को अधिवक्ताओं ने जमकर विरोध किया। कचहरी के शताब्दी गेट पर अधिवक्ताओं ने आतंकवादी अजहर मसूद का पुतला फूंका और पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

अधिवक्ताओं ने कहा कि इस तरह की गीदड़ भभकियां देना पाकिस्तान का काम है। पाकिस्तान का आतंकवादी अजहर मसूद आए दिन इस तरह की धमकियां देता रहता है। इसका ताजा उदाहरण ये है कि उसने अभी नई धमकी दी, जिसमे कहा है कि हमारे पास 1000 मानव बम हैं, जो पूरे भारत में तबाही मचा सकते हैं। अधिवक्ताओं ने कहा कि पहले अजहर मसूद अपने पाकिस्तान के अंदर झांक कर देखे, जहां पर आए दिन आतंकी घटनाएं हो रही हैं और लोग मारे जा रहे हैं। हिंदुस्तान के ऊपर अगर आंख भी उठाने की कोशिश की तो हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर को याद कर लें। अब भारत वह देश नहीं जो किसी की धमकियों से डर जाए। आतंकवादी यह समझ लें कि अगर उनकी मौत आई हो तो वह भारत के अंदर कदम रखें।

समस्या

आज कानपुर सेंट्रल स्टेशन, मेमू शेड का निरीक्षण करेंगे महाप्रबंधक

जीएम साहब ! गोविंदपुरी में ट्रेनें बढ़ा दीं, यात्री सुविधाएं नहीं

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

- 100 से अधिक ट्रेनें, प्लेटफार्म मात्र 3, टिनशेड ऊंट के मुंह में जीरा

अमृत विचार। उत्तर मध्य जोन के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह बुधवार को यहां के स्टेशनों की व्यवस्था, मेमू शेड एवं वर्कशाप आदि का निरीक्षण करने के लिए आ रहे हैं। महाप्रबंधक को यात्रियों का भी ध्यान देना रखना होगा। सिर्फ ट्रेनों की संख्या बढ़ाने से कुछ नहीं होगा। महाप्रबंधक को चाहिए कि वह गोविंदपुरी स्टेशन जरुर जाएं और वहां की यात्री सुविधाओं को देखें क्योंकि गोविंदपुरी स्टेशन पर वर्तमान में लगभग 80 ट्रेनों का आवागमन है लेकिन यात्री सुविधा के नाम पर ऊंट के मुंह जीरा से ज्यादा कुछ नहीं है।

बीते एक वर्ष में कानपुर दिल्ली मुख्य रेलमार्ग पर स्थापित सेंट्रल स्टेशन के मात्र 5 किमी की दूरी पर स्थित गोविंदपुरी स्टेशन पर बड़ी संख्या में ट्रेनों को ठहराव दिया गया है। कई ट्रेनें जो सेंट्रल स्टेशन से गुजरती थीं, उनमें कई ट्रेनों को गोविंदपुरी से कर दिया गया है, ये ट्रेनें सेंट्रल स्टेशन नहीं जाती हैं।

80 लगभग प्रतिदिन ट्रेनों की संख्या | **50,000** प्रतिदिन यात्रियों का आवागमन लगभग | **03** प्लेटफार्म मात्र हैं गोविंदपुरी स्टेशन पर | **01** प्रतीक्षालय और हॉल भी 1 ही है

गोविंदपुरी स्टेशन पर प्रस्तावित कार्य

- स्टेशन को टर्मिनल प्वाइंट बनाने की कोशिश
- गोविंदपुरी में दो अतिरिक्त रेलवे लाइन
- सेंट्रल स्टेशन से झांसी, इटावा आदि की ट्रेनों को गोविंदपुरी से चलाएंगे
- गोविंदपुरी में 1 लाख यात्रियों की सुविधा मुहैया कराना होगा
- गोविंदपुरी पुल से उतरने वाले रास्ते को चौड़ा करना होगा।
- चावला मार्केट चौराहा की ओर से गोविंदपुरी आने वाले मार्ग को ठीक करना होगा

सेंट्रल का लोड कम हुआ, गोविंदपुरी में मारामारी

यदि कानपुर सेंट्रल स्टेशन और गोविंदपुरी स्टेशन की तुलना करें तो कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 300 ट्रेनों का आवागमन है और इन ट्रेनों से लगभग सवा लाख यात्री आते जाते हैं, वहीं गोविंदपुरी स्टेशन पर भी अब लगभग 80 ट्रेनों का ठहराव होने लगा है जिनसे 50 हजार से अधिक यात्रियों का आवामगन है। अगर देखा जाए तो गोविंदपुरी स्टेशन पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के बाद कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेनों और यात्रियों का लोड कुछ कम जरूर हुआ है लेकिन गोविंदपुरी स्टेशन का सिर दर्द बढ़ गया है। सेंट्रल स्टेशन पर 10 प्लेटफार्म हैं जिनसे ट्रेनों का संचालन होता है लेकिन गोविंदपुरी में मात्र 3 प्लेटफार्म हैं। सर्दी के दिन में गोविंदपुरी में खुले आसमान के नीचे ट्रेन का इंतजार करना अपने को मुश्किल में डालना है।

आनंद विहार की तर्ज पर बनाएं

- कानपुर दक्षिण की आबादी लगभग 20 से 25 लाख है, गोविंदपुरी स्टेशन को यदि दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल की तर्ज पर विकसित किया जाए तो कानपुर दक्षिणवासियों को बड़ा फायदा मिल सकता है, अभी कानपुर दक्षिण के लोगों को ट्रेन पकड़ने के लिए कानपुर सेंट्रल स्टेशन जाना पड़ता है जिसके लिए ट्रेन आने से एक घंटे पहले घर से निकलना पड़ता है क्योंकि जाम, रेलवे क्रासिंग समेत कई तरह की दिक्कतें हैं।

सिटी ब्रीफ

पत्रकार को मातृशोक

कानपुर। वरिष्ठ पत्रकार अतुल मिश्र की माता किरन मिश्रा (67) का मंगलवार को निधन हो गया। स्वर्गीय किरण मिश्रा अपने पीछे पति विष्णु स्वरूप मिश्रा, पुत्र अतुल मिश्र, अवधेश मिश्रा और बेटी पुत्री अंजलि शुक्ला का भरापुरा परिवार छोड़ गई हैं। अतुल ने बताया कि अंतिम यात्रा मिर्जापुर, कल्याणपुर स्थित आवास से सुबह 10 बजे बिठूर के लिए रवाना होगी।

साइबर ठगों ने खाते से उड़ाई रकम

कल्याणपुर। कल्याणपुर के मूबा गार्डन निवासी प्रताप सिंह के मुताबिक उनका आईसीआईसीआईसीआई बैंक में बचत खाता है। साइबर ठगों ने 15 से 19 दिसंबर के बीच उनके खाते से कई बार में 2,29991 की रकम पार कर दी। इस दौरान ट्रांजैक्शन से संबंधित उन्हें कोई भी मैसेज मोबाइल पर नहीं प्राप्त हुआ था। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर साइबर सेल की मदद से मामले की जांच की जा रही है।

छात्रा व उसके पिता को दी धमकी

कल्याणपुर। पनकी निवासी युवती कानपुर विश्वविद्यालय से बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा है। कॉलेज में छात्रा की पहचान लखनऊ के शारदा नगर निवासी नितिन बाजपेई से हो गई। लेकिन जब छात्रा को ज्ञात हुआ कि नितिन नशे का आदी है, तो छात्रा ने उससे बातचीत बंद कर दी। आरोप है कि जिसपर भड़के नितिन ने छात्रा के पिता को फोन कर गाली गलौज की। इतना ही नहीं छात्रा के विरोध करने पर आरोपी ने उसे व उसके पिता को जान से मारने की धमकी दे डाली। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बाइक ने राजमिस्त्री को उड़ाया, मौके पर मौत

कानपुर। सचेंडी में तेज रफ्तार बाइक सवार ने हाईवे पर पैदल युवक को जोरदार टक्कर मार दी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार भी गिरकर घायल हो गया। चकरपुर मंडी निवासी 43 वर्षीय सुरेश कुमार राजमिस्त्री का काम करते थे। परिवार में पत्नी सुमित्रा व पांच बच्चे हैं। बड़े बेटे निखिल ने बताया कि इस समय पिता पीएसआईटी में निर्माण कार्य में लगे थे। सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे काम खत्म कर पैदल घर लौट रहे थे, तभी चकरपुर मंडी के सामने हाईवे पर तेज गति बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। पिता की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं टक्कर के बाद बाइक सवार भी गिर गया।

फर्नीचर कारीगर ने की ठगी, रिपोर्ट

कानपुर। रायपुरवा के लक्ष्मीपुरवा निवासी अधिवक्ता अंकुर गुप्ता ने फर्नीचर कारीगर पर ठगी का आरोप लगाकर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से शिकायत की है। रायपुरवा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज किया है। अधिवक्ता के अनुसार उन्होंने चेंबर व घर के फर्नीचर की मरम्मत के लिए इंटीरियर डिजाइनर यश शुक्ला से संपर्क किया था। उसने कारीगर सुधीर शर्मा को भेजा। जिसने 25 हजार रुपये में पूरा काम करने की बात कही। इस पर उन्होंने बीती दिसंबर में 13 हजार रुपये ऑनलाइन और 7,500 रुपये नकद दिए। आरोप है कि रुपये लेने के बावजूद कारीगर ने अब तक न काम किया और न पैसे लौटाए।

माघ मेला : रेलवे स्टेशनों पर कलर कोडिंग, कानपुर के लिए हरा रंग

श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते रेल अफसरों ने लिया फैसला, व्यवस्था बनाने में आसानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। माघ मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सहज, सुरक्षित एवं भ्रम रहित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रयागराज मंडल द्वारा प्रमुख स्टेशनों पर दिशावार कलर कोडिंग प्रणाली लागू की जाएगी। कानपुर दिशा के लिए रेलवे ने हरे रंग का चयन किया है जो यात्री आश्रय संख्या–4 एवं गेट संख्या–4 का प्रयोग करेंगे।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि इस कलर कोडिंग व्यवस्था के माध्यम से स्टेशन पर आने वाले श्रद्धालु बिना किसी अतिरिक्त पूछताछ के यह स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे कि उन्हें अपनी गंतव्य दिशा की ट्रेन के लिए किस रंग के यात्री आश्रय एवं किस गेट से जाना है।

उन्होंने बताया कि इस प्रणाली के अंतर्गत प्रयागराज परिक्षेत्र के प्रमुख स्टेशन प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी एवं सूबेदारगंज स्टेशन पर प्रत्येक दिशा के लिए अलग-अलग रंग निर्धारित किए गए हैं, ताकि श्रद्धालु स्टेशन परिसर में प्रवेश करते ही अपने गंतव्य की दिशा को सरलता से पहचान सकें और बिना किसी भ्रम के आसने से उचित यात्री आश्रय एवं प्रवेश द्वार तक पहुंच सकें। सभी दिशाओं में यात्रा करने वाले आरक्षित यात्री सिटी साइड स्थित गेट संख्या–5 से प्रवेश करेंगे। माघ मेले के दौरान उच्चस्तरीय सुरक्षा रहेगी।

प्रयागराज जंक्शन से दिशावार व्यवस्था

- लखनऊ/वाराणसी (बनारस) दिशा के लिए लाल रंग यात्री आश्रय संख्या–1 एवं गेट संख्या–1
- मानिकपुर दिशा के लिए पीला रंग यात्री आश्रय संख्या 3 एवं गेट संख्या–3
- कानपुर दिशा के लिए हरा रंग यात्री आश्रय संख्या–4 एवं गेट संख्या–4

नैनी जंक्शन से दिशावार व्यवस्था

- कानपुर दिशा के लिए हरा रंग यात्री आश्रय संख्या–1 एवं गेट संख्या–1
- झांसी दिशा के लिए नीला रंग यात्री आश्रय संख्या–2 एवं गेट संख्या–1
- सतना दिशा के लिए लाल रंग यात्री आश्रय संख्या–3 एवं गेट संख्या–1
- पं. दीनदयाल उपाध्याय दिशा के लिए पीला रंग यात्री आश्रय संख्या–4A एवं 4B एवं गेट संख्या–3 और 4
- सभी दिशाओं में यात्रा करने वाले आरक्षित यात्री गेट संख्या–2 से जाएंगे।

प्रयागराज छिवकी स्टेशन से दिशावार व्यवस्था

- पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन दिशा के लिए हरा रंग यात्री आश्रय संख्या–1 एवं गेट संख्या–1A
- मानिकपुर, सतना दिशा के लिए लाल रंग यात्री आश्रय संख्या–2 एवं गेट संख्या–1B
- झांसी दिशा के लिए यात्री आश्रय संख्या–3 एवं गेट संख्या–1B
- सभी दिशाओं में यात्रा करने वाले आरक्षित यात्री गेट संख्या–2

सूबेदारगंज स्टेशन से दिशावार व्यवस्था

- कानपुर दिशा के लिए यात्री आश्रय संख्या–1 एवं गेट संख्या–1
- कानपुर दिशा के लिए आरक्षित यात्री गेट संख्या–3 से जाएंगे।

मुख्य स्नान पर्वों के एक दिन पूर्व प्रयागराज स्टेशन पर होगा वन-वे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्नान के दो दिन बाद तक वन-वे व्यवस्था लागू रहेगी
- श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की सुरक्षा में 24 घंटे सतर्कता

अमृत विचार। प्रयागराज जंक्शन पर माघ मेला -2026 के दौरान मुख्य स्नान पर्वों के एक दिन पूर्व से दो दिन बाद तक श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की सुरक्षा और सुगमता से प्रवेश एवं निकासी के लिए वनवे व्यवस्था लागू की गई है। टिकट की व्यवस्था यात्री आश्रयों में अनारक्षित टिकट काउंटर, एटीवीएम और मोबाइल टिकटिंग के रूप में रहेगी।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि प्रयागराज जंक्शन पर केवल लीडर रोड से प्रवेश दिया जाएगा एवं सिविल लाइन्स की ओर से निकासी की जाएगी। अनारक्षित यात्रियों को दिशावार यात्री आश्रय के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। सूबेदारगंज स्टेशन पर केवल झलवा रोड से प्रवेश (कौशाम्बी रोड) से दिया जाएगा एवं जी.टी. रोड की ओर से निकासी की जाएगी। प्रयागराज छिवकी जंक्शन पर केवल सी.ओ.डी. रोड से प्रवेश दिया जाएगा एवं जी.ई.सी. रोड की ओर से निकासी की जाएगी जबकि नैनी जंक्शन केवल स्टेशन रोड (प्लेटफॉर्म संख्या -1) की ओर से प्रवेश दिया जायेगा।

आज से ही वन-वे व्यवस्था लागू

- मकर संक्रांति स्नान 15 जनवरी को है, जिसके लिए बुधवार यानी 14 जनवरी को रात 12 बजे से 20 जनवरी को रात 12 बजे तक व्यवस्था लागू।
- मौनी अमावस्या 18 जनवरी को है, इसके लिए भी 14 जनवरी को रात 12 बजे से 20 जनवरी को रात 12 बजे तक व्यवस्था लागू रहेगी।
- बसंत पंचमी स्नान 23 जनवरी को है, 22 जनवरी को रात 12 बजे से 25 जनवरी को रात 12 बजे तक व्यवस्था लागू रहेगी।
- माघी पूर्णिमा 01 फरवरी को है, इसके लिए 31 जनवरी को रात 12 बजे से 3 फरवरी रात 12 बजे तक।
- महाशिवरात्रि 15 फरवरी को है, 14 फरवरी को रात 12 बजे से 17 फरवरी को रात 12 बजे तक।

हिस्ट्रीशीटर समेत तीन पर रिपोर्ट

कानपुर। रायपुरवा में आचार्यनगर निवासी वृद्ध राकेश चंद्र गुप्ता ने हिस्ट्रीशीटर समेत तीन पर प्लाट पर कब्जा करने का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कराई है। वृद्ध ने आरोप लगाया है कि उन्होंने मकान का भूमितल गोदाम यशोदानगर के अखिल सिंह को 11 माह के लिए दिया था। इधर कई माह से वह किराया नहीं दे रहा और किरायानामा समाप्त हो चुका है। उसने आपराधिक षडयंत्र के तहत हिस्ट्रीशीटर नीरज पांडेय व अमित सिंह उर्फ शीलू के साथ मिलकर कब्जा कर लिया है। उसने धमकाया कि न गोदाम खाली करेंगे और न किराया देंगे। विरोध किया तो बेटी का अपहरण कर लेंगे। जान से मारने की धमकी दी। अपराधियों का जमावड़ा लगता है और अराजकता का माहौल है। बेटी को सशस्त्र पुलिस सुरक्षा की मांग की है। रायपुरवा थाना प्रभारी विजय सरोज के अनुसार अखिल सिंह, नीरज पांडेय, अमित सिंह उर्फ शालू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सड़क किनारे मिला युवक का शव

कानपुर। नवाबगंज के मकड़ीखेड़ा में मंगलवार को सड़क किनारे युवक का शव मिला। पुलिस ने उसकी पहचान एचबीटीयू कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय विनोद के रूप में की। परिजनों ने बताया कि वह नशे का लती था। सोमवार शाम को हड्डा बस्ती में रहने वाली मां शकुंतला से मिलने जा रहा था।

1 जनवरी को 18 वर्ष आयु हो गयी तो मतदाता बनें

कानपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने युवाओं से अपील की है कि यदि आपकी आयु 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष हो गयी तो फार्म 6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराएं।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए प्ररूप–6 (घोषणा पत्र सहित), नाम विलोपन के लिए प्ररूप–7, त्रुटि संशोधन, पता परिवर्तन एवं डुप्लीकेट पहचान पत्र प्राप्त करने के लिए प्ररूप–8 भरकर 6 फरवरी तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय या संबंधित भाग संख्या के बीएलओ को प्रस्तुत करें।

साइबर ठगों ने खाते से उड़ाए 3.15 लाख

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। साइबर शातिरों ने शेयर ट्रेडिंग का काम करने वाले युवक से 3.15 लाख की ठगी की। आरोप है कि बिना कॉल और मैसेज के खाते से कई बार में रुपये पार हुए। पीड़ित ने चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

चकेरी के गांधीग्राम निवासी विष्णु आधार त्रिपाठी के अनुसार वह शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं। उनका खाता एसबीआई की सरसौल शाखा में है। पीड़ित ने बताया कि शेयर ट्रेडिंग का काम होने से ऑटो होल्ड लगा है और बैंक के बचत खाते से पैसा सीधे ट्रेडिंग खाते में जाता है। उन्होंने बताया कि बीती छह नवंबर को उनके खाते से चार बार में 80 हजार रुपये ऑनलाइन निकले। जिसकी जानकारी होने पर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद उन्हें ज्यादा रकम निकलने का संदेह हुआ तो उन्होंने ट्रेडिंग अकाउंट से ट्रांजेक्शन की डिटेल निकलवाई। जिससे पता चला कि बीती तीन सितंबर से लेकर 14 नवंबर के बीच में 2.35 लाख रुपये निकाले गए हैं। पीड़ित ने बताया कि साइबर ठगों ने 2.35 लाख और 80 हजार समेत कुल 3.15 लाख की रकम खाते से निकाली है। जिसके बाद पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत की।

मां को खोजने निकलीं बच्चियां खुद गुम

कानपुर। गुजैनी के मर्दनपुर में नाराज मां को खोजने निकलीं बच्चियां खुद गुम हो गईं। पुलिस ने सीसीटीवी खंगाला तो बच्चियां घर से सात किमी दूर पनकी में मिलीं।

मर्दनपुर निवासी फैक्टरी कर्मी महिला की पति से अनबन है। वह अपनी आठ और छह वर्षीय बच्चियों के साथ रहती है। मंगलवार को सुबह महिला ने बच्चियों को डांटा और कहा कि शैतानी करोगी तो छोड़कर चले जाएंगे। इसके बाद ड्यूटी चली गईं। बच्चियों को लगा की मां कहीं चली गई है तो तलाशने निकल पड़ीं। जब मां घर लौटी तो बच्चियां गायब मिली। इस पर तलाश शुरू की। गुजैनी थाना प्रभारी राजन शर्मा ने बताया कि 40 कैमरों को खंगाला गया।

कर्मचारियों की फ्री में स्वास्थ्य जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कर्मचारियों की जांच करते डॉक्टर। अमृत विचार

- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कर्मियों की हुई फ्री जांच

अमृत विचार। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में मंगलवार को गुरुग्राम के मेदांता हास्पिटल ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। मेदांता हास्पिटल के वरिष्ठ कार्डियोलाजिस्ट डॉ.दीपांशु राव, फिजीशियन डॉ.भव्या बंसल समेत अन्य चिकित्सकों की टीम ने संस्थान कर्मियों की बीपी, रैंडम ब्लड शुगर, ईसीजी, फेफड़ों की कार्यक्षमता और बोन मिनरल डेंसिटी आदि विभिन्न जांचें निशुल्क कीं। संस्थान कर्मियों ने विभिन्न जांचों का लाभ उठाते हुये बीमारियों के निदान के लिए वरिष्ठ चिकित्सकों से परामर्श लिया। निदेशक प्रो.सीमा परोहा ने कहा कि स्वास्थ्य को संयमित जीवशैली द्वारा ठीक रखा जा सकता है। किसी भी प्रकार की समस्या को नजरअंदाज करना भविष्य में घातक हो सकता है। समय पर दवा का सेवन व चिकित्सकों के निर्देशों का पालन करके स्वस्थ रहा जा सकता है। इस दौरान हॉस्पिटल के डिप्टी मैनेजर अनुराग द्विवेदी, संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों में विनय कुमार, अनूप कनौजिया, संजय चौहान, डॉ.अशोक कुमार, महेन्द्र कुमार, विवेक प्रताप सिंह, अखिलेश कुमार पांडे, कमलेश कुमार व उमेश चंद्र पांडे समेत आदि रहे।

गैंगरेप पीड़िता के भाई को धमकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सर्विलांस की मदद से क्राइम ब्रांच ने सीतापुर में आरोपी को पकड़ा शहर लेकर आई

अमृत विचार। सचेंडी में गैंगरेप पीड़िता के भाई को व्हाट्सएप भेजकर धमकाने वाले को क्राइम ब्रांच ने सीतापुर से दबोच लिया। सर्विलांस की मदद से क्राइम ब्रांच ने आरोपी अमित त्रिवेदी को पकड़ा और शहर ले आई। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पता लगाया जा रहा है कि उसका आरोपी दरोगा अमित मौर्या से क्या संबंध है। पुलिस ने पीड़िता के भाई की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सचेंडी इलाके की रहने वाली 13 वर्षीय किशोरी को बीते सप्ताह स्कार्पियो से अगवा कर गैंगरेप किया गया था। यूट्यूबर शिवबरन व दरोगा अमित मौर्या पर आरोप लगा था।

पुलिस कमिश्नर की सख्ती पर एक दिन बाद नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई थी। जिसमें पुलिस शिवबरन को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि आरोपी दरोगा फरार है। उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया है। उसकी तलाश में पुलिस टीम लगी है।

बीते सोमवार को पीड़िता के भाई के मोबाइल नंबर पर एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप संदेश आया, जिसमें दरोगा को शरीफ बताते हुए कई तरह की धमकी दी गईं। धमकाने वाले की प्रोफाइल में छोटू कुशवाहा लिखा था। पीड़िता के भाई की शिकायत पर पुलिस हरकत में आई। क्राइम ब्रांच ने सर्विलांस की मदद से मोबाइल नंबर का पता लगाया और सीतापुर के तलगांव के अमित त्रिवेदी को हिरासत में लिया। टीम उसे लेकर शहर आई है।

पीड़िता के भाई ने आरोपी के खिलाफ सचेंडी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। डीसीपी वेस्ट केएस कासिम आबिदी ने बताया कि क्राइम ब्रांच आरोपी को हिरासत में लेकर आई है। रिपोर्ट दर्ज कर उससे पूछताछ की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि उसका किसी आरोपी से और क्या संबंध है। उसने यह किसके कहने पर किया।

बीमा कंपनी का प्रतिनिधि बता 6.53 लाख ठगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पीड़िता ने साइबर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार। बजरिया में साइबर ठगों ने खुद को बीमा कंपनी का प्रतिनिधि बताकर महिला से 6.53 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का पता चलने पर पीड़िता ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रामबाग की रहने वाली रेखा पांडेय के अनुसार साइबर शातिर ने खुद को एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस का अधिकृत प्रतिनिधि बताकर उनसे संपर्क किया। कॉल करके उनके बारे में जानकारी ली और बीमा पॉलिसी के बारे में बताया। विश्वास में लेकर और बहाने से उनसे धनराशी ट्रांसफर करा ली।

महिला के अनुसार पहले 50 हजार, ई-इंश्योरेंस अकाउंट खोलने के नाम पर 56 हजार, टैक्स चार्ज के नाम पर 2.05 लाख की मांग की गई। एनओसी बनवाने के नाम पर 70,940 और 70,705 रुपये लिए गए। इस प्रकार उनसे कुल 6.53 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई। आरोप है कि कॉल पर कभी विनीत अरोड़ा, अंकित त्यागी तो कभी संजय मल्होत्रा होते। ठगी का पता चलने पर पीड़िता ने साइबर थाने में मामले की शिकायत की। साइबर थाना प्रभारी सतीश यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सऊदी अरब का वीजा के नाम पर की ठगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बेकनगंज में युवक ने सऊदी अरब का बीजा बनवाने के नाम पर दंपती पर 67,700 रुपये धोखाधड़ी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

परेड के मुरीलाल का हाता निवासी मो. अली के अनुसार सुजातगंज निवासी सबा नूर व उसकी पत्नी शहनवाज ने सऊदी अरब का बीजा बनवाने के लिए ऑनलाइन 50,700 व 10 हजार रुपये 2023 व 2024 में लिए थे। 7000 रुपये मेडिकल कराने के लिए लिया था। इस प्रकार कुल 67,700 रुपये लिए। आरोप है कि उसके बाद भी बीजा नहीं मिला। उन्होंने कई बार रुपये वापस करने के लिए कहा, लेकिन दंपती टालमटोल करते रहे।

महिला ने उसे फंसाने के लिए झूठे प्रार्थना पत्र अधिकारियों को दिए। उनके करीबी अब्दुर रहीम के साथ भी धोखा किया है। युवक के अनुसार मां की तबीयत खराब होने पर रुपये की जरूरत पड़ी तो भी दंपती ने परेशान किया। इस पर उन्होंने पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया। बेकनगंज थाना प्रभारी मो. मतीन खान ने बताया कि तहरीर के आधार पर सबा नूर व उसके पति शहनवाज पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

व्यवस्था

जिलाधिकारी और नगर आयुक्त ने मकर संक्रांति के स्नान को लेकर सरसैया घाट का किया निरीक्षण

घाटों पर चेंजिग रूम, हर 50 मीटर पर सफाईकर्मी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मकरसंक्रांति के स्नान को लेकर शहर के घाटों पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने अधिकारियों के साथ मुख्य सरसैया घाट का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने महिलाओं के लिए आस्थाई चेंजिग रूम बनाने के साथ ही घाटों और शौचालय की सफाई के निर्देश दिए। गंगा घाट तक जाने वाले रोस्ते में दो स्थानों पर बड़े गड्ढे में पानी का भराव मिला इसपर नगर आयुक्त ने तत्काल बालू का भराव करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सरसैयाघाट पर महिलाओं के लिए कम से कम 5 या उससे अधिक अस्थायी चेंजिंग रूम बनाये जाने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सरसैया घाट का निरीक्षण किया।

नगर आयुक्त ने सरसैयाघाट की सीढ़ियों से लेकर स्नान स्थल तक मार्ग को चौड़ा करने, अस्थायी अतिक्रमण हटाने, मार्ग को पूरी तरह से साफ रखने को कहा जिससे श्रद्धालुओं को स्नान में आने-जाने में कोई असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने सरसैयाघाट समिति द्वारा एक सांकेतक बोर्ड भी लगाने के साथ ही स्नान स्थल पर 50-50 मीटर की दूरी पर एक-एक सफाई कर्मचारी

- गंगा तक जाने वाले रास्ते पर मिले गड्ढे को पाटने के निर्देश, 14 तक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश

लगाने, मार्किंग करने को कहा गया। सरसैयाघाट में दो स्थायी शौचालयों संचालित किए जा रहे हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि यहां सफाई कराने के लिए कार्यदायी संस्था ही जिम्मेदारी होगी।

जोनल अभियन्ता-1 ने बताया कि लोहे के पाइप लगाकर रस्सी बांध दी जायेगी, जिससे श्रद्धालुओं को संकेत रहेगा कि वह इससे आगे स्नान न बढ़े। एडीएम सिटी राजेश कुमार, जोनल अधिकारी-1 विद्या सागर, जोनल अभियन्ता-1 आरके तिवारी, सहायक अभियन्ता मीनाक्षी अग्रवाल, जोनल स्वच्छता अधिकारी-1 अमित कुमार आदि रहे।

सेवानिवृत्त बैंक कर्मी के बंद घर का ताला तोड़ नकदी-जेवर चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- राजस्थान स्थित दिगंबर मंदिर दर्शन करने गया था परिवार पड़ोसियों ने दी सूचना
- चोर मकान में चप्पल, लोहे की रॉड और पेचकस छोड़कर गए, पुलिस ने की जांच

अमृत विचार। जाजमऊ में चोरों ने सेवानिवृत्त बैंककर्मी के बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी-जेवर समेत गृहस्थी का माल पार कर ले गए। मकान का ताला टूटा देखकर पड़ोसी ने पीड़ित के छोटे बेटे को जानकारी दी। पीड़ित परिवार राजस्थान स्थित दिगंबर मंदिर के दर्शन करने गया था। आरोपी चोरी के बाद कमरे में अपनी चप्पल, लोहे की रॉड व पेचकस छोड़ गए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की है।

जाजमऊ की केडीए कालोनी निवासी सुधीर कुमार अग्रवाल बैंक से सेवानिवृत्त हैं। वह अपनी पत्नी छाया, बड़े बेटे गौरव, बहू रीता व उनके बच्चों अविरल व दिव्यांशी के साथ रहते हैं। सुधीर का छोटा बेटा जेके कालोनी निवासी चंदन ने बताया कि पिता परिवार समेत राजस्थान जयपुर में दिगंबर मंदिर में दर्शन करने गए हैं। मकान में ताला लगा था। बीते सोमवार की देर रात को चोरों ने मुख्य गेट का ताला तोड़ा और अंदर घुसे। कमरों में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर नकदी-जेवर समेत अन्य सामान ले गए हैं। मंगलवार सुबह पड़ोसी अमित कपूर ने ताला टूटा देखा तो चंदन को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद वह मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल की। पुलिस के अनुसार चोर मौके पर एक जोड़ी चप्पल, लोहे की रॉड और पेचकस छोड़ गए हैं। पीड़ित के छोटे बेटे चंदन ने बताया कि चोरी गए सामान का आंकलन परिजनों के वापस लौटने पर ही हो सकेगा। फिलहाल 10 लाख से अधिक का नकदी-जेवर चोरी की संभावना है। पुलिस के अनुसार आसपास के सीसीटीवी कैमरा खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही चोरों को पकड़ा जाएगा।

सिटी ब्रीफ

65 लोगों को आया हार्ट अटैक

कानपुर। सर्दी के मौसम में दिन में धूप खिलने के बाद भी दिल के मामले कम नहीं हो रहे हैं। मंगलवार को एलपीएस कार्डियोलॉजी संस्थान की ओपीडी में 1111 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। जबकि 65 लोगों को हार्ट अटैक आने पर परिजन उन्हें लेकर इमरजेंसी पहुंचे। जबकि छह लोगों की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो गई।

संस्कार लॉन में 25 को सम्मेलन

कानपुर। गांधी नगर लक्ष्मण पार्क स्थित केंद्रीय कार्यालय में अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। राष्ट्रीय महामंत्री व कार्यक्रम संयोजक महेश कुमार मिश्रा ने कहा कि किदवई नगर स्थित संस्कार लॉन राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में परिवार-परिचय युवक-युवती सम्मेलन का आयोजन 25 जनवरी को किया जाएगा। केंद्रीय अध्यक्ष शिवसहाय मिश्र, महासचिव सुनील चंद्र तिवारी, शारदा प्रसाद शुक्ल, आरएन अवस्थी, भीमशंकर मिश्र समेत आदि लोग रहे।

आज होगा सम्मान समारोह

कानपुर। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत सहित अन्य देशों पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव के विरोध में बुधवार को श्याम नगर बाईपास चौराहा स्थित अवध ग्राउंड होटल में व्यापारी उद्यमी महापंचायत व सम्मान समारोह का आयोजन होगा। व्यापारी उद्यमी महापंचायत व सम्मान समारोह होगा।

10 रुपये में सेल्फी लें

कानपुर। चिड़ियाघर में पशु पक्षियों को कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए हीटर में रखा गया है लेकिन मंगलवार को धूप खिली तो शेर, चीता समेत कई जानवर बाड़ों से बाहर निकलकर धूप में बैठे जिन्हें दर्शकों ने देखते ही तालियां बजाई। मंगलवार को धूप निकलते ही एक ओर जहां इंसानों ने राहत की सांस ली, वहीं वन्य जीवों को भी राहत मिली। बड़ी संख्या में दर्शक घूमने के लिए चिड़ियाघर आए। हालांकि शाम को ठंडी हवाओं के चलते पशु पक्षियों को फिर हीटर के सामने कर दिया गया। बताते चलें कि चिड़ियाघर में पर्यटकों के लिए सेल्फी जोन की शुरुआत भी कर दी गई है। यहां आने वाले दर्शक वन्य जीवों के दीदार ही नहीं बल्कि शेर, चीता और भालू के कटआउट के साथ यादगार तस्वीरें भी खींच सकते हैं लेकिन इस सेल्फी के लिए 10 रुपये देने होंगे। दर्शक खूब खुश हैं।

डीसीपी ट्रैफिक के पीआरओ ने दर्ज कराई रिपोर्ट

कानपुर। डीसीपी ट्रैफिक के पीआरओ संतोष कुमार शुक्ला ने एक व्यक्ति के विरुद्ध छवि धूमिल करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि मंगलवार को व्हाट्सएप के माध्यम से उन्हें जानकारी हुई की कानपुर पुलिस मीडिया ग्रुप में व्हाट्सएप यूजर आशीष अवस्थी ने एक न्यूज ब्रेकिंग करके डाली है। जिसमें उसने लिखा कि डकैती के आरोपी इंस्पेक्टर संतोष शुक्ला ट्रैफिक विभाग का काम संभाल रहे हैं। इतना ही नहीं उसने ब्रेकिंग में लिखा है कि पुलिस कार्रवाई नहीं होने से परेशान होकर पीड़ित संजय जायसवाल ने वीडियो जारी कर गुहार लगाई थी। डकैती के आरोपी थानेदार को तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार की विशेष छत्रछाया प्राप्त थी, तभी उनके रहते उसे चकेरी थाने का चार्ज मिला था। नए पुलिस कमिश्नर के आने के बाद चकेरी थाने से हटा दिया गया। संतोष कुमार शुक्ला ने आशीष अवस्थी के खिलाफ चकेरी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई।

कानपुर कपड़ा कमेटी में उलटफेर, रुमित सागरी थे अध्यक्ष के दावेदार, लेकिन उनके साथी दगा दे गए

बहुमत के बावजूद युवा गुट ने मुंह की खाई, काशी खेमा जीता

- अब काशी गुट का बहुमत, उन्हीं के अध्यक्ष, प्रधान सचिव और अन्य पदाधिकारी

विशेष संवाददाता

जीते हुए पदाधिकारियों ने खुशी मनाई। अमृत विचार

कानपुर। बीते दिनों कानपुर कपड़ा कमेटी की कार्यकारिणी चुनाव के बाद अब मंगलवार को पदाधिकारियों के निर्वाचन में खेल हो गया। बहुमत के बावजूद युवा गुट मात खा गया और काशी खेमे ने जीत का झंडा फहरा दिया।

बीते दिनों कानपुर कपड़ा कमेटी की कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव में युवा के 25 में 14, काशी गुट के आठ और एक निर्दलीय की जीत हुई थी। इस तरह युवा गुट को बहुमत मिला था और माना जा रहा था कि पदाधिकारी में इसी खेमे के चुने जाएंगे।

युवा गुट के मुखिया रुमित सागरी अध्यक्ष पद के दावेदार थे। सुबह से ही कपड़ा कमेटी के दफ्तर में हलचल थी। इस बीच पता लगा कि युवा गुट के कई सदस्य काशी खेमे के संपर्क में हैं। युवा गुट के नेता अवाक रह गए। रुमित ने दावेदारी वापस ले ली और फिर इधर से अमित दोसर अध्यक्ष पद के लिए मैदान में आ गए। मतदान हुआ तो अमित दोसर काशी गुट के वीरेंद्र गुलाटी से एक वोट से हार गए। कुल 22 में 11 वोट वीरेंद्र और 10 अमित दोसर को मिले। एक वोट अवैध हो गया। इसी तरह काशी गुट के दीपक गुप्ता, संयुक्त सचिव अमित गुप्ता रिंकू और कोषाध्यक्ष अशोक माहेश्वरी भी जीत गए। अशोक युवा गुट छोड़कर काशी खेमे में आ गए थे। नाराज और निराश होकर युवा गुट के मुखिया रुमित सागरी ने चुनाव का बहिष्कार कर दिया। इधर काशी गुट ने जुलूस निकालकर जीत का जश्न मनाया। युवा गुट के अशोक माहेश्वरी, अनिल जैन, करन वोहरा, नवीन नेवटिया काशी के साथ आ गए।

पुराने खिलाड़ी काशी प्रसाद ने बदल दिया रुख

- पिछले 50 साल से कपड़ा कमेटी में काशी और सागरी गुट में टक्कर होती रही है। उम्र ढलने के बाद सागरी ने कमान अपने बेटे रुमित को सौंप दी और उन्होंने युवा गुट गठित कर चुनाव की कमान भी संभाल ली। इस चुनाव में युवा गुट को भारी बहुमत मिला तो रुमित निश्चिंत हो गए। इधर सागरी काशी प्रसाद ने युवा गुट को बड़े पद आफर कर कई सदस्यों को अपने खेमे में मिला लिया। खुद अध्यक्ष नहीं बने लेकिन अपने गुट को बहुमत में लाकर अपनी मनचाही कैबिनेट बना ली।

ये रहे पदाधिकारी

- वीरेंद्र गुलाटी अध्यक्ष, नवीन नेवटिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संजय गुप्ता कनिष्ठ उपाध्यक्ष, दीपक कुमार गुप्ता प्रधान सचिव, राकेश सेठिया सचिव, अमित गुप्ता संयुक्त सचिव और अशोक माहेश्वरी कोषाध्यक्ष।

हाईवे पर सफर के दौरान नहीं गायब होगा नेटवर्क

- एनएचएआई ने मोबाइल कंपनियों को जारी किया पत्र, चिन्हित होंगे ब्लैक स्पॉट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर के दौरान मोबाइल नेटवर्क गंभीर समस्या है। जिससे न सिर्फ सड़क सुरक्षा प्रभावित होती है, बल्कि कई बार मोबाइल में नेटवर्क न होने के कारण यात्रियों को आपात स्थिति में मदद नहीं मिल पाती है। जीपीएस लोकेशन फेल हो जाती है और एम्बुलेंस जैसी सेवाओं को पहुंचने में भी दिक्कत होती है, जिससे हादसों के बाद बचाव कार्य में देरी होती है और जान-माल का नुकसान भी बढ़ सकता है। एनएचएआई ने मोबाइल कंपनियों को नेटवर्क कवरेज सुधारने के लिए पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की है। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग कानपुर-लखनऊ हाइवे, चकेरी-इटावा, चकेरी-प्रयागराज, अलीगढ़-कानपुर हाइवे, जीटी रोड (एनएच-19) और कानपुर-झांसी (एनएच-27) है। इन हाइवों पर ऐसे कई ब्लैक स्पाट हैं, जहां नेटवर्क अचानक गायब हो जाता है। एनएचएआई के निर्देश के बाद मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियां ड्राइव टेस्ट, वॉक टेस्ट और सिग्नल स्ट्रेंथ एनालिसिस करेंगी। साथ ही कॉल ड्राप, लो नेटवर्क, स्लो इंटरनेट या जीपीएस लोकेशन फेल होने जैसी समस्याओं का भी आकलन होगा। टेक्निकल टीम विशेष डिवाइस और साफ्टवेयर की सहायता से हादसे की सड़क के दोनों साइड नेटवर्क की गुणवत्ता को रिकार्ड करेगी। ताकि संबंधित जगह पर आ रही दिक्कतों को दूर किया जा सके और वाहन सवार लोगों को किसी भी प्रकार कोई परेशानी न हो सके। पत्र के माध्यम से एनएचएआई ने यह भी जानने की भी कोशिश की है कि किस कंपनी का नेटवर्क किन-किन स्थानों पर कमजोर है और सुधार के लिए क्या कदम आवश्यक हैं। मामले में एनएचएआई की निगरानी टीम भी समानांतर रूप से अपने स्तर पर रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके बाद मोबाइल कंपनियों को संयुक्त रिपोर्ट भेजी जाएगी। ताकि सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

समारोह में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

न्यायपालिका व समाज का मजबूत स्तंभ हैं अधिवक्ता

कानपुर। शहर में द कानपुर इनकम टैक्स व जीएसटी बार एसोसिएशन का सातवां स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया गया। इंडस्ट्रियल एरिया के चेयरमैन विजय कपूर ने हमेशा अधिवक्ताओं के साथ हर परिस्थितियों में साथ मौजूद रहने की बात कही। यूएनएचओएनआई ने कहा कि अधिवक्ता, न्यायपालिका और समाज का मजबूत स्तंभ होता है। मुख्य वक्ता देवेंद्र पांडे ने जीएसटी ट्रिब्यूनल की महत्व की जानकारी दी। चार्टर्ड एकाउंटेंट गोविंद महेश्वरी ने नए वित्त वर्ष में आयकर विवरणी के एफआई एलआईएनजीएसए संबंधित तकनीकी जानकारी दी। संस्था के महासचिव राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि संस्था सदैव समाज व अधिवक्ताओं के लिए संघर्ष करेगी। संस्था के अध्यक्ष उमेश रावत, सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन के महामंत्री अवनीश दीक्षित, अजय सिंह, एसपी निगम, रोहित निगम, मीडिया सचिव एमएम नदीम खान आदि थे।

महाना आवास के सामने ढोल-मजीरा संग हनुमान चालीसा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

हनुमान चालीसा का पाठ करते कांग्रेसी। अमृत विचार

हनुमान मंदिर में कांग्रेसियों ने प्रार्थना की। अमृत विचार

अमृत विचार। कांग्रेसियों का आरोप है कि पतंग महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हनुमान जी को पतंग के रूप में उड़ाया जो हिंदू जनभावनाओं से खिलवाड़ है और हनुमान जी का अपमान है। इसी के विरोध में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना आवास के सामने लालबंगला में कांग्रेसियों ने ढोल मजीरा के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। कांग्रेसियों ने लालबंगला स्थित श्री काली जी हनुमान जी मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ करके मोदी को सद्बुद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की।

मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर नगर ग्रामीण के अध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने अनूठा विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेसी अपने हाथों में हनुमान जी के चित्र के साथ स्लोगन लिखी तख्तियां लिए हुए थे जिसमें नरेंद्र मोदी शर्म करो हनुमान जी का अपमान बन्द करो हनुमान जी का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान लिखा था। नगर ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि इस प्रकार की घटिया हरकतों को बंद नहीं किया तो कांग्रेसजन हर वार्ड में पुतला दहन करेंगे। अंकित कन्नौजिया, विजय शंकर निषाद, बाबूराम सोनकर, संदीप मिश्रा, शीलू यादव, गोविंद यादव, अजय कुमार, सुजैन गुप्ता, शिवम पटवा, शिवांश राजपूत, शुभम राजपूत, रमेश अवस्थी, बाबू यादव, अमर सिंह, निखिल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

- प्रधानमंत्री पर हनुमान जी को पतंग के रूप में उड़ाने का विरोध
- हिंदू भावनाओं से खिलवाड़ हनुमान जी का अपमान बंद करो

मेस्टन रोड हनुमान मंदिर में सद्बुद्धि प्रार्थना

- **कानपुर।** कांग्रेसियों ने गांधीवादी अंदाज में मेस्टन रोड पर हनुमान मंदिर पर हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए सद्बुद्धि प्रार्थना की। मंगलवार को कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में हनुमान मंदिर में प्रार्थना की गई। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि मोदी जी ने हमारे आराध्य प्रभु श्री हनुमान जी को पतंग बनाकर उड़ाकर करोड़ों हिन्दुओं की आस्था पर गहरा आघात पहुंचाया है। प्रधानमंत्री सनातनियों से माफी मांगे। हरप्रकाश अग्निहोत्री, शंकर दत्त मिश्रा, रितेश यादव, महेंद्र त्रिपाठी पुत्तु, विजय त्रिवेदी, अजय श्रीवास्तव शीलू, बृज भान, पदम मोहन मिश्रा, धर्मेंद्र चौहान एवं विनय पांडेय आदि थे।

हिंदू संगठनों ने प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली पर जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विश्व हिन्दू परिषद और हिन्दू जागरण मंच की एक संयुक्त बैठक विहिप कार्यालय दुर्गा भवन में हुई। बैठक में दोनों संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बिल्हौर की घटना पर गहरी चिंता और रोष व्यक्त किया। विहिप परिषद संगठन मंत्री मनीष ने कहा कि कानपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में बार-बार लगातार गौवंश के मांस व हड्डियों की बरामदगी और उससे जुड़ी घटनाओं का सामने आना यह दर्शाता है कि प्रशासन का रवैया अत्यंत लचर है। विश्व हिन्दू परिषद और हिन्दू जागरण मंच का स्पष्ट मत है कि यदि प्रशासन समय रहते सख्त निगरानी, प्रभावी खुफिया तंत्र और कानून का कठोरता से पालन करता, तो ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। बैठक में विश्व हिन्दू परिषद के विभाग मंत्री गौरांग जी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन शीघ्र एवं निर्णायक कदम उठाने में विफल रहता है, तो हिन्दू समाज को जनआंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान विश्व हिन्दू जागरण मंच के प्रान्त संयोजक पीयूष रंजन, बजरंग दल विभाग संयोजक नरेश तोमर समेत विहिप तथा हिन्दू जागरण मंच के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खसरा-रूबेला के उन्मूलन लक्ष्य को प्राप्त करेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। खसरा और रूबेला दोनों अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग हैं और इनका उन्मूलन राष्ट्रीय लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सर्विलांस सिस्टम को हर स्तर पर मजबूत करना होगा। खसरा और रूबेला के प्रत्येक प्रकरण की रिपोर्टिंग अनिवार्य रूप से की जाए। निजी चिकित्सकों से भी अपील की गई कि वह खसरा-रूबेला के मामलों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के साथ साझा करें। यह बातें जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बोलीं।

कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिलाधिकारी ने खसरा-रूबेला उन्मूलन को प्रभावी बनाने और विभागीय समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से अंतर-विभागीय समन्वय बैठक की। उन्होंने बताया कि खसरे के प्रमुख लक्षण तेज बुखार, खांसी, जुकाम, आंखों में लाली और शरीर पर लाल चकत्ते हैं, जबकि रूबेला में हल्का बुखार और दाने होते हैं, लेकिन गर्भवती महिलाओं में यह रोग जन्मजात विकृतियों का गंभीर कारण बन सकता है। अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लक्षणों की जानकारी सभी लोगों को होनी चाहिए। ताकि संदिग्ध मामलों की समय पर पहचान हो सके। नौ माह से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। बाल विकास सेवा विभाग को सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा अपने केंद्रों के सत्र स्थलों की अद्यतन ड्यू लिस्ट तैयार करने के निर्देश दिए। सैम और मैम श्रेणी के बच्चों की पहचान कर उन्हें सत्र स्थल तक लाने में विशेष सहयोग देने को कहा। हर सत्र स्थल पर इन्फैंटोमीटर और स्टैडियोमीटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पंचायती राज संस्थाओं को पंचायत भवनों पर खसरा-रूबेला से संबंधित आईईसी सामग्री का प्रदर्शन करने और पंचायत मित्रों के ब्लॉकवार प्रशिक्षण की योजना तैयार कर समय से साझा करने के निर्देश दिए। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को प्रतिमाह धार्मिक नेताओं के साथ बैठक कर स्वास्थ्य विषयों और नियमित टीकाकरण पर संवाद बढ़ाने को कहा। वहीं, मदरसों में आयोजित टीकाकरण सत्रों पर भी विशेष जोर दिया गया। कहा कि दिशा में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान सीडीओ दीक्षा जैन, सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी संबंधित अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी और जेएसआई से हुदा जहरा समेत आदि अधिकारी रहे।

चुनाव

अरविंद सचान ने भी वापस लिया नाम और पवन तिवारी भी बन गए निर्विरोध महामंत्री

इनकी दाल गली न उनकी, सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष की चली

विशेष संवाददाता, कानपुर

- इसके पहले निर्मल त्रिपाठी ने भी पर्चा वापस लेकर अचल गुप्ता को अध्यक्ष की कुर्सी दे दी थी
- सभी पदों के लिए निर्विरोध चुनाव हो गया, मतदान की नौबत ही नहीं आई

अचल गुप्ता।

पवन तिवारी।

अमृत विचार। व्यापारी राजनीति में जैसी कि कहावत "खाता न बही, जो मुकुंद भइया कहें वो सही" प्रचलित है, ठीक वैसा ही दक्षिण उद्योग व्यापार मंडल (श्याम बिहारी मिश्र गुट) के चुनाव में भी हुआ। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल को दो जिलों में बांट कर चुनाव कराए गए। इस कड़ी में पहली बार उद्योग व्यापार मंडल (दक्षिण जिले) का चुनाव हुआ है। यह चर्चा भी गरम रही कि पहले के चुनावों की तरह इस बार भी चुनाव प्रक्रिया के नाम पर औपचारिकता ही की गई। पदाधिकारियों के नाम पहले से तय थे। चुनाव प्रक्रिया के बाद सिर्फ घोषणा होनी थी और वही हुआ। इस मुद्दे पर व्यापारी नेता खामोश हैं, लेकिन आपसी चर्चा जरूर हो रही है।

हर बार की तरह निर्मल त्रिपाठी इस बार फिर अध्यक्ष के लिए मैदान में अड़े थे, लेकिन प्रदेश कमेटी ने पद दिए जाने के आश्वासन पर मान गए और अध्यक्ष ही नहीं, महामंत्री के लिए किया गया नामांकन भी वापस ले लिया। इस तरह आखिरकार प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा और चेयरमैन मणिकांत जैन की पसंद अचल गुप्ता को अध्यक्ष की कुर्सी मिल गई। इसी तरह महामंत्री के लिए अरविंद सचान और पवन तिवारी के बीच मुकाबला होना था। मंगलवार को अरविंद सचान ने अपना समर्थन पवन तिवारी को दे दिया और मैदान से हट गए। इस तरह सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुन लिए गए। पवन तिवारी खली व्यापार मंडल नौबस्ता के अध्यक्ष भी हैं।

भाजपा से जुड़े हैं ज्यादातर नेता

- इस उद्योग व्यापार मंडल को भाजपा समर्थित माना जाता है। इससे जुड़े कई नेता मंत्री, एमपी और एमएलए और अन्य पदों पर रहे और हैं। यह भी तथ्य है कि निर्मल त्रिपाठी और अचल भी भाजपा से जुड़े हैं। उत्तर जिलाध्यक्ष सुनील बजाज भी भाजपा के जिलाध्यक्ष रह चुके हैं और वहां से हटने के बाद फिर व्यापारी राजनीति में सक्रिय हो गए हैं।

संगठन की एकता के लिए हटे

- निर्मल त्रिपाठी का कहना है कि विधायक सुरेंद्र मैथानी और अन्य व्यापारी नेताओं के कहने पर चुनाव से नाम वापस लिया है। हम नहीं चाहते कि संगठन कमजोर हो और व्यापारियों को नुकसान हो। प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा का कहना है चुनाव में उनका कोई दखल नहीं रहता है। हां, आपसी बातचीत से कई बार सहमति बन जाती है और यह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। निर्मल कर्मठ को सम्मानजनक ओहदा देंगे।

पूरा हुआ उद्योग व्यापार मंडल दक्षिण का चुनाव

- **कानपुर।** कानपुर उद्योग व्यापार मंडल दक्षिण के मुख्य चुनाव अधिकारी रामशंकर गुप्ता ने बताया कि दो लोग महामंत्री के लिए चुनाव मैदान में थे, लेकिन एक प्रत्याशी अरविंद सचान ने नाम वापस ले लिया। चुनाव अधिकारी चंद्र प्रकाश सोमानी सरताज अहमद ने बताया कि जिन 25 प्रत्याशियों ने अपने प्रत्याशी का परिचय नामांकन भरे थे, उनमें से पांच परिचय वापस होने के बाद सभी 20 पद पर सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नहीं आएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- छूटे मतदाताओं को जोड़ने के लिए 16, 17 व 18 जनवरी को हर बूथ पर प्रवास
- 18 वर्ष का आयु पूरी कर चुके युवाओं को घर-घर जाकर मतदाता बनाएं

सीसामऊ विधानसभा के रायपुरवा मंडल की आयोजित बैठक में बोलते भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित। अमृत विचार

अमृत विचार। विशेष बूथ प्रवास अभियान के चलते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के 16 जनवरी को शहर आने का कार्यक्रम कैंसिल हो गया है। उन्हें सीएम के एक बैठक को संबोधित करना था। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर 16, 17 एवं 18 जनवरी को जिले के हर बूथ पर पदाधिकारियों को दिनभर प्रवास कर विशेष अभियान चलाना है। इसमें ऐसे जीवित मतदाताओं की पहचान की जाएगी जिनके एसआईआर फॉर्म नहीं भरे गए हैं, उन्हें मतदाता सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मंगलवार को सीसामऊ विधानसभा के रायपुरवा मंडल की आयोजित बैठक में जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने बताया कि जिले में निवास करने वाले मंडल स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के सभी पदाधिकारी अपने-अपने बूथों पर प्रवास करेंगे तथा प्रतिदिन अभियान की प्रगति की जानकारी जिला इकाई को देंगे। जिला अध्यक्ष ने कहा कि इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं को घर-घर जाकर मतदाता बनाना है। जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि इस अभियान में हर दायित्वधारी कार्यकर्ता को तीन दिन तक अपने-अपने बूथ पर विशेष रूप से उपस्थित रहना अनिवार्य है। बैठक में मंडल अध्यक्ष गौरव पांडे, अनूप अवस्थी, किशन लाल, सुदर्शन, अवधेश सोनकर, वीरेंद्र श्रीवास्तव, कमल तिवारी, अंकित मिश्रा समेत सभी सेक्टर संयोजक, बूथ अध्यक्ष, बूथ प्रवासी एवं मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

कल 270 विशेष बसें चलेंगी

कानपुर। मकरसंक्रांति के अवसर पर गुरुवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की 270 बसें शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा से चलेंगी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी पंकज तिवारी ने बताया कि बस अड्डा से हर 5 मिनट पर बसें प्रयागराज के लिए मिलेंगी।

यूपी स्कूल टीम में शहर के 4 खिलाड़ी चयनित

कानपुर। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की ओर से 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 26 जनवरी के बीच राजस्थान में किया जा रहा है। इसके लिए यूपी स्कूल टीम की घोषणा हुई, जिसमें कानपुर के चार खिलाड़ियों को स्थान मिला है। चयनित टीम में कानपुर से शक्ति सिंह, विराट शुक्ला, अथर्व द्विवेदी, बख्तियार शामिल हैं। वहीं, स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई इटावा से हर्षवर्धन सिंह, आयुष सिंह, सास्वत यदुवंशी, वाराणसी से अफ्फान हबीब, असलान, स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ से प्रत्युष सिंह, विनायक सिंह, आगरा से युगांक, लखनऊ से आदित्य प्रकाश, गोरखपुर से उत्कर्ष यादव, अमर्थ, अयोध्या से ओम राजेंद्र को टीम में स्थान मिला है।

नौ स्थानों पर लीकेज की मरम्मत की गई

कानपुर। शहर में नौ स्थानों पर लीकेज की मरम्मत की गई। इसके साथ ही अधिकारियों ने सात मलिन बस्तियों का निरीक्षण भी किया। जलकल के अफसर सुबह से शाम तक शहर में जलापूर्ति व्यवस्था सुधारने के लिए दौड़ लगा रहे हैं। इसके अलावा पाइप लाइनों की मरम्मत के साथ, ओवरहेड टैंक की सफाई का भी काम किया जा रहा है। स्थानीय जनता भी हर रोज अपने क्षेत्र में लीकेज व दूषित जल की शिकायत कर रही है, जिसका तत्काल समाधान भी किया जा रहा है। जीएम जलकल आनंद त्रिपाठी ने बताया कि पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाया जा रहा है। हर घर को शुद्ध जलापूर्ति विभाग का लक्ष्य है।

मरीजों को वितरित किया स्वल्पाहार

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल की ओपीडी गेट पास मंगलवार को चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं की ओर से नए वर्ष पर मरीजों को स्वल्पाहार वितरण किया गया। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो .संजय काला और हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ .आरके सिंह ने मरीजों को स्वल्पाहार वितरण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। संघ के संरक्षक बीएल गुलाबिया और अध्यक्ष अजय कुमार कुशवाहा ने प्राचार्य और प्रमुख अधीक्षक को तन व मन से मरीजों की सेवा करने के लिए सम्मानित किया।

सुंदर मुंदरिये हो तेरा कौन विचारा, दुल्ला भट्टी वाला हो

कानपुर। लोहड़ी के त्योहार पर अलाव जलाकर उसके चारों ओर महिलाएं एंव पुरुष एकत्र हुए और सुंदर मुंदरिये हो तेरा कौन विचारा हो दुल्ला भट्टी वाला हो गीत पर पर गिद्दा और भांगड़ा किया। नए जोड़ों ने आग में मूंगफली, रेवड़ी व अन्य वस्तुएं डालीं। मंगलवार को कानपुर नगर के विभिन्न क्षेत्रों में लोहड़ी का त्योहार मनाया गया। शाम को लोगों ने अलाव जलाया और उसके चारों ओर घूमते हुए आग में तिल, गजक, गुड़, मूंगफली और मक्का के दाने डालकर सुख व समृद्धि की कामना की। इस दौरान सुंदर मुंदरिए, तेरा कौन विचारा आदि पारंपरिक गीत के बीच भांगड़ा और गिद्दा किया गया। इस त्योहार में भांगड़ा पुरुष प्रधान होता है और ढोप की थाप पर किया जाता है जबकि गिद्दा महिलाओं द्वारा अपने हाथों से ताली बजाकर और लोकगीत गाकर किया जाता है। ये त्योहार फसल और सर्दियों के अंत का प्रतीक माना जाता है। गुरुद्वारा नवाबगंज में गुरुद्वारा के प्रधान मान सिंह बग्गा की अगुवाई में लोहड़ी का त्योहार धूम-धाम से मनाया गया।

शोध केवल डिग्री प्राप्त करने तक न हो

कानपुर। सीएसजेएमयू के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर भारत बोध राष्ट्र पुनर्निर्माण के लिए शोध विषय पर एक दिवसीय अकादमिक कार्यशाला का आयोजन किया। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की शोध पारिस्थितिकी को सुदृढ़ करना, नैतिक, प्रभावशाली एवं राष्ट्र–उन्मुख शोध को प्रोत्साहित करना, नवोदित शोधकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण शोध लेखन और उत्तरदायी शोध प्रकाशन के प्रति संवेदनशील बनाना रहा। आईआईटी कानपुर के कोटक स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी के डीन प्रो. सच्चिदानंद त्रिपाठी ने कहा कि शोध केवल डिग्री प्राप्ति तक सीमित न रहकर समाधान, उन्मुख, उत्तरदायी और नीति– प्रासंगिक होना चाहिए। उन्होंने शोध लेखन में मौलिकता, नौतिकता एवं वैश्विक मानकों के पालन पर बल दिया।

हॉस्टल की मेस में चप्पल पहनकर पैरों से आलू की सफाई, हंगामा

एचबीटीयू में छात्रों ने जमकर किया बवाल, परिसर में निकाला जुलूस और की नारेबाजी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी में मंगलवार को श्रीधराचार्य छात्रावास में एक मेस कर्मी का चप्पल पहनकर पैरों से आलू को साफ करने का वीडियो वायरल हो गया। यह वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे एचबीटीयू के साथ ही अधिकांश मोबाइलों तक आग की तरह फैल गया। पैरों से आलू को साफ करने का वीडियो देख छात्र उग्र हो गए और डीएसडब्ल्यू कार्यालय का घेराव कर जमकर हंगामा किया और विरोध में मार्च भी किया। हालांकि अमृत विचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) के छात्र गौरव गुप्ता और विशाल यादव का कहना है कि सुबह जब छात्र नाश्ता करने मेस पहुंचे तो उन्होंने एक कर्मचारी को पैरों से आलू कुचलते दिखा। चप्पल पहनकर आलू कुचलने का वीडियो वायरल होने की जानकारी पर सैकड़ों छात्र आक्रोशित हो गए। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कार्रवाई की मांग करते हुए कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया। काफी संख्या में छात्र डीन स्टूडेंट वेलफेयर कार्यालय पहुंचे। छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल और मेस की व्यवस्थाएं लंबे समय से बदहाल हैं और उनकी सेहत के साथ सरेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। आरोप है कि हॉस्टल के बाथरूम में दरवाजे नहीं है, पानी की पर्याप्त सुविधा नहीं है। कमरों में सीलिंग टूटकर गिरने समेत कई समस्याओं से छात्र जूझ रहे हैं, लेकिन एचबीटीयू प्रशासन जानकारी होने के बाद भी मरम्मत आदि कार्य नहीं करा रहा है। खाने की गुणवत्ता खराब है। वहीं, छात्र संघ बहाली मोर्चा के छात्र नेता अभिजीत राय विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे और अधिकारियों से बातचीत की। इसके बाद छात्र नेता के साथ सैकड़ों छात्र आंदोलन करने लगे और छात्रावास तक पैदल मार्च निकाला। विश्वविद्यालय प्रशासन और हॉस्टल प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। हंगामे की सूचना पर डीएसडब्ल्यू प्रो.सीएल गहलोत तत्काल कार्यालय पहुंचे, उसके बाद उन्होंने छात्रों के साथ हॉस्टल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में कई खामियां मिलीं। छात्रावास में गंदगी, बाथरूम की खराब हालत खराब, पानी की समस्या दिखी और छात्रावास के छत भी कमजोर मिली। वहीं, छात्रों ने बताया कि सुबह से भूखे है तो ऐसे में कक्षा में पढ़ने कैसे जाएं।

एचबीटीयू में हंगामा करते छात्र। अमृत विचार

शराब, सिगरेट व तंबाकू खाकर करते काम

- हॉस्टल में रहने वाले छात्रों का आरोप है कि हॉस्टल में कर्मचारी शराब, सिगरेट व तंबाकू आदि का सेवन कर काम करते है, जिसकी वजह से कई बार खान में गड़बड़ी मिल चुकी है। हॉस्टल में सुरक्षा के भी पर्याप्त इंतजाम नहीं है। कई बार छात्रों पर सीलिंग पपड़ी गिर चुकी है, छात्र चुटहिल हो चुके हैं। शिकायत करने के बाद भी वार्डन देखने तक नहीं आए थे। बिजली, पानी, सफाई और वाईफाई की भी समस्या है।

कुछ मेस वर्कर को नौकरी से निकाला

- एचबीटीयू प्रशासन ने छात्रों का हंगामा व गुस्सा बढ़ता देख कुछ मेस वर्कर से पूछताछ की और उनको फटकार लगाने के बाद तुरंत नौकरी से निकाल दिया। प्रशासन ने आश्वासन दिया कि मेस कमेटी को बदला जाएगा और जल्द से जल्द छात्रावास की सारी समस्याओं का निस्तारण कराया जाएगा। छात्र संघ बहाली मोर्चा के अभिजीत राय, अनस शाहू व आर्यन सिंह ने कहा कि अगर जल्द से जल्द छात्रावास की समस्या का हल नहीं हुआ तो विश्वविद्यालय परिसर में वृहद आंदोलन होगा, जिसका जिम्मेदार स्वयं विश्विद्यालय प्रशासन होगा। सभी छात्रों ने अपनी समस्या को नोट कराया और बोलें कि अगर कोई समस्या होगी तो छात्र संघ बहाली मोर्चा के साथ वृहद आंदोलन करेंगे।

भारत- जापान में उच्च शिक्षा, शोध और मानव संसाधन होगा मजबूत

- उच्चस्तरीय भारतीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो विश्वविद्यालय का दौरा किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के अध्यक्ष व सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय भारतीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो विश्वविद्यालय का दौरा किया। जिसका उद्देश्य भारत और जापान के बीच उच्च शिक्षा, शोध व मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में सहयोग को और अधिक मजबूत करना रहा।

कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक ने कहा कि दौरे के दौरान भारतीय विश्वविद्यालयों की ओर से सहयोग के ठोस प्रस्ताव रखे गए हैं। इससे भारत–जापान के विश्वविद्यालयों के बीच संस्थागत साझेदारी, संयुक्त शोध और छात्र–शिक्षक आदान–प्रदान से वैश्विक स्तर पर ज्ञान सहयोग को नई दिशा मिलेगी। टोक्यो के अधिकारियों ने स्टडी इन जापान फ्रॉम साउथ एशिया परियोजना की जानकारी भी साझा की। बताया कि यह जापान के शिक्षा, संस्कृति, खेल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक राष्ट्रीय पहल है, जिसका संचालन टोक्यो विश्वविद्यालय के इंडिया ऑफिस द्वारा किया जा रहा है। परियोजना का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में जापान में अध्ययन करने वाले दक्षिण एशियाई छात्रों की संख्या को दोगुना करना है। आंकड़ों के अनुसार, जापान में भारतीय छात्रों की संख्या 2024 में 1,685 से बढ़कर 2028 तक लगभग 3,000 होने का अनुमान है, जबकि कुल दक्षिण एशियाई छात्रों की संख्या 2022 में 20,344 से बढ़कर 2028 तक 40,688 तक पहुंच सकती है। प्रतिनिधिमंडल को जापान साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी के तहत संचालित सकुरा साइंस प्रोग्राम और भारत–जापान संयुक्त लोटस प्रोग्राम की जानकारी भी दी गई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों को शोध के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम तकनीक, ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्र हैं।

बटालियन के कार्य से संतुष्ट दिखे ग्रुप कमांडर

कानपुर। एनसीसी ग्रुप हैडक्वाटर के अंतर्गत चल रहे 17 यूपी गर्ल्स बटालियन का दौरा मंगलवार को एनसीसी ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पीके शास्त्री ने किया। इस दौरान कमांड अधिकारी कर्नल नीरज नैथानी ने उनका स्वागत किया। इसके साथ ही बटालियन की कार्यशैली एवं प्रबन्धन की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी। पीके शास्त्री ने बटालियन द्वारा पूरे वर्ष कराए गए प्रशिक्षण गतिविधियों, वार्षिक शिविर, साइकिल अभियान, कैडेट्स द्वारा की गई समाज सेवा की चर्चा की। उन्होंने वृक्षारोपण की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए बटालियन के परिसर में वृक्षारोपण किया। ग्रुप कमांडर बटालियन के उचित रख रखाव एवं संचालन को देखकर संतुष्ट दिखे। इस दौरान ऑफिसर्स, पीआई स्टाफ, जीसीआई एवं सिविलियन स्टाफ रहा।

किसान फसल अवशेषों को न जलाएं, सड़ाकर खाद बनाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित दलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र ने फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसमे किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के प्रति जागरूक किया गया। केंद्र के प्रभारी डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी और प्रदूषण का संकट भी कम होगा। वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। इसमें बच्चे, बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। हवा दूषित होती है।

कानमल जी की स्मृति में भंडारा

कानपुर। किदवई नगर स्थित मार्बल मार्केट में बाबा रामदेव समिति ने व्यापारी नेता टीकम चंद सेठिया के पिता कानमल सेठिया की स्मृति पर खिचड़ी वितरण कार्यक्रम किया, जिसमे करीब पांच हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। टीकम चंद सेठिया पिता से प्राप्त संस्कारों से समाज सेवा का कार्य कर रहे है? दादा नरेश चंद चतुर्वेदी, श्याम बिहारी मिश्र, जोहरीलाल त्रिवेदी, उग्रसेन चतुर्वेदी, के मित्र मंडली के साथी थे। इस दौरान विधायक अमिताभ बाजपेई, एमएलसी विधायक सलिल विश्नोई, विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक अरुण पाठक, उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मुकंद मिश्रा, बलदेव प्रसाद, राकेश गुप्ता आदि थे।

भंडारे में प्रसाद बांटा गया। अमृत विचार

भागवत भक्ति, ज्ञान और करुणा की अविरल धारा

कानपुर। जहां श्रीमद्भागवत कथा का पावन प्रवाह होता है, वहां केवल शब्द नहीं गूंजते

वहां जीवन का सार, धर्म का मर्म और भक्ति की सुगंध फैल जाती है। ये बातें आचार्य कमल कृष्ण मिश्र ने मिर्जापुर विस्तार, पार्ट–वन रतनपुर कॉलोनी स्थित नीम चौराहे के समीप चल रही श्रीमद्भागवत कथा में कहीं। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा भक्ति, ज्ञान और करुणा की अविरल धारा है। कथा श्रवण करने से पापों का शमन होता है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का ऐसा जीवंत वर्णन किया कि श्रोता भावविभोर होकर मानो स्वयं गोकुल की गलियों में पहुंच गए हों। इस अवसर पर गोर्वधन लीला का मंचन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण को छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। गोवर्धनधारी श्रीकृष्ण के जयकारे से वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर दयाशंकर शुक्ला, अरुण द्विवेदी, गुड्डन द्विवेदी शर्मा, डॉ. कमल जायसवाल, लाला श्रीवास्तव, बृजेश गुप्ता, सुनील तिवारी, निर्मल पाल, ओपी. अग्निहोत्री, हर्षित मिश्रा, सर्वेश साहू, गोपाल तिवारी, नीरज मिश्रा आदि रहे।

आचार्य कमल कृष्ण।

ट्रेनों में 28 बेटिकट पकड़े गये

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन समेत कई स्टेशनों पर चेकिंग टीम के द्वारा बेटिकट यात्रियों के खिलाफ अभियान चलाया गया जिसमें 28 यात्रियों को बेटिकट पकड़कर उनसे जुर्माना वसूला गया। इसी प्रकार कई यात्रियों के पास बिना बुक माल मिला जिनका माल बुक कराया गया।

सूचना

हम अर्पित कुमार गुप्ता, अरूण कुमार व प्रदीप कुमार पुत्रगण राम किशोर गुप्ता प्लाट स्थित आराजी संख्या 443 मि0 व 444 कुल रकबा 62.70 वर्गमीटर स्थित ग्राम बिनगवाँ, कानपुर नगर के स्वामी है।
यह कि उक्त सम्पत्ति का एक मूल विक्रय विलेख श्री दिनेश सिंह उर्फ दिनेश पुत्र इकबाल सिंह ने नीलम सिंह उर्फ नीलम पत्नी शिव कुमार सिंह के पक्ष में विक्रय पत्र निष्पादित किया था जिसका पंजीकरण उपनिबंधक जोन 3 कानपुर में बही संख्या 1 जिल्द संख्या 20650 के पृष्ठ संख्या 147 से 182 पर क्रमांक 14100 दिनांक 06–10–2018 पर पंजीकृत है, जो खो गया है अगर किसी भी व्यक्ति को उक्त के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति है तो 15 दिनों के अन्दर निम्न पते पर सम्पर्क करे–

संदीप साहनी– एडवोकेट
मो0नं0–9838994509

समारोह

आईआईटी में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर मनाया वार्षिक दिवस

तुलना से वास्तविक क्षमता और पहचान होती कम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी के दिव्यांगजन प्रकोष्ठ ने अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर अपना वार्षिक दिवस आयोजित किया। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों और विशिष्ट अतिथियों ने भाग लेकर समावेशन, दृढ़ता और सशक्तिकरण का उत्सव मनाया। विद्यालय की छात्रा प्रथा तिवारी और सुप्रिया तिवारी द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण भूमिका-नाट्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुति के माध्यम से सहानुभूति, समावेशन और सामाजिक जागरूकता का सशक्त संदेश दिया गया।

उप निदेशक प्रो.ब्रज भूषण ने संस्थान में सुलभ भौतिक एवं मानसिक वातावरण विकसित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर जानकारी दी। सीडीएपी की विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए दिव्यांग छात्रों के सहयोग और सशक्तिकरण के प्रति प्रकोष्ठ की निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराया। मुख्य अतिथि डॉ.आल्मा चोपड़ा ने आत्म-विश्वास, निरंतर प्रयास और दिव्यांगजनों के लिए समावेशी शिक्षा व सामाजिक सहयोग के महत्व पर जानकारी दी। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय होता है और दूसरों से तुलना करने से व्यक्ति की वास्तविक क्षमता और पहचान कम हो जाती है। प्रो.गौधम और उनकी टीम ने सहायक प्रौद्योगिकी (असिस्टिव टेक्नोलॉजी) के क्षेत्र में अपने कार्यों को प्रस्तुत किया। उनका शोध मानव–कंप्यूटर अंत:क्रिया को बेहतर बनाने पर केंद्रित रहा, जिसमें सुलभ और समावेशी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया गया है। उनका कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआर, वीआर, एक्सआर, क्रिएटिव टेक्नोलॉजी, संगीत प्रौद्योगिकी, नई मीडिया और सहायक प्रणालियों जैसे क्षेत्रों में फैला है, जिसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों व मान्यता प्राप्त जर्नलों में प्रस्तुत किया गया है। पूर्व छात्र गोरांक दुडेजा ने छात्रों को आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

आईआईटी के वार्षिक दिवस पर मौजूद प्रोफेसर व छात्र। अमृत विचार

सुपरवाइजर को गिरफ्तार कर जेल भेजा

कानपुर। नवाबगंज थाना प्रभारी केशव तिवारी ने बताया बिहार निवासी मोहिद खान बिजली विभाग के ठेकेदार हैं। वह नवाबगंज में बिजली विभाग का ठेका लेकर कार्य कर रहे थे। उनकी कंपनी में महमूदाबाद निवासी मिथुन राठौर सुपरवाइजर थे। जिसने मजदूर भी उपलब्ध कराये थे। ठेकेदार द्वारा मजदूरों का बकाया वेतन नहीं देने पर सुपरवाइजर कंपनी का कुछ माल ले गया था। ठेकेदार ने सुपरवाइजर के खिलाफ चोरी और धमकाने का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपित सुपरवाइजर मोहित राठौर को थानाक्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज, जनपद–कन्नौज

संख्या: 943 न0पा0प0, गुर0गंज (2025–26) दिनांक: 13.01.2026

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज, स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत नागरिकों को कूड़ा के स्रोत पर पृथक्कीकरण के सम्बन्ध में जागरूक करने, स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्यों की क्षमता संवर्धन एवं निदेशालय, नगरीय निकाय उ0प्र0 द्वारा निर्धारित एस0ओ0पी0 के तहत विभिन्न आई0ई0सी0 गतिविधियां किये जाने हेतु एन0जी0ओ को नियुक्त करना चाहती है।

अत: जो भी एन0जी0ओ0 उपरोक्त कार्य में रूचि एवं पर्याप्त अनुभव रखते हों वह अपना प्रस्ताव मय दस्तावेज नगर पालिका कार्यालय में दिनांक 20.01.2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

एन0जी0ओ0 का नियुक्त करने का अंतिम निर्णय पालिका सक्षम अधिकारी में निहित होगा, इसमें किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।

(अनिल कुमार) अधिशासी अधिकारी

(मुन्नी देवी) अध्यक्ष

न्यूज ब्रीफ

उप्र क्रिकेट एसो. के सत्र 2026-27 के लिए पंजीयन शुरू

उन्नाव, अमृत विचार : जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि उप्र क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा सत्र 2026-27 के लिये सभी जिलों में महिला व पुरुष खिलाड़ियों का पंजीयन शुरू हो चुका है। इसलिये सभी खिलाड़ी अपना पंजीयन उप्र क्रिकेट एसोसिएशन की वेबसाइट www.upca.tv पर अंडर-14, अंडर-15 महिला, अंडर-16, अंडर-19, अंडर-23 व सीनियर वर्ग में अपना पंजीयन करा सकते हैं।

हनुमान जी की तस्वीर वाली पतंग उड़ाने के विरोध में प्रदर्शन

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : नगर कांग्रेस कमेटी गंगाघाट ने मंगलवार को मिश्रा कॉलोनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भगवान हनुमान जी की तस्वीर को पतंग के रूप में उड़ाने के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेता मयंक बाजपेयी ने कहा कि अहमदाबाद में आयोजित पतंग महोत्सव में प्रधानमंत्री ने जर्मनी के चांसलर के साथ हनुमान जी की तस्वीर वाली पतंग उड़ाई। जो भगवान हनुमान व सनातन धर्म का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि आस्था का इस तरह उपहास करना दुर्भाग्यपूर्ण है और कांग्रेस पार्टी इस कृत्य का घोर विरोध करती है। उन्होंने प्रधानमंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। प्रदर्शन में बाबूलाल गुप्ता, संजय सिंह, निर्मल बाजपेयी, विश्वनाथ दास, रामचेतन भास्कर, पिंटू तिवारी, विचित्रवीर सिंह, अकबाल अवस्थी, राजाराम खन्ना, रंगीलाल शर्मा, मो. हनीफ समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देखते ही बनी विशेष दीवान की आध्यात्मिक छटा

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

गुरुद्वारा में कीर्तन गाता रागी जत्था।

गुरुद्वारा में लंगर छकते लोग। • अमृत विचार

अमृत विचार: सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व पर रविवार को नगर कीर्तन के बाद मंगलवार को हर्षोल्लास व भक्तिभाव के साथ मना। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगत ने शिरकत की और गुरु साहिब के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद लिया।

प्रकाश पर्व पर सजाय गए विशेष दीवान की आध्यात्मिक छटा देखते ही बनी। इसमें विशेष रूप से गुरुद्वारा बंगला साहिब नई दिल्ली से आए प्रसिद्ध कीर्तनी गुरमेल सिंह के जत्थे ने वैराग्यमयी शबद कीर्तन से संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ कानपुर के मनोहर सिंह व उन्नाव के शुभम सिंह के जत्थों ने भी गुरु महिमा का गुणगान किया। कथावाचक अमर सिंह ने गुरु साहिब के जीवन दर्शन पर कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना व उनके द्वारा दिए गए बलिदान के गौरवमयी इतिहास से संगत को रूबरू कराया। इसके साथ रोटरी क्लब ऑफ उन्नाव सिटी व भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सम्मिलित होकर गुरु का आशीर्वाद लिया। समागम के बाद गुरु का लंगर बांटा गया। लंगर की सेवा में सरदार गुरप्रीत सिंह रेशू, कुलदीप सिंह, जसमीत सिंह, जगजीत सिंह, जितेंद्र सेठी (शिशु), वरुण सूरी, गुरविन्दर सिंह, जरनैल सिंह, इंदरजीत सिंह ने सहयोग किया। इस दौरान सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिकाध्यक्ष श्वेता मिश्रा, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि भानु मिश्रा, बार अध्यक्ष गिरीश मिश्रा, अध्यक्ष व्यापार मंडल अखिलेश अवस्थी आदि मौजूद रहे।

नाला चोक होने से जलभराव अध्यक्ष व ईओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

- आवागमन बाधित, संक्रामक बीमारी फैलने की आशंका

अमृत विचार: नगर पालिका क्षेत्र के राजधानी मार्ग स्थित नाले के पिछले कई महीनों से चोक होने के कारण क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नाला उफनाने पर दुकानों और मकानों के सामने गंदा पानी भर जाता है, जिससे आवागमन बाधित होने के साथ ही संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। इस समस्या को लेकर मंगलवार को वार्ड नंबर 26 के लोगों ने नगर पालिकाध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी को पत्र सौंपा।

पत्र सौंपने वालों में अम्ब्रीश जायसवाल, अंजनि कुमार सिंह, सुनील शुक्ला, अशोक कुमार, अभय सिंह, भीमशंकर सचान, हरीओम गुप्ता और कुश गुप्ता शामिल रहे। उन्होंने बताया कि सरस्वती टॉकीज के सामने फोरलेन का नाला पूरी तरह चोक हो चुका है, जिससे बारिश या हल्की जलनिकासी के दौरान भी जलभराव की स्थिति बन जाती है। इससे दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से शीघ्र नाले की साफ-सफाई कराकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

विधायक ने शहर का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते सदर विधायक पंकज गुप्ता। • अमृत विचार

- सौन्दर्यीकरण कार्य का जायजा लेकर दिए दिशा निर्देश

अमृत विचार: शहर के गांधी नगर तिराहा से गदन खेड़ा को जोड़ने वाली सड़क के सौन्दर्यीकरण, कट व डिवाइडर का सदर विधायक पंकज गुप्ता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों व कार्यदायी संस्था के लोगों के साथ निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यह शहर के लिये महत्वपूर्ण कार्य है। जिसे पूरी भव्यता से समयबद्ध ढंग से कराया जाये।

इस दौरान पूरे तिराहे को शहर के 'ग्रैंड गेटवे' के रूप में विकसित करने की योजना को समझते हुए अधिकारियों से परामर्श किया और इसे अधिक आकर्षक, सुव्यवस्थित व जनहितकारी बनाने के लिये अपने सुझाव भी दिये। इसी परियोजना के अंतर्गत वेंडिंग जोन, रोटरी चौराहा, कलम-तलवार का भव्य स्टैच्यू, सेल्फ़ी प्वाइंट, टेंपो अड्डा, ऑटो अड्डा व इलेक्ट्रिक बस स्टैंड जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

जरूरतमंदों को बांटे कम्बल

शेखपुर गांव में जरूरतमंदों की सहायता के उद्देश्य से कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें सदर विधायक पंकज गुप्ता ने शामिल होकर जरूरतमन्दों को कम्बल वितरण किये।

'भ्रष्टाचार' की 'ठंड' से दो गोवंशों की मौत

संवाददाता नवाबगंज

भीषण ठंड व शीतलहर के बीच खुले में ठिठुरते गोवंश। • अमृत विचार

- केवाना गौशाला में मवेशियों की स्थिति दयनीय

अमृत विचार: नवाबगंज विकासखंड के केवाना गांव में भीषण ठंड में सुविधाओं के अभाव में बीते दो दिनों में दो गोवंशों की मौत हो गई। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और उन्होंने प्रशासन पर धन के बंदरबांट का आरोप लगाया है। हाड़ कंपा देने वाली ठंड व शीतलहर के बावजूद केवाना गौशाला की स्थिति दयनीय बनी है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गौशाला में जानवरों को ठंड से बचाने के लिए न तो तिरपाल की व्यवस्था है और न जमीन पर पुआल बिछाया गया है। खुले शेड के नीचे बेजुबान रातभर ठिठुरने को मजबूर हैं। इस लापरवाही के कारण दो गोवंशों ने दम तोड़ दिया। जबकि कई बीमार और मरणासन्न स्थिति में हैं। स्थानीय लोगों ने गौशाला संचालन में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए कि गौशाला के नाम पर आने वाली धनराशि का अधिकारी व कर्मचारी मिलीभगत से बंदरबांट कर रहे हैं। कागजों में चारा, दवा व सफाई की व्यवस्था चाक-चौबंद दिखाई जाती है लेकिन धरातल पर जानवर भूख व गंदगी में रहने को मजबूर हैं। बीमार पशुओं के लिए न तो पशु चिकित्सक हैं और न दवाइयां हैं। गौशाला में गोबर का अंबार लगा है और सफाई का नामोनिशान नहीं है। कई बार शिकायत के बाद भी अधिकारियों ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि बेजुबानों की हत्या है। ग्रामीणों ने डीएम से मामले का संज्ञान लेने की मांग की है। ग्रामीणों की मांग है कि गौशाला में तुरंत तिरपाल, पुआल व बंद शेड का इंतजाम हो। गौशाला के फंड के खर्च की निष्पक्ष ऑडिट हो। लापरवाह अधिकारी व कर्मचारियों पर कार्रवाई हो। घटना के बाद भी किसी अधिकारी का मौके पर न पहुंचना प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है। बजरंग दल के जिला संयोजक ने बताया कि सोशल मीडिया से इस बारे में पता चला। इस पर वे गौशाला पहुंचे तो वहां की स्थिति बदहाल दिखी। कहा कि गौवंशों की मौत बर्दास्त नहीं होगी। इसे लेकर बजरंग दल जल्द डीएम को ज्ञापन देगा।

कीटनाशक दुकानों पर छापा, 2 के लाइसेंस सस्पेंड, दो को नोटिस

उन्नाव, अमृत विचार : जिले में कीटनाशक दवाओं की बिक्री में अनियमितता बरतने वाले दुकानदारों पर कृषि विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जिला कृषि अधिकारी के औचक निरीक्षण में नियमों की अनदेखी मिलने पर दो दुकानों के लाइसेंस निलंबित किये गए हैं। जबकि दो अन्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला कृषि अधिकारी शशांक ने बीघापुर, सुमेरपुर व पाटन क्षेत्र में कीटनाशक दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दुकानों पर स्टॉक बोर्ड, रेट बोर्ड, वितरण रजिस्टर व कैश मेमो जैसे अनिवार्य रिकॉर्ड अपडेट नहीं मिले। किसान सेवा केंद्र पिठाई खेड़ा व दीप ट्रेडर्स भद्योरा के लाइसेंस निलंबित किए गए। इन पर आरोप है कि यह दुकानदार अपने प्राधिकार पत्र में दर्ज रसायनों के अलावा अन्य रसायन बेच रहे थे। शिव बीज भंडार मनिकापुर, सुमेरपुर व किसान सेवा केंद्र पीठई खेड़ा को अभिलेखों में मिली खामियों के चलते नोटिस दिया गया है। उप कृषि निदेशक रवि चंद्र प्रकाश ने कहा कि किसानों के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया कि दुकान पर रेट बोर्ड व स्टॉक बोर्ड प्रमुखता से लगाएं। हर बिक्री पर कैश मेमो अनिवार्य रूप से काटें। जिला कृषि रक्षा अधिकारी कार्यालय से ग्रो सेफ पोस्टर प्राप्त कर अपनी दुकानों पर चस्पा करें। नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

कंटेनर की टक्कर से अधेड़ की मौत, परिजन बेहाल

हसनगंज, उन्नाव, अमृत विचार : लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर हसनगंज कस्बा स्थित आर्यावर्त बैंक के सामने नींदेमऊ गांव निवासी रामजीवन मौर्य (58) कस्बे में लगनी वाली साप्ताहिक बाजार से वापस पैदल घर लौट रहा था। तभी लखनऊ जा रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने उसे टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर घायल हो गया। राहगीर उसे सीएचसी ले गए। जहां डाक्टर ने उसे गंभीर हालत देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। घायल को परिजन ले जा रहे थे तभी वृद्ध की रास्ते में मौत हो गई। इससे उसके बेटे इंद्रजीत व नागेंद्र रो-रोकर बेहाल हो गए। पुलिस कंटेनर चालक को पकड़कर कोतवाली लाई। इस संबंध में कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि कंटेनर की टक्कर से अधेड़ की मौत हुई है। परिजनों द्वारा तहरीर आने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

रिसर्च ऑफिसर ने लिया सीएचसी का जायजा

नवाबगंज उन्नाव

सीएचसी का निरीक्षण करते रिसर्च ऑफिसर। • अमृत विचार

- सफाई व्यवस्था समेत कर्मियों की वेशभूषा और उपकरणों का रखरखाव सुधारने के दिए निर्देश

अमृत विचार: कस्बा स्थित सीएचसी का शासन की ओर से आए रिसर्च ऑफिसर ने निरीक्षण किया। उन्होंने सीएचसी में प्रसूताओं व नवजात शिशुओं के इलाज से संबंधित सेवाओं की जानकारी ली। सफाई व्यवस्था समेत कर्मियों को वेषभूषा के साथ दवाओं व औजारों के रखरखाव व लेखाजोखा सुधारने के निर्देश दिये।

उप्र शासन के स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के रिसर्च ऑफिसर हरिओम शुक्ला मंगलवार को कस्बा स्थित सीएचसी पहुंचे। जहां उन्होंने ओपीडी, इमरजेंसी, एमएनसीयू, महिला वार्ड, लेबर रूम, पैथोलॉजी लैब, आपरेशन थिएटर, दवा भंडारण का निरीक्षण किया। इस दौरान लेबर रूम में स्टाफ नर्स उनके सवालों का जवाब नहीं दे पाई। इसके बाद ओटी में सफाई व रखरखाव व्यवस्था सुधारने के साथ एक्सपायर इंजेक्शन मिलने पर ओटी असिस्टेंट को लताड़ लगाई। टीबी विभाग में आईसीटीसी कार्यक्रम की पूर्व में संचालित यूनिट के रखे फ्रिज में एक्सपायर दवा मिलने पर नाराजगी जताई। पैथोलॉजी में मौजूद एलटी माइक्रो स्कोप नहीं चला सके। लेबर वार्ड में प्रसूताओं ने दोपहर का खाना न मिलने की बात बताई। उन्होंने सीएचसी में वाटर कूलर के साथ आरओ मशीन लगवाने के निर्देश दिये। इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ. पंकज वर्मा, डॉ. शैलेन्द्र अस्थाना, डॉ. अनुज सिंह, फार्मासिस्ट महेश साहू आदि मौजूद रहे।

ई-रिक्शा चार्जिंग के दौरान शॉर्टसर्किट से घर में लगी आग

- गृहस्थी का पूरा सामान जलकर हुआ राख

हसनगंज-उन्नाव, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के हसनापुर गांव में मंगलवार को ई-रिक्शा चार्जिंग के दौरान हुए शॉर्ट सर्किट ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, जिससे गरीब परिवार की पूरी गृहस्थी जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि घर में मौजूद बच्चे समय रहते बाहर निकल आए। हसनापुर निवासी सुखदेव मौर्या पुत्र कल्लू अपने खेत पर गेहूं की फसल देखने गए थे। घर पर उनके दो बच्चे थे। घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा चार्ज हो रहा था, तभी अचानक शॉर्ट सर्किट से उसमें आग लग गई। आग की लपटों ने पास ही रखे तिरपाल और छप्पर को अपनी चपेट में ले लिया। जिस समय आग लगी, घर के अंदर सुखदेव का बेटा और छोटी बेटी मौजूद थे। धुआं और लपटें देख दोनों बच्चे सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत घर से बाहर भाग निकले। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक घर के अंदर रखा सारा सामान जल चुका था। पीड़ित सुखदेव मौर्या ने बताया कि आग की इस घटना में 17 हजार रुपये नकद, बिस्तर, कपड़े, घरेलू बर्तन और घर में रखा लगभग 5 क्विंटल अनाज जलकर नष्ट हो गया है। सुखदेव की पत्नी दो दिन पहले ही मायके गई थीं, और घर की जमा पूंजी स्वाहा होने से परिवार अब खुले आसमान के नीचे आ गया है। एसडीएम प्रज्ञा पांडे ने बताया मामला संज्ञान में है। नुकसान के आकलन के लिए लेखपाल को मौके पर भेजा जा रहा है।

गायत्री शक्तिपीठ में गूंजा सुंदरकांड

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

गायत्री शक्तिपीठ में सुंदरकांड का पाठ करते श्रद्धालु। • अमृत विचार

- बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर यज्ञ में लिया भाग

अमृत विचार: शहर के गायत्री शक्तिपीठ में मंगलवार को काल गायत्री जप के साथ शुरू हुए अनुष्ठान में सुंदरकांड पाठ व गायत्री यज्ञ का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागीदारी की। सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ अजय शुक्ला की टोली द्वारा भक्तिमय भजनों के साथ किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि श्रद्धा, भक्ति व सेवा के मार्ग पर चलकर सुग्रीव के सेवक ने राम का आश्रय पाया और वे हनुमान बने। कहा कि आत्मविश्वास व ईश्वर पर अटूट विश्वास के बल पर ही हनुमान जी ने असंभव को संभव कर दिखाया। उन्होंने सुंदरकांड की महिमा बताते हुए कहा कि सुंदरकांड रामचरित मानस का दिल है और इसकी हर चौपाई एक सिद्ध मंत्र है। शक्तिपीठ प्रबंधन ने बताया कि यहां हर मंगलवार को सुंदरकांड का सामूहिक पाठ और यज्ञ होता है। जिससे वातावरण में सकारात्मकता ऊर्जा बनी रहती है। इसमें अजय शुक्ला, जगदेव शर्मा, ईश्वरानंद बाजपेई, कन्हैया, गौरव, तिलक श्रीवास्तव, अशोक राय, अशोक दीक्षित, रघुनाथ त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

चालक को आई झपकी, डंपर ग्रिल तोड़ दूसरी लेन में पलटा

संवाददाता नवाबगंज

- हादसे के बाद कानपुर जाने वाले मार्ग पर घंटों जाम लगा रहा

अमृत विचार: कानपुर-लखनऊ हाईवे पर मंगलवार तड़के सड़क हादसा होते बचा। विकासखंड मुख्यालय के सामने एक तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर डिवाइडर की ग्रिल तोड़ते हुए दूसरी लेन में पलट गया। हादसे के कारण कानपुर जाने वाले मार्ग पर घंटों जाम लगा रहा।

हादसा अजगैन कोतवाली अंतर्गत हुआ। जिसमें डंपर चालक जीत कुमार (निवासी घाटमपुर) कबरई से गिट्टी लादकर मोहनलालगंज जा रहा था। उसने पुलिस को बताया कि लगातार वाहन चलाने से उसे नींद आ गई और झपकी लगते ही वाहन से नियंत्रण खो गया। डंपर बीच की ग्रिल को तोड़ते हुए दूसरी लेन पर जाकर पलट गया। घटना की सूचना पर अजगैन पुलिस सक्रिय हो गई और चौकी इंचार्ज मुकुल दुबे व सिपाही अनूप मौके पर पहुंचे। डंपर से गिरी गिट्टी सड़क पर फैल गई थी जिसे हटाने के लिए क्रेन व ट्रैक्टरों की मदद ली गई। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कानपुर जाने वाला यातायात ठप रहा और वाहन सर्विस लेन पर रेंगते रहे।

डॉक्टरों की देरी से ओपीडी प्रभावित

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

पीएचसी में बंद पड़ा डॉक्टर का कक्ष, लगी मरीजों की लाइन।

- सुबह से पर्चा बनवाकर बैठे गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीज घंटों इंतजार के बाद बैरंग लौटे

अमृत विचार: राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मंगलवार को ओपीडी व्यवस्था उस समय चरमरा गई, जब सुबह दस बजे से पर्चा बनवाकर बैठे मरीजों को घंटों तक डॉक्टर का इंतजार करना पड़ा। सुबह से ही बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल पहुंच गए थे, लेकिन समय पर डॉक्टर न पहुंचने से अव्यवस्था की स्थिति बन गई। कई मरीज बिना उपचार कराए ही वापस लौट गए।

न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में वर्तमान में तीन डॉक्टर तैनात हैं, जिनमें पीएचसी प्रभारी डॉ. राजेश चंद्रा, डॉ. रश्मि वर्मा और डॉ. अक्षय कुमार शामिल हैं। मंगलवार को डॉ. रश्मि वर्मा प्रशिक्षण के लिए बाहर गई हुई थीं, जबकि डॉ. अक्षय कुमार अवकाश पर थे। ऐसे में मरीजों को प्रभारी डॉक्टर से ही उम्मीद थी, लेकिन वह भी निर्धारित समय पर अस्पताल नहीं पहुंचे। सुबह करीब दस बजे से ही डॉक्टर के कक्ष के बाहर मरीजों की लंबी कतार लग गई। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ी। डॉक्टर की अनुपस्थिति के चलते अस्पताल परिसर में भीड़ बढ़ती गई और व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई। करीब 11:30 बजे प्रभारी डॉक्टर डॉ. राजेश चंद्रा अस्पताल पहुंचे और ओपीडी शुरू की। इसके बाद उन्होंने 193 मरीजों का परीक्षण कर दवाएं दीं।

तैयारी | उप जिलाधिकारी और सीओ ने घाटों का किया निरीक्षण

कटान से क्षतिग्रस्त घाटों पर स्नान रोकने को तैनात रहेगा फोर्स

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: गंगा का जलस्तर घटने के बाद मिश्रा कॉलोनी से रेलवे पुल के आगे तक तेजी से कटान हो रहा है। मकर संक्रांति पर्व पर होने वाले गंगा स्नान को देखते हुए मंगलवार को कोतवाली प्रभारी अजय सिंह ने सभी घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कटान प्रभावित घाटों पर स्नान पूरी तरह प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि कटान वाले घाटों पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए फोर्स तैनात रहेगा। वहीं शाम को एसडीएम व सीओ ने घाटों का निरीक्षण किया।

बीते कई दशकों से मिश्रा कॉलोनी स्थित गंगाविशुन घाट, शिवबाबा घाट, महेश पंडा, कमल पंडा, रेवती पंडा, शिव घाट, संतोष घाट, गया प्रसाद घाट, मटरु, संतू, मोनू पंडा घाट, पुराने यातायात पुल के नीचे व रेलवे पुल के नीचे श्रद्धालु स्नान करते थे। लेकिन इस बार गंगा में कटान के चलते ये घाट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जिससे स्नान के दौरान दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने इन घाटों पर स्नान पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। कोतवाली प्रभारी ने कटान क्षेत्र के पंडों को निर्देशित किया कि यदि कोई स्नानार्थी इन घाटों की ओर आता है तो उसे स्नान से रोककर सुरक्षित व निर्धारित घाटों की ओर भेजें। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कटान प्रभावित क्षेत्रों में 60 सिपाही, 10 महिला सिपाही, 8 दरोगा सहित गंगाघाट कोतवाली पुलिस तैनात रहेगी। ताकि मकर संक्रांति के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो सके।

एसडीएम व सीओ सिटी ने घाटों का किया निरीक्षण

शुक्लागंज : मकर संक्रांति स्नान को लेकर मंगलवार शाम एसडीएम क्षितिज द्विवेदी व सीओ सिटी दीपक यादव ने नगर के सभी गंगाघाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं को केवल सुरक्षित घोषित घाटों पर ही स्नान की अनुमति होगी। जिन घाटों पर कटान या अन्य कारणों से स्नान प्रतिबंधित किया गया है वहां किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

घाटों का निरीक्षण करते एसडीएम और सीओ।

भाजपा नेता की मौत पर मंत्री समेत अन्य ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

उन्नाव, अमृत विचार : दही थानांतर्गत गांव मुर्तजानगर निवासी भाजपा नेता हैप्पी की बीती सोमवार सुबह थानाक्षेत्र के लालाखेड़ा के पास सड़क हादसे में हुई मौत में पोस्ट मार्टम के बाद जैसे ही शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। भाजपा नेता की मौत की खबर पर कई भाजपा नेता उनके घर पहुंचे। इसमें जिले की प्रभारी व प्रदेश संगठन मंत्री अर्चना मिश्रा, सांसद साक्षी महाराज, जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि भानू मिश्रा के अलावा सपा के पूर्व विधायक उदयराज यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख राजकुमार रावत आदि ने भी पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और परिजनों को सांत्वना दी। वहीं मंगलवार को परिजनों ने जाजमऊ गंगा घाट पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

लोहड़ी का पर्व मनाते एमडीएसएम इंटर कॉलेज के बच्चे। • अमृत विचार

कॉलेज में धूमधाम से मना लोहड़ी पर्व

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : कंचन नगर स्थित महर्षि दयानन्द सरस्वती मिशन इंटर कॉलेज में मंगलवार को लोहड़ी पर्व हर्षोल्लास के साथ मना। इसमें पीजी व एलकेजी के छात्र-छात्राओं ने जलती हुई लोहड़ी के चारों ओर परिक्रमा कर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किये, जिससे वातावरण उल्लासपूर्ण हो गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक प्रभात शुक्ल ने लोहड़ी पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसकी सांस्कृतिक व सामाजिक परंपराओं की जानकारी दी। सह-प्रबंधक विराट शुक्ल व सुषमा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न कराया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

जब मैं कहता हूं कि आप देवी या देवता हैं, तो मेरा मतलब है कि आप में अनंत संभावनाएं हैं, आपकी क्षमताएं अनंत हैं।
-ओशो, दार्शनिक

विफलता और प्रश्न

पीएसएलवी-सी 62 मिशन मई 2025 में प्रक्षेपित पीएसएलवी-सी 61 मिशन की तरह ही असफल हो गया। इसरो की विगत उपलब्धियों और पीएसएलवी की 90 फीसद से ज्यादा सफलता के मद्देनजर शक नहीं कि इसरो अपनी गलती सुधार कर भविष्य में ऐसे मिशन में कामयाब रहेगा। 64 प्रक्षेपणों में पांच विफलताएं बुरा प्रदर्शन नहीं। पीएसएलवी ने ही चंद्रयान-1 और आदित्य-एल 1 सौर वेधशाला जैसे मिशनों को प्रक्षेपित किया था। पर इस मिशन की नाकामी ने इसरो की प्रतिष्ठा, पीएसएलवी की क्षमताओं पर सवाल खड़ा किया है। अंतरिक्ष बाजार में तेजी से उभरते भारत की गति प्रगति को तात्कालिक तौर पर ही सही, झटका तो लगा है। इस विफलता के वित्तीय परिणाम शोचनीय हैं। प्रतिस्पर्धी वैश्विक प्रक्षेपण बाजार में इसरो पीएसएलवी को एक वाणिज्यिक उत्पाद के तौर पर प्रस्तुत करता है। यह ईओएस-ए 1 प्रेक्षण उपग्रह अन्वेषा के साथ सात देशों के स्टार्टअप्स के अलावा शैक्षणिक संस्थानों की ओर से विकसित 15 अन्य पेलोड लेकर जा रहा था, सभी नष्ट हो गए। स्वदेशी संस्थाओं की बात दीगर है, लेकिन विदेशी संस्थाओं का भरोसा इस दोहरी असफलता से किंचित डिगेगा। ऐसे में अंतरिक्ष बाजार की अंतर्राष्ट्रीय बीमा कंपनियां पीएसएलवी के जोखिम का आकलन कर प्रीमियम बहुत ज्यादा बढ़ाएंगी, इसरो का प्रक्षेपण किफायती नहीं रहेगा। चार चरणों वाले रॉकेट पीएसएलवी-सी 62 पहले और दूसरे चरण में सामान्य रहा। तीसरे चरण के दौरान रॉकेट नियत प्रक्षेप पथ से हट गया। वह असामान्य रूप से घूमने लगा, जिसे "रोल रेट डिस्टर्बेंस" कहते हैं, इसके बाद वह अपेक्षित मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सका। संभवतः सी 61 मिशन के तीसरे चरण की तरह उसने भी 'चैंबर प्रेशर' खो दिया। नोजल या केसिंग प्रणाली में किसी संरचनात्मक या सामग्री संबंधी विफलता भी इसकी वजह हो सकती है। नाकामी का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, जांच जारी है।

पिछले साल की विफलता की वजहें सार्वजनिक नहीं की गईं, फेल्योर एनालिसिस कमिटी की रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय में रखा रह गया। संभवतः रक्षा सुरक्षा मामलों को लेकर गोपनीयता बरती गई हो, ऐसे में इस बार भी उम्मीद कम ही है कि गलतियों की रिपोर्ट सामने आए। कुछ बरसों से नाकामी के विश्लेषण वाली रिपोर्टों को सार्वजनिक करना बंद है। रिपोर्ट सार्वजनिक होती तो पता चलता कि क्या कमियां थीं, उन्हें ठीक करने के लिए क्या किया गया? इस बार बस भरोसा दिलाया गया कि तीसरे चरण के डिजाइन को सुदृढ़ किया गया है, लेकिन नाकामी ही हाथ आई। करदाता जनता और वाणिज्यिक हितधारकों को यह जानने का पूरा हक है कि 2025 में क्या गलत हुआ था? क्या 2026 में भी ऐसी ही गलती दोहराई गई और तीसरा चरण फिर से क्यों प्रभावित हुआ? निजी उद्योगों के लिए अंतरिक्ष निर्माण क्षेत्र खोलने की भारत की पहल पर भी प्रश्न है। ये कभी-कभार होने वाली गड़बड़ियां नहीं है। फिलहाल, इसरो के लिए भरोसा फिर से कायम करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले नियमों एवं प्रक्रियाओं को दोबारा बनाने का मुश्किल काम शुरू कर देना चाहिए, जिसका सबसे अच्छा तरीका तो यही होगा कि अंतरिक्ष विभाग सी 61 मिशन की "फेलियर एनालिसिस कमेटी" द्वारा दी गई रिपोर्ट को जारी करे, जिससे विफलता का सटीक कारण जानकर सबक लिया जा सके।

प्रसंगवश

मोटे अनाजों की खेती में बुंदेलखंड क्यों पिछड़ा

बुंदेलखंड की जलवायु, मिट्टी और पृष्ठभूमि मोटे अनाजों या जिन्हें हम मिलेट्स भी कहते हैं, के अनुकूल थी, लेकिन यह विचारणीय तथ्य है कि बुंदेलखंड से मोटे अनाजों की खेती क्यों गायब सी हो गई है? सरसरी तौर पर देखें तो यह खाद्य सुरक्षा के लिए किए गए सरकारी प्रयासों और हरित क्रांति के परिणामों का एक दुष्प्रभाव-सा दिखता है, परंतु इसके पीछे अनेक महत्वपूर्ण कारण छुपे हुए हैं, जो हमारी सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से जुड़े हुए हैं। ऐतिहासिक तौर पर हमारी सभ्यता मोटे अनाजों विशेषकर बाजरा, ज्वार, कोदो, रागी, काकुन, कनकी, मक्का पर निर्भर थीं, क्योंकि इन्हें आसानी से उगाया जा सकता था। ये न सिर्फ पौष्टिक थे, बल्कि शुष्क जलवायु के लिए उपयुक्त भी थे, जिसमें सिंचाई या ज्यादा शारीरिक श्रम की आवश्यकता नहीं पड़ती थी, परंतु उत्पादन कम होने के कारण यह बढ़ती जनसंख्या को खिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। इस समस्या के निवारण हेतु 1960 के दशक में शुरू हुई हरित क्रांति का उद्देश्य

अविनाश झा

डीएफएमओ, चित्रकूट

वैश्विक स्तर पर खाद्य उत्पादन को बढ़ाकर लोगों की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना था, जिसके लिए इसमें चावल और गेहूं जैसी अधिक उपज और अधिक कैलोरी प्रदान करने वाली फसलों को प्राथमिकता दी गई। स्वाभाविक रूप से सरकारों और वैज्ञानिकों ने इन अनाजों की किस्में विकसित करने में भारी निवेश किया। उन्होंने उत्पादन बढ़ाने के लिए सब्सिडी, सिंचाई सुविधाएं और रासायनिक उर्वरक उपलब्ध कराए। उन्नत बीजों की अनुपलब्धता और अनुसंधान व विकास में निवेश की कमी के कारण मोटे अनाजों की उत्पादकता कम बनी रही। स्वाभाविक रूप से इससे इनकी खेती में धीरे-धीरे गिरावट आ गई। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1983 से वर्ष 2011 के बीच भारत मंर शहरी और ग्रामीण दोनों ही परिवारों में मोटे अनाज की खपत में भारी कमी आई।

शहरीकरण, खान पान में बदलाव और आधुनिक जीवनशैली से भी मोटे अनाजों के उपभोग में कमी आई। परिष्कृत गेहूं और पॉलिश किए हुए चावल हमारे मुख्य भोजन बन गए। गेहूं और चावल को 'बेहतर' या उच्च सामाजिक स्थिति वाला अनाज माना जाने लगा, जबकि मोटे अनाजों को 'गरीबों का भोजन' समझकर उपेक्षा की जाने लगी। भारत में वर्ष 1961 और वर्ष 2011 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में कुल अनाजों में मोटे अनाजों का अनुपात 35 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गया और शहरी क्षेत्रों में यह 17 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत हो गया। मोटे अनाजों की कम उत्पादकता ने भी इसकी खेती पर असर डाला है। भारत में वर्ष 1961 और वर्ष 2011 के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में कुल अनाजों में मोटे अनाजों का अनुपात 35 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हो गया और शहरी क्षेत्रों में यह 17 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत हो गया। मोटे अनाजों की कम उत्पादकता ने भी इसकी खेती पर असर डाला है। बुंदेलखंड के दृष्टि से देखें, तो मोटे अनाजों की खेती निरंतर कम होते रहने के पीछे यहां की अन्ना प्रथा को एक महत्वपूर्ण कारण माना जाता रहा है, लेकिन मोटे अनाजों की खेती के प्रति अरुचि का सबसे बड़ा कारण बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था का अभाव, जागरूकता, नई तकनीकों के उपयोग में कमी, मंडी में खपत, प्रोसेसिंग व्यवस्था का अभाव है। जाहिर तौर पर कोई भी किसान अब सिर्फ खाने के लिए खेती नहीं करता है, बल्कि यह उसकी आजीविका का साधन है। हाल के दिनों में एफ पीओ/ एफपीसी के माध्यम से बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था, प्रोसेसिंग युनिटों की स्थापना, मिलेट्स महोत्सव के जरिए जागरूकता और जानकारी बढ़ाना, किसानों को बाजार से सीधे जोड़ने के प्रयासों से मोटे अनाजों की खेती के प्रति रुचि बढ़ी है। आशा है कि इससे निकट भविष्य में बुंदेलखंड फिर से अपनी पुरानी पहचान पाने में सफल होगा।

नाटो के अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट के बादल

दिग्विजय सिंह

कानपुर

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसकी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके देश में घुसकर गिरफ्तार किए जाने के बाद से ही ट्रंप अपनों के साथ ही विरोधियों के भी निशाने पर हैं, लेकिन ग्रीनलैंड पर कब्जे और कोलंबिया, क्यूबा, मैक्सिको जैसे देशों पर हमले की धमकी अब उनके मित्र देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भी रास नहीं आ रही है। ग्रीन लैंड को अमेरिका में मिलाने की बार-बार धमकी के बाद फ्रांस, ब्रिटेन जैसे देशों के राष्ट्र प्रमुखों ने गंभीर परिणाम भुगतने की न सिर्फ चेतावनी दी है, बल्कि इशारे में यह भी बता दिया है कि नाटो का अस्तित्व इससे मिट जाएगा।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाटो की स्थापना 1949 में हुई थी। शुरुआती दौर में इस संगठन में अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और फ्रांस शामिल थे। इसका मूल उद्देश्य संगठन के किसी भी देश पर हमले की स्थिति में सदस्य देश मदद को आगे आएंगे और आक्रमण करने वाले देश के विरुद्ध मिलकर लड़ेंगे। दुनिया के सबसे बड़े इस सैन्य संगठन से लोहा लेने की स्थिति में फिलहाल कोई गैर-नाटो देश नहीं है, लेकिन मादुरो की गिफ्तारी के बाद पूरी दुनिया में भूचाल आ गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव ने भी इस घटना को लेकर गंभीर टिप्पणी की और अमेरिका को चेताया।

रूस, चीन जैसे देशों ने ट्रंप से मादुरो को तत्काल छोड़ने की मांग की, लेकिन अमेरिका के मित्र राष्ट्रों ने बयान देने में संयम बरता। अब वे भी ट्रंप के विरुद्ध दिख रहे हैं। इसकी वजह ट्रंप का आक्रामक रवैया है। ट्रंप लगातार कह रहे हैं कि वे डेनमार्क के नियंत्रण वाले ग्रीन लैंड को अमेरिका में मिलाना चाहते हैं, क्योंकि वहां आसपास रूस, चीन जैसे विरोधी देशों की सेनाएं हैं। पिछले दिनों एयर फोर्स वन में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से ग्रीनलैंड चाहिए। हम 20 दिन में इस पर बात करेंगे। उनके इस बायान पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने सख्त रुख अपनाया और साफ कर दिया कि अमेरिका ने ऐसा किया तो यह नाटो के अंत की शुरुआत होगी।

नॉर्डिक देशों के साथ ही ब्रिटेन डेनमार्क और ग्रीनलैंड के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करके ट्रंप को यह बता दिया कि उन्हें अब अपने बयान वापस लेने चाहिए। ग्रीनलैंड भले ही काफी हद तक स्वायत्त है, लेकिन अभी वह डेनमार्क का हिस्सा है। ऐसे में अगर अमेरिका वहां सैन्य कार्रवाई करता है, तो फिर यह संगठन में फूट की शुरुआत होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने डोनाल्ड ट्रंप को चेताते हुए कहा है कि ग्रीनलैंड वहां के लोगों का है और इसके भविष्य का फैसला सिर्फ डेनमार्क और ग्रीनलैंड ही करेंगे। हालांकि इन चेतावनियों का फर्क ट्रंप पर होता नहीं दिख रहा है।

नाटो के रक्षा बजट में अमेरिका का योगदान करीब 16 फीसदी है। अमेरिका के सांसद ही नाटो से अमेरिका के अलग होने की मांग कर रहे हैं। हालांकि ट्रंप सामरिक दृष्ट से कभी नहीं चाहेंगे कि नाटो से अमेरिका अलग हो, लेकिन उनकी बढ़ती महत्वाकांक्षा इस संगठन को मटियामेट कर सकती है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप वेनेजुएला की नई राष्ट्रपति को भी लगातार धमकी दे रहे हैं। माना जा रहा है कि वहां के तेल भंडार और व अन्य खनिजों पर अधिकार प्राप्त करने के लिए अमेरिका फिर हमले करेगा और वहां के लोगों को चैन से जीने नहीं देगा।

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद कोलंबिया पर भी अमेरिकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। वहां के राष्ट्रपति गुस्तावों पेट्रो को ट्रंप का विरोधी माना जाता है। ट्रंप की कोशिश वहां समर्थक सरकार लाने की है ताकि वहां के संसाधन अमेरिका के काम आ सकें। इसीलिए वे पेट्रो को लगातार धमकियां दे रहे हैं। वेनेजुएला पर कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति पेट्रो ने डोनॉल्ड ट्रंप को सीधी चुनौती दी है और कहा है कि आओ मुझे पकड़ लो, मैं यहीं इंतजार कर रहा हूं। कोलंबिया से अमेरिका में ड्रग्स आ रही है यह आरोप ट्रंप का है। उन्होंने कहा है कि कोलंबिया को एक बीमार आदमी चला रहा है, जो अमेरिका में कोकीन बेचता है। इस बयान के बाद के बाद अब हमले की आशंका और गहरा गई है।

मादुरो ने भी ट्रंप को गिरफ्तारी की चुनौती दी थी। परिणाम यह रहा कि अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई की और उन्हें गिरफ्तार किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने मेक्सिको को भी चेतावनी दी है। उनका आरोप मेक्सिको पर अमेरिका में ड्रग्स भेजने का है। उन्होंने कहा है कि मेक्सिको को अपनी हालत सुधारनी होगी, क्योंकि ड्रग्स मेक्सिको के रास्ते अमेरिका में आ रहा है। इसे रोकने के लिए हमें कुछ करना होगा। उनके इस बयान के बाद मेक्सिको के लोग डरे हुए हैं। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने ट्रंप के गुस्से को शांत करने की कोशिश की है और कहा है कि "मुझे हमले की संभावना पर विश्वास नहीं है, मुझे तो यह भी विश्वास नहीं है कि वे इसे गंभीरता से ले रहे हैं। शिनबाम ने ट्रंप को सुझाव देते हुए कहा है कि विदेशी सैन्य हस्तक्षेप से संगठित अपराध का समाधान नहीं होता"। हालांकि ट्रंप कब क्या करेंगे कह पाना कठिन है। यही वजह है कि पूरी दुनिया की नजर ट्रंप के अगले कदम पर है।

माना जा रहा है कि अगर ट्रंप अब किसी अन्य देश पर कार्रवाई करते हैं, तो चीन का हौसला भी बढ़ेगा और भी ताइवान पर हमला करके उसे अपने में मिलाने की कोशिश करेगा। चीन ने यह देख लिया कि मादुरो के मामले में संयुक्त राष्ट्र संघ ने निंदा के अलावा कुछ नहीं किया।

> रूस, चीन जैसे देशों ने ट्रंप से मादुरो को तत्काल छोड़ने की मांग की, लेकिन अमेरिका के मित्र राष्ट्रों ने बयान देने में संयम बरता। अब वे भी ट्रंप के विरुद्ध दिख रहे हैं। इसकी वजह ट्रंप का आक्रामक रवैया है।

आमने

चुनाव शुरू होने के बाद से, मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया है कि क्या-क्या गलत काम हुए हैं। पिंपरी-चिंचवाड़ इतना समृद्ध निगम था, फिर भी उन्हें बॉन्ड जारी करने पड़े। विभिन्न विभागों में लगभग 4,000 करोड़ रुपये के बिल लंबित हैं और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। मैंने इसके उदाहरण दिए हैं।

- अजीत पवार, एनसीपी प्रमुख

सामने

मैं अपने वचन का पक्का हूं। इसीलिए, जब यह तय हुआ कि पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ में हम एनसीपी के साथ गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ेंगे, तो हमने यह भी कहा था कि यह एक सौहार्दपूर्ण मुकाबला होगा और हम एक-दूसरे पर कोई व्यक्तिगत हमला नहीं करेंगे। हमने अंत तक उस प्रतिबद्धता का पालन किया, लेकिन अजीत पवार ने नहीं किया। उन्होंने ऐसा क्यों किया, यह मुझे नहीं पता।

- देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री महाराष्ट्र

भारत को स्पेस सुपरपावर बनाता प्राइवेट सेक्टर

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सोमवार को पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) मिशन में एक निजी क्षेत्र की भागीदारी रही। पहली बार, हैदराबाद की निजी कंपनी ध्रुवा स्पेस ने सात सैटेलाइट प्रदान किए, जो इसरो के मिशन का हिस्सा बने। इस ताजा मिशन में निजी क्षेत्र की भागेदारी से साफ है कि भारत के अंतरिक्ष इकोसिस्टम में निजी कंपनियों का योगदान रहने वाला है। निजी क्षेत्र को फंडिंग, रेगुलेटरी सपोर्ट और तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत है। इसरो के साथ साझेदारी से ये दूर हो सकती हैं। निजी क्षेत्र की भूमिका कितनी अहम है?

इसरो के मिशनों में निजी कंपनियां अब सैटेलाइट निर्माण, लॉन्च व्हीकल विकास और डेटा सेवाओं में सक्रिय हैं। ध्रुवा स्पेस के सात सैटेलाइट्स पीएसएलवी मिशन में शामिल होने से पता चलता है कि निजी क्षेत्र सस्ते, नवीन समाधान प्रदान कर रहा है। इससे लॉन्च क्षमता बढ़ रही है और लागत कम हो रही है। पहले इसरो अकेले ही सब कुछ संभालता था, लेकिन अब 300 से अधिक स्टार्टअप्स इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। कंपनियां जैसे स्काईरूट एयरोस्पेस, सेलेस्टियल एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमोस और पिक्सेल स्पेस सैटेलाइट लॉन्च और अर्थ ऑब्जर्वेशन में योगदान दे रही हैं। निजी क्षेत्र की भागीदारी से इसरो को बड़े मिशनों पर फोकस करने का मौका मिलता है, जबकि छोटे कार्य निजी कंपनियां संभालती हैं।

इस संदर्भ में, गुरुग्राम के युवा वैज्ञानिकों का एक समूह विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इनमें से कई आईआईटी के छात्र हैं और टीम का नेतृत्व युवा वैज्ञानिक श्रेयांस जैन कर रहे हैं। उनकी कंपनी, सेलेस्टियल एयरोस्पेस, एक क्रांतिकारी बैलून-सहायता प्राप्त रॉकेट लॉन्च सिस्टम विकसित कर रही है। इस तकनीक में एक बड़ा बैलून रॉकेट को ऊपरी वायुमंडल तक ले जाता है, जहां हवा पतली होती है और प्रतिरोध कम। वहां से रॉकेट प्रज्वलित होता है, जिससे ईंधन की बचत होती है और पेलोड क्षमता 2-3 गुना बढ़ जाती है। श्रेयांस बताते हैं, "जमीन से लॉन्च करने में घनी हवा और गुरुत्वाकर्षण से लड़ना पड़ता है, जिससे ईंधन बर्बाद होता है। हमारा तरीका कुशल है और लागत कम करता है।" उनकी टीम हाई-प्रेशर इन्फ्लेटेबल संरचनाओं पर काम कर रही है, जो गर्म गैसों से संचालित होती हैं। भविष्य में न्यूक्लियर प्रोपल्शन जैसी उन्नत तकनीकें जोड़ी जा सकती हैं, जो ग्रहों के बीच तेज यात्रा सक्षम करेंगी।

यह नवाचार इसरो के मिशनों से सीधे जुड़ा है। इसरो के पीएसएलवी मिशन में निजी क्षेत्र की भागीदारी दिखाती है कि कैसे युवा उद्यमी राष्ट्रीय प्रयासों को मजबूत कर रहे हैं। कई महीनों के अकेले शोध के बाद, श्रेयांस ने आईआईटी ग्रेजुएट्स और युवा वैज्ञानिकों की टीम बनाई। अब वे विंड टनल टेस्ट और छोटे प्रयोग कर रहे हैं, लक्ष्य 2026 के अंत तक प्रोटोटाइप लॉन्च करना है। टीम ने भारत और विदेश में पेटेंट फाइल किए हैं, और अंतिम लक्ष्य ऑर्बिटल लॉन्च है। निजी क्षेत्र अंतरिक्ष मिशनों में बड़ी भूमिका निभा रहा है, जो भारत के सपनों के लिए अनिवार्य है।

यह भूमिका भारत के लिए कितनी जरूरी है? भारत की स्पेस इकोनॉमी वर्तमान में लगभग 9 बिलियन डॉलर की है, जो वैश्विक बाजार का 2-3% है। सरकार का लक्ष्य 2033 तक इसे 44 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। निजी क्षेत्र इस लक्ष्य की कुंजी है। 2020 से शुरू हुए सुधारों ने इसे संभव बनाया है। इंडियन स्पेस पॉलिसी 2023, आईएन-स्पेस (इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथोराइजेशन सेंटर) का गठन और 100% एफडीआई की अनुमति ने निजी कंपनियों को प्रोत्साहित किया है। इससे स्वदेशी तकनीक विकसित हो रही है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण है। कृषि, आपदा प्रबंधन, टेलीकॉम और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में स्पेस टेक्नोलॉजी की मदद से समाज का विकास हो रहा है। उदाहरण के लिए, अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट्स फसल पूर्वानुमान और बाढ़ चेतावनी में उपयोगी हैं।

निजी क्षेत्र की भागीदारी रोजगार सृजन भी कर रही है। युवा वैज्ञानिक जैसे श्रेयांस जैन की टीम आईआईटी छात्रों को अवसर दे रही है, जो अन्यथा विदेश जा सकते थे। इससे ब्रेन ड्रेन रुकता है और स्थानीय नवाचार बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर, भारत को लॉन्च प्रदाता के रूप में स्थापित करने में निजी क्षेत्र मदद कर रहा है। स्पेसएक्स जैसी कंपनियों की तरह, भारतीय स्टार्टअप्स सस्ते लॉन्च प्रदान कर सकते हैं, जो विकासशील देशों के लिए आकर्षक है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जित होती है और भारत की सॉफ्ट पावर बढ़ती है। सेलेस्टियल एयरोस्पेस जैसी कंपनियां बड़े बदलाव ला सकती हैं। सेलेस्टियल एयरोस्पेस की बैलून तकनीक ईंधन बचत से पर्यावरण अनुकूल भी है, जो सस्टेनेबल स्पेस एक्सप्लोरेशन की दिशा में कदम है। भविष्य में, निजी क्षेत्र मंगल मिशन या स्पेस टूरिज्म में योगदान दे सकता है।

बेशक, इसरो के मिशनों में निजी क्षेत्र की भूमिका न केवल अहम है, बल्कि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए अनिवार्य है। श्रेयांस जैन जैसे युवा इनोवेटर्स इस परिवर्तन के प्रतीक हैं। उनकी सेलेस्टियल एयरोस्पेस कंपनी पीएसएलवी जैसे मिशनों से प्रेरित होकर नई ऊंचाइयां छू रही है। निजी क्षेत्र से नवाचार, लागत कमी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जो भारत को स्पेस सुपरपावर बनाएगा। यह आत्मनिर्भरता, आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण की कुंजी है। जैसे-जैसे स्टार्टअप्स बढ़ेंगे, भारत का अंतरिक्ष भविष्य और उज्ज्वल होगा।

> गुरुग्राम के युवा वैज्ञानिकों का एक समूह विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इनमें से कई आईआईटी के छात्र हैं और टीम का नेतृत्व युवा वैज्ञानिक श्रेयांस जैन कर रहे हैं। उनकी कंपनी, एक क्रांतिकारी बैलून-सहायता प्राप्त रॉकेट लॉन्च सिस्टम विकसित कर रही है।

सोशल फोरम

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और नाटो की वास्तविक प्रकृति

आज जब अमेरिका ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहता है, जो एक नाटो सदस्य देश का अंग है, तो ऐसी एक घटना पर ध्यान देना चाहिए, जो भारत से जुड़ी है। 1961 में जब भारत ने गोवा,

प्रवीण झा

लेखक

दमन और दीव पर सैन्य कार्रवाई कर उन्हें पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया, उस समय पुर्तगाल नाटो (NATO) का सदस्य था। इसके बावजूद नाटो ने भारत के विरुद्ध कोई सामूहिक सैन्य कार्रवाई नहीं की। यह तथ्य अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की जटिलताओं और नाटो की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता है। सबसे पहला कारण यह था कि नाटो एक सामूहिक रक्षा संगठन है, आक्रामक युद्धों में हस्तक्षेप करने वाला वैश्विक पुलिस बल नहीं। नाटो की संधि का अनुच्छेद-5 तभी लागू होता है, जब किसी सदस्य देश पर उसके अपने क्षेत्र में सशस्त्र हमला हो। गोवा उस समय यूरोप में स्थित पुर्तगाल का हिस्सा नहीं था, बल्कि एक उपनिवेश था। कई नाटो देशों की नजर में उपनिवेशों की रक्षा को अनुच्छेद-5 के अंतर्गत लाना कानूनी रूप से स्पष्ट नहीं था।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण था औपनिवेशिक व्यवस्था का पतन। 1960 के दशक तक विश्व समुदाय में उपनिवेशवाद के विरुद्ध माहौल बन चुका था। भारत की कार्रवाई को कई देशों ने औपनिवेशिक शासन के अंत के रूप में देखा, न कि एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण के रूप में। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे नाटो के प्रभावशाली सदस्य भारत को शीत युद्ध के संदर्भ में पूरी तरह विरोधी खेमे में धकेलना नहीं चाहते थे।

तीसरा कारण था रणनीतिक यथार्थवाद। भारत एक बड़ा, स्थिर और क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण देश था। गोवा के लिए भारत से युद्ध करना न तो व्यावहारिक था और न ही नाटो के दीर्घकालिक हितों में।

इस प्रकार, कानूनी सीमाओं, बदलते वैश्विक नैतिक दृष्टिकोण और रणनीतिक हितों के कारण नाटो ने पुर्तगाल का साथ देकर युद्ध में उतरने से परहेज किया। यह घटना दिखाती है कि अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन भी हमेशा अपने घोषित सिद्धांतों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों और हितों से संचालित होते हैं।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

सावधान, रात में सड़कें पुरुषों के लिए आरक्षित हैं

दिन में जितना महिलाओं के लिए व्यवस्था को आरक्षित किया गया, उतनी ही रातें महिलाओं के लिए भयावह, असुरक्षित, सीमाबद्ध और खोल में सिमटाव लिए है, क्योंकि रात में सड़कें पुरुष वर्ग के लिए जो आरक्षित हैं। महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन के कपाट केवल दिन दोपहरी ही खुलते हैं। रात की कालिमा में जाने किस पुरुष पर उसकी मूल जंतु प्रकृति हावी हो जाए कहा नहीं जा सकता। उत्तराखंड में ऋषिकेश के वंतारा रिजॉर्ट में अंकिता भंडारी हत्याकांड हो अथवा उन्नाव बलात्कार या निर्भया का दिल दहलाने वाला हत्याकांड तमाम मामलों में मृतक महिला के नाम केवल मोमबत्तियां, रैली, धरना, प्रदर्शन और मृत्यु के पश्चात चारित्रिक बलात्कार आता है और आरोपी रसूख वाले हैं, तो सबूत और गवाहों के नामोनिशान मिटा दिए जाते हैं। कानून न्याय भावनाओं से नहीं सबूत और गवाहों से संचालित होता है। पितृसत्तात्मक, अर्थकेंद्रित व्यवस्था सबूत मिटाने और गवाह को तोड़ने में सदा कामयाब रही है। रात में सड़कों पर पुरुषों का वर्चस्व रहा है।

बीना नयाल

लेखिका, अल्मोड़ा

मेरी एक कॉलेज मित्र, जिसने एमबीए किया था, नोएडा की किसी कंपनी में कार्यरत थी। दूसरा बच्चा होने के पश्चात उसके प्रमोशन के लिए शिफ्ट ड्यूटी करना अनिवार्य हो गया, जब भी शिफ्ट होती थी, उसका पति या देवर उसको आनंद विहार लेने जाता था, क्योंकि ऑफिस कैब केवल आनंद विहार तक उपलब्ध थी। बीते दिनों रात 10:30 बजे उसका फोन आया। मैं अर्धनिद्रा की अवस्था में थी। मैंने बोला कहां है तू? वो बोली आनंद विहार पहुंचने वाली हूं। मैंने पूछा पति आएंगे, वह बोली नहीं वह 26 जनवरी की परेड के पास का इंतजाम करने गए हैं। बोली आज नौकरी के चक्कर में घर में कहासुनी हो गई। सब बच्चों का एहसान जताते हैं। इसलिए मैंने देवर को भी आने का सही वक्त नहीं बताया है। आज रानी लक्ष्मीबाई बनघर तक का ऑटो लूंगी। मित्र दिल्ली में ज्योति कॉलोनी में डीडीए फ्लैट में रहती थी। अगले दिन 26 जनवरी का दिन था, सोचा उसने गणतंत्र दिवस की परेड लाइव देखी होगी, तो शाम को फोन लगाया। फोन उठाते ही वह रुंधे गले से बोली यार, कल हादसा होते-होते बचा। आनंद विहार से केवल नंद नगरी का ऑटो मिला, क्योंकि उसका घर वहीं था और वो आगे जाने को तैयार नहीं था। रात 11:30 बजे ऑटो वाले को पैसे दे रही थी कि दो बाइक सवार ने मेरे ऊपर पिस्टल तान दी और बोला चल मेरे साथ में। मैं रोने लगी। मैंने जल्दी से ऑटो वाले के हाथ जोड़े और बोली भैया बचा लो मुझे। ऑटो वाले ने अपनी जान जोखिम में डालकर तेजी से ऑटो चलाया और सीधा नंद नगरी थाने में रोका, जहां मुझे महिला पुलिस को सौंप दिया। वह बाइक सवार भी पीछा करते रहे। आटो वाले ने पुलिस वालों को सब कुछ बताया, मैं कांप रही थी, डर के मारे आवाज भी नहीं निकल रही थी। मैंने घर पर फोन किया, देवर आया तो पुलिस वालों ने फटकारा, कैसे अकेले महिला को रात में सड़कों पर सफर करने छोड़ देते हैं? इस घटना के पश्चात मेरी मित्र ने नौकरी के साथ स्वरोजगार पर भी ध्यान दिया। स्वरोजगार बढ़िया चल निकला तो नौकरी छोड़ दी। आज भी उस घटना को याद करके मुहं से बस यही निकलता है कि रात में सड़कें पुरुषों के लिए आरक्षित हैं। समाज में समृद्धि का ग्राफ जितनी तेजी से बढ़ रहा है, उतनी तीव्रता से महिला सुरक्षा का ग्राफ लगातार गिर रहा है। शायद यह परवरिश का ही नतीजा है कि हम महिलाओं को तो नैतिकता के सांचे में ढाल देते हैं, परंतु कुछ पुरुषों की गलत शिक्षा, उन्हें मर्द तो नहीं बनाती है, लेकिन भेड़िया जरूर बना डालती हैं, जिससे पीड़ित और परिवार तो प्रभावित होता ही है। साथ ही पूरा समाज और तंत्र की नीयत भी संदेह व निशाने पर आ जाती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

‘काले कौवा आ ले घुघुति माला खा ले- घुघुति माला खा ले’ कभी ये आवाज उत्तराखंड के सुदूर ग्रामीण अंचलों, उत्तराखंड के विकसित क्षेत्रों सहित प्रत्येक उत्तराखंडी परिवार का बहुत ही लोकप्रिय गीत हुआ करता था। प्रत्येक उत्तराखंडी परिवार चाहे वह प्रदेश में अथवा देश के किसी भी कोने रहता हो। इस घुघुतिया त्योहार को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। यह कुमाऊं क्षेत्र में अत्यंत लोकप्रिय त्योहार है, जिसे उत्तराखंड में उत्तरायणी त्योहार के साथ मनाया जाता है। घुघुतिया त्योहार मुख्य रूप से कुमाऊं क्षेत्र में बहुत ही प्रचलित है, उत्तराखंड में उत्तरायणी का त्योहार धार्मिक मान्यता लिए हुए है। बागेश्वर में प्रति वर्ष उत्तरायणी मेले का आयोजन होता है, जो एक सप्ताह तक चलता है। यह उत्तराखंड के क्षेत्र का अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला त्योहार माना जाता है। आज भी उत्तराखंड के लोग गांव हों या भारत वर्ष में कहीं, जहां उत्तराखंडी प्रवासी बंधु रहते हैं, उत्तरायणी के त्योहार को बड़ी ही धूमधाम से मनाते है।

घुघुतिया पर्व

लोकसंस्कृति और उत्तरायणी की आत्मा

मोहन सिंह बिष्ट
समाजसेवी

उत्तरायणी त्योहार पूरे उत्तराखंड का लोकप्रिय त्योहार है। इसका धार्मिक महत्व भी है। कहते हैं अयोध्या में जब प्रभु श्रीराम का भव्य राजतिलक का आयोजन हो रहा था, तो इस आयोजन में सम्मिलित होने के लिए जगत पिता ब्रह्मा जी भगवान विष्णु की मानस पुत्री सरयु देवी को अपने साथ अयोध्या लेकर जा रहे थे तभी मार्ग में मार्कण्डेय ऋषि का आश्रम पड़ा। मार्कण्डेय ऋषि एक वृक्ष के नीचे साधना कर रहे थे। यह देखकर सरयू रुक गईं और मार्ग में ऋषि के बैठने से उत्पन्न बाधा के कारण व्याकुल होने लगीं। यह देखकर माता पार्वती को उन पर दया आ गई, उन्होंने भगवान शिव की ओर उनकी सहायता हेतु देखा, तो भोलेनाथ ने लीला रची, उन्होंने एक व्याघ्र का रूप धारण कर लिया और माता पार्वती गोमाता रूप धरकर लीला करने लगे। व्याघ्र गाय की ओर झपटा उससे मार्कंडेय जी ध्यान टूटा और वो गोमाता की रक्षा हेतु मार्ग से हट गए। देवी सरयू प्रसन्न होकर अपने मार्ग से बहकर आगे बढ़ गईं, जिस स्थान पर भगवान शिव ने व्याघ्र का रूप धरा था, उस स्थान ऋषि मार्कण्डेय द्वारा भगवान व्याघ्रेश्वर महादेव को शिवलिंग के रूप में स्थापित किया, उन्हीं के नाम पर व्याघेश्वर से धीरे-धीरे अपभ्रंश होकर, उस स्थान का नाम बागेश्वर पड़ा। उसी स्थान पर पवित्र गोमती नदी और मान्यता है कि लुप्त सरस्वती नदी की धारा भी बहती थी। इससे तीनों पवित्र नदियों का संगम होने के कारण यह स्थान और भी पवित्र हो गया। इस दिन को समस्त जनमानस नदी के पवित्र जल में स्नान कर सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा आराधना करने लगा। धीरे-धीरे इस स्थान पर दूर-दूर से श्रद्धालु आकर पूजा-अर्चना करने लगे तथा स्नान ध्यान और दान इत्यादि से सभी प्रकार कष्टों मुक्त होने की भावना से एकत्र होने लगे। इस स्थान का महत्व बढ़ता गया। उत्तरायणी प्रमुख रूप से मकर संक्रांति का त्योहार ही है। उत्तराखंड में भी यह कुमाऊं क्षेत्र में घुघुति त्योहार और गढ़वाल क्षेत्र में खिचड़ी संक्रांति के नाम से मनाया जाता है और पूरे उत्तराखंड में यह बहुत ही लोकप्रिय त्योहार है। इस दिन लोग प्रात: काल नदी में स्नान करके सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं और उनकी उपासना करते हैं तथा खिचड़ी का दान भी करते हैं।

उत्तरायणी कैथीग

उत्तराखंड में जिला बागेश्वर के अलावा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तथा बरेली में भी प्रति वर्ष उत्तरायणी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। राजधानी लखनऊ में विभिन्न पर्वतीय प्रवासी संगठन धूमधाम से उत्तरायणी का त्योहार मनाते हैं। पर्वतीय महापरिषद के द्वारा इस अवसर पर महानगर रामलीला ग्राउंड से लेकर न्यू हैदराबाद स्थित गोमती तट के किनारे भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत सांस्कृतिक उपवन तक भव्य शोभा यात्रा के साथ दस दिवसीय ‘उत्तरायणी कैथीग’ का भी आयोजन किया जाता है। इस वर्ष संस्था के रजत जयंती वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ‘उत्तरायणी कैथीग’ ‘15 दिवसीय’ कर दिया गया है। यह कौथीग (मेला) 14 जनवरी से 28 जनवरी 2026 तक चलेगा। इस मेले में उत्तराखंडी जड़ी बूटियों, खान-पान, पहनावे, हस्तशिल्प, ज्वेलरी, दन, शाक-सब्जी में मूली, गडेरी इत्यादि के स्टॉल लगते हैं तथा उत्तराखंडी लोकसंस्कृति को दर्शाने वाले कार्यक्रम लोकनृत्य लोकगीतों की धूम रहती है। बड़े-बड़े गणमान्य अतिथियों के साथ-साथ आम प्रवासी उत्तराखंडी बंधु भी इस कार्यक्रम में बड़े ही उत्साह से भाग लेते हैं। उत्तरायणी के इस मेले से स्थानीय लोगों में पर्वतीय संस्कृति के प्रति जिज्ञासा और अनुराग बढ़ा है, जिससे भारी संख्या में स्थानीय निवासी भी उत्तराखंडी कार्यक्रमों में जुटते हैं तथा भाग भी लेते हैं।

पौराणिक कथा

उत्तराखंड में घुघुतिया त्योहार के पीछे स्थानीय कथा प्रचलित है कि कुमाऊं क्षेत्र में राजा कल्याण चंद का शासन था, उनके कोई संतान नहीं थी। ईश्वर की आराधना करने के बाद, उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, जिसका नाम निर्भय चंद था, जिसे प्यार से रानी घुघुतिया कहकर बुलाती थी। घुघुतिया को रानी ने सुंदर सी मोतियों की माला पहना रखी थी। घुघुतिया जब आंगन में खेलता तो रानी मां उसे खिलाते हुए कौओं से कहती थीं। काले कौवा आरे घुघुति की माला खा ले और घुघुति जोर-जोर से ताली बजाकर खुश होता था। घुघुतिया को खेलने के लिए रानी मां पकवान भी रखती थीं, तो कौवे आकर घुघुति के पास एकत्र हो जाते, तो वो उन्हें प्यार से पकवान खिलाता था। धीरे-धीरे घुघुति बड़ा होने लगा और कौवों से उसकी दोस्ती हो गई और वह कौवों के साथ खेलता रहता था। राजा कल्याण चंद का मंत्री बड़ा हो दुष्ट था, जब राजा नि:संतान था, तो उसे राज्य पाने की आस थी, लेकिन राजकुमार घुघुतिया के जन्म लेने से उसका सपना टूट गया था, वो मन ही मन में घुघुतिया से शत्रुता रखने लगा और एक दिन मौका पाकर वह राजकुमार घुघुति को उठाकर उसे मारने की नियत से घने जंगल की ओर ले जाने लगा। ऐसा करते हुए कौवों ने उसे देख लिया। सभी कौवे अपने दोस्त घुघुति को बचाने के लिए मंत्री और उसके साथियों पर टूट पड़े। कुछ कौवे घुघुति की कीमती मोतियों की माला लेकर राजमहल में पहुंचकर कांव-कांव करने लगे। तभी राजा और रानी की नजर घुघुति की माला पर पड़ी, जिसे कौवा चोंच में दबाए हुए था, उसके साथी कांव-कांव कर रहे थे। राजा-रानी समझ गए कि घुघुति संकट में है। राजा ने अपने सैनिकों को लेकर जंगल में जाकर घुघुति को बचाया और उस दुष्ट मंत्री को बंदी बना, उसे मृत्युदंड दिया, घुघुति की जीवन रक्षा होने और सही सलामत घर लौटने पर नगर की राजा सहित समस्त प्रजा बहुत प्रसन्न हुई तथा राजा के आदेश पर नगर में उत्सव का माहौल बन गया। कौओं के सम्मान में सभी नगरवासियों ने घुघुते सहित तरह-तरह के पकवान बनाकर कौवों के साथ-साथ एक दूसरे को भी खिलाए और गीत-संगीत के साथ पूरे वातावरण में हर्षोलासित होकर प्रत्येक वर्ष घुघुतिया त्योहार मनाने लगे। इस घटना का समय और उत्तरायणी का त्योहार एक समय होने के कारण घुघुतिया त्योहार के रूप में मनाया जाने लगा। घुघुति अंग्रेजी अक्षर & के प्रकार का एक पकवान होता है, जो खाने में अत्यंत स्वादिष्ट होता है, जिसे बनाकर उत्तराखंडी माताएं, उन्हें एक मजबूत धागे में माला पिरोकर बच्चों को खेलने के लिए दे देती थीं। सभी बच्चे अपनी-अपनी माला लेकर दौड़ते-हंसते-कूदते अत्यंत प्रसन्न होकर कौवों को आवाज लगाते हैं। ‘काले कौवा आ ले घुघुति माला खा ले’, ‘काले कौवा आले घुघुति माला खा ले’।

पोंगल: तमिल परंपरा का जीवंत उत्सव

लोकायन

तमिलनाडु का शस्योत्सव अथवा फसल कटाई का पर्व पोंगल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि और जीवन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सांस्कृतिक उत्सव है। यह पर्व नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस शुभ अवसर पर सूर्य को समस्त सृष्टि के पीछे निहित जीवन-ऊर्जा के रूप में पूजा जाता है। यह पर्व चार दिनों तक मनाया जाता है और इस अवधि को उत्तरायण पुण्यकालम कहा जाता है, जिसे हिंदू सौर कैलेंडर के अनुसार अत्यंत शुभ माना गया है। इस वर्ष पोंगल 15 जनवरी से 18 जनवरी तक मनाया जाएगा। लगभग दो हजार वर्ष पुराने इस त्योहार के प्रमाण चोल काल से मिलते हैं, जो इसकी प्राचीनता और सांस्कृतिक गहराई को दर्शाते हैं। पोंगल मुख्य रूप से तमिलनाडु में उगाई जाने वाली तीन प्रमुख फसलों चावल, हल्दी और गन्ना के इर्द-गिर्द केंद्रित है। ‘पोंगल’ शब्द का अर्थ है उबलना या ऊपर से बहना। यही अर्थ उस पारंपरिक व्यंजन से भी जुड़ा है, जो इस पर्व का अभिन्न अंग है। यह उबाल समृद्धि, भरपूर फसल और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है।

परंपरागत रूप से पोंगल शुभ मुहूर्त में घर के आंगन में पकाया जाता है। यह मुहूर्त अक्सर मंदिर के पुजारी द्वारा बताया जाता है। आज भी कई घरों में पत्थर से बने चूल्हों पर मिट्टी के बर्तनों में पोंगल पकाने की परंपरा जीवित है। लकड़ी के ईंधन पर पकाया गया पोंगल अपने विशिष्ट स्वाद और सुगंध के लिए जाना जाता है। जैसे ही पकवान उबलकर बर्तन से बाहर आने लगता है, लोग ‘पोंगालो पोंगल’ का सामूहिक उद्घोष करते हैं। इस समय एक-दूसरे से पूछा जाता है-“पाल पोंगिता?” यानी क्या दूध उबल गया है?-जो शुभता का संकेत होता है। पोंगल की शुरुआत मकर संक्रांति यानी सूर्य उत्तरायण से होती है और यह चार दिनों तक विभिन्न रूपों में मनाया जाता है भोगी पोंगल, थाई पोंगल, मट्टू पोंगल और कानुम पोंगल।

भोगी पोंगल

पोंगल उत्सव का पहला दिन भोगी पोंगल कहलाता है। इस दिन वर्षा और समृद्धि के देवता भगवान इंद्र की पूजा की जाती है, क्योंकि अच्छी फसल के लिए वर्षा का विशेष महत्व होता है। इसी कारण इसे इंद्रन भी कहा जाता है। इस दिन घरों की विशेष साफ-सफाई की जाती है और फर्श पर चावल के घोल से सुंदर कोलम बनाए जाते हैं। कोलम न केवल सजावटी होते हैं, बल्कि उस पवित्र स्थान को भी चिह्नित करते हैं, जहां पोंगल पकाया जाएगा। दिन के अंत तक खेतों से ताजी फसल चावल, हल्दी और गन्ना घर लाई जाती है। शाम को भगवान इंद्र के सम्मान में अलाव जलाए जाते हैं, जिनके चारों ओर नृत्य और गायन का आयोजन होता है।

सूर्य / थाई पोंगल

दूसरा दिन थाई पोंगल या सूर्य पोंगल कहलाता है और इसे सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन की शुरुआत प्रात: काल स्नान के बाद कोलम बनाने से होती है, जो प्राय: घर की महिलाएं करती हैं। परिवार के सभी सदस्य नए वस्त्र धारण करते हैं और फिर पोंगल पकाने की मुख्य रस्म आरंभ होती है। मिट्टी के बर्तन में चावल उबाले जाते हैं, जिनमें हल्दी का पौधा बांधा जाता है। बर्तन को सुंदर चित्रकारी से सजाया जाता है और आंगन में चूल्हे पर रखा जाता है। पकने के बाद पोंगल को केले, नारियल और गन्ने के साथ सूर्य देव को अर्पित किया जाता है। पहले देवताओं, फिर मवेशियों और अंत में परिवार व मित्रों को पोंगल बांटा जाता है। इस क्रम का पालन अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

मट्टू पोंगल

तीसरे दिन मट्टू पोंगल मनाया जाता है, जो मवेशियों को समर्पित होता है। किसान के जीवन में मवेशियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, इसलिए इस दिन उनका आभार प्रकट किया जाता है। मवेशियों को स्नान कराया जाता है, उनके सींगों को रंगा-संवारा जाता है और फूलों से सजाया जाता है। बुरी नजर से बचाने के लिए उनकी आरती की जाती है। इस दिन जल्लीकट्टू जैसे पारंपरिक पशु खेलों का भी आयोजन होता है।

कानुम पोंगल

चौथा और अंतिम दिन कानुम पोंगल उत्सव के समापन का प्रतीक है। यह आनंद और मेल-मिलाप का दिन होता है। इस दिन चावल को हल्दी के पत्तों पर रखकर पक्षियों के लिए अर्पित किया जाता है। घर की महिलाएं परिवार की समृद्धि और भाइयों की कुशलता के लिए सामूहिक प्रार्थना करती हैं। हल्दी जल से आरती कर उसे पूरे घर में छिड़का जाता है। कानुम पोंगल को नए रिश्ते तय करने, विवाह प्रस्तावों और नए सामाजिक बंधनों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इस प्रकार पोंगल केवल फसल का उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति, परंपरा और सामूहिक जीवन-मूल्यों का उत्सव है, जो आज भी तमिल संस्कृति की जीवंत पहचान बना हुआ है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समकालीन कला का संकट

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

भारतीय कला इतिहास की चर्चा करते समय प्राय: यह स्वीकार किया जाता है कि सदियों तक यह परंपरा पुरुषसत्ता, राजसत्ता और धर्मसत्ता के प्रभाव में संचालित होती रही। वरिष्ठ कलाकार और कला समीक्षक अशोक भौमिक के अनुसार, इसी कारण भारतीय कला में लंबे समय तक आम जनजीवन, शर्म, पीड़ा और व्यक्तिगत भावनाओं का प्रत्यक्ष प्रकटीकरण सीमित रहा। इस दृष्टि से देखें, तो उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध और बीसवीं सदी के आरंभ में विकसित बंगाल पुनर्जागरण काल की कला भी इस संरचनात्मक सीमा से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकी। ऐसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में स्वतंत्रता के बाद प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप (1947) की स्थापना भारतीय कला में एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आती है। एफ.एन. सूज़ा, एम.एफ़. हुसैन, एस.एच. रज़ा, के.एच. आरा और रामकुमार जैसे कलाकारों ने न केवल औपनिवेशिक अकादमिक यथास्थिति को चुनौती दी, बल्कि व्यक्तिगत अनुभव, सामाजिक यथार्थ और आधुनिक चेतना को चित्रकला का विषय बनाया। यह वह क्षण था, जब भारतीय कला में कलाकार की निजी अभिव्यक्ति पहली बार पूरे आत्मविश्वास के साथ उभरती है।

संवाद होना चाहिए कला का मूल उद्देश्य

आधुनिकता के विस्तार को आगे बढ़ाते हुए भूपेन खख्खर ने मध्यमवर्गीय जीवन, यौनिक पहचान और घरेलू संसार को चित्रकला के केंद्र में रखा, गुलाम मोहम्मद शेख ने इतिहास, मिथक और समकालीन राजनीति के जटिल संवाद रचे और अर्पिता सिंह ने स्त्री अनुभवों को निजी स्मृति और सामाजिक असुरक्षा के साथ जोड़ा। इन कलाकारों के यहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अराजक नहीं, बल्कि वैचारिक जिम्मेदारी के साथ दिखाई देती है। हालांकि पिछले दो-तीन दशकों में समकालीन भारतीय कला में एक ऐसी प्रवृत्ति भी तेजी से उभरी है, जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता स्वयं एक उद्देश्य बनती दिखाई देती है। परिणामस्वरूप ऐसी कृतियां सामने आती हैं, जिनमें न तो माध्यम के साथ गहरा संघर्ष दिखता है, न विषय के साथ कोई जोखिम। कई बार ये कृतियां वैश्विक कला बाजार की मांग, क्यूरेटर-केंद्रित शब्दावली या त्वरित दृश्य प्रभाव के लिए गढ़ी हुई प्रतीत होती हैं। इसी संदर्भ में द आर्ट न्यूजपेपर के सहयोगी संपादक बेन ल्यूक का हालिया टिप्पणी-लेख “वी आर लिविंग इन एन एज ऑफ बैड पेन्टिंग” यानी “हम एक खराब कला के दौर में रह रहे हैं” विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। ल्यूक स्पष्ट करते हैं कि उनका प्रश्न केवल ब्रिटेन या फ्रिज लंदन जैसे कला मेलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आज की वैश्विक चित्रकला की वैचारिक स्थिति पर एक गंभीर टिप्पणी है। भारतीय संदर्भ में भी यह प्रश्न अप्रासंगिक नहीं है। एक ओर वी.एस. गायतोंडे, जेराम पटेल या नसरीन मोहम्मदी जैसे कलाकारों की परंपरा है, जहां अमूर्तता भी गहन साधना और अनुशासन से उपजती है। दूसरी ओर आज ऐसी चित्रकला भी दिखाई देती है, जो केवल ‘अवधारणा’ के नाम पर दर्शक से किसी भी संवेदनात्मक या बौद्धिक संवाद से बचती है।

यहां आम दर्शकों के बीच प्रचलित वह व्यंग्यात्मक किस्सा याद आता है- खाली कैनवास पर गाय के घास चरने की कहानी। यह मजाक भले ही अतिरंजित हो, पर वह उस दूरी की ओर संकेत करता है, जो कई बार समकालीन कला और सामान्य दर्शक के बीच पैदा हो गई है। दर्शक यह मानने को विवश हो जाता है कि आधुनिक कला समझ से परे है, जबकि कला का मूल उद्देश्य संवाद होना चाहिए- भले ही वह सहज न हो।

भारतीय समकालीन कला के सामने चुनौती

निस्संदेह, चित्रकला एक दृश्य भाषा है और उसका अनुवाद शब्दों में अनिवार्य नहीं। किंतु इतिहास बताता है कि महान आधुनिक और समकालीन कलाकारों-चाहे वे रामकुमार, तैयब मेहता हों या के.जी. सुब्रमण्यम, ने अपने समय के प्रश्नों से टकराते हुए ऐसी दृश्य भाषाएं रचीं, जो जटिल होते हुए भी अर्थपूर्ण थीं। यहां बेन ल्यूक का प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह हमें यह याद दिलाता है कि “सब कुछ स्वीकार्य है” का वातावरण कला के लिए उतना ही खतरनाक हो सकता है, जितना सेंसरशिप। भारतीय समकालीन कला के सामने भी आज यही चुनौती है कि वह स्वतंत्रता और जिम्मेदारी, प्रयोग और संवेदना तथा वैश्विक संवाद और स्थानीय अनुभव के बीच संतुलन कैसे बनाए? स्पष्ट है कि ‘खराब कला’ की यह बहस आने वाले समय में और तेज होगी और ऐसे में संभव है कि भारतीय कला जगत के लिए यह आत्मपरीक्षण का एक जरूरी अवसर भी बन सकती है।

आर्ट गैलरी

अतियथार्थ का स्वप्नलोक

1929 में निर्मित साल्वाडोर डाली की प्रसिद्ध कृति “प्रकाशित सुख” अतियथार्थवादी कला की एक महत्वपूर्ण आधारशिला मानी जाती है। यह चित्र केवल दृश्य सौंदर्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दर्शक को अवचेतन मन की रहस्यमय और जटिल परतों में प्रवेश करने के लिए प्रेरित करता है। स्पेन के कैटालोनिया क्षेत्र में उभरते कला-आंदोलनों के प्रभाव में बनी यह रचना आंद्रे ब्रेटन और मैक्स अर्न्स्ट जैसे अतियथार्थवादी विचारकों की मुक्त और प्रयोगधर्मी चेतना को प्रतिबिंबित करती है। चित्र में एक काल्पनिक परिदृश्य उभरता है, जहां अनेक पुरुष आकृतियां असंबद्ध और तर्क से परे क्रियाओं में लीन दिखाई देती हैं। लहरदार, रेगिस्तानी भू-भाग के बीच स्थित एक केंद्रीय आकृति पूरे दृश्य पर प्रभुत्व स्थापित करती है, जबकि आसपास फैली अन्य आकृतियां किसी स्वप्न की भांति अलग-अलग भावनाओं और स्थितियों को व्यक्त करती हैं।

सल्वाडोर डाली के बारे में- 1904 में स्पेन के फिगेरेस में जन्मे सल्वाडोर डाली का जीवन उतना ही असाधारण था, जितनी उनकी कला। बचपन से ही उनकी प्रतिभा स्पष्ट थी, किंतु पारिवारिक अनुभवों और निजी आघातों ने उनके भीतर द्वैत और रहस्य की भावना को गहराई दी। सैन फर्नांडो अकादमी में औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने पारंपरिक सीमाओं को अस्वीकार किया और अपनी स्वतंत्र शैली विकसित की। पुनर्जागरण की तकनीकी परिपक्वता और स्वप्निल कल्पना के अद्वितीय मेल ने डाली को अतियथार्थवाद का सबसे प्रभावशाली चित्रकार बना दिया।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	83,627.69	25,732.30
गिरावट	250.48	57.95
प्रतिशत में	0.30	0.22

सोना 1,45,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,71,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, बुधवार, 14 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

स्कोडा की घरेलू बिक्री पिछले वर्ष 36% बढ़ी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने बीते वर्ष 1,17,000 इकाई के साथ अब तक की सर्वाधिक घरेलू बिक्री दर्ज की है जो सालाना आधार पर 36 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि घरेलू बिक्री एवं निर्यात सहित 2025 में कुल बिक्री 1,59,500 इकाई रही। यह उपलब्धियों से भरा साल रहा जिसमें एसएवीडब्ल्यूआईपीएल ने 'मेड-इन-इंडिया' गाड़ियों के मामले में 20 लाख का आंकड़ा पार किया। यह इसके विनिर्माण कार्यों के पैमाने और परिपक्वता को रेखांकित करता है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के सीईओ पीयूष अरोड़ा ने कहा, 2025 हमारे लिए उद्देश्यपूर्ण और व्यापक प्रगति का वर्ष रहा है।

बजट में युक्तिसंगत किया जाए सीमा शुल्क

नई दिल्ली। सलाहकार फर्म डेलॉयट इंडिया ने मंगलवार को सुझाव दिया कि आगामी बजट में आयात शुल्क संरचना को युक्तिसंगत बनाने और आवंटन बढ़ाने से घरेलू विनिर्माण और देश के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। डेलॉयट इंडिया ने कहा कि विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) व्यवस्था में सुधार, जैसे कि 'छोड़े गए शुल्क' के आधार पर घरेलू आपूर्ति की अनुमति देना, उप-अनुबंध मानदंडों को आसान बनाना और मूल्यवर्धन को सीमा-शुल्क से छूट देने के साथ ही एक सीमित सीमा-शुल्क माफी योजना से प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा और मुकदमों में कमी आएगी।

टाटा ने पंच का नया अवतार पेश किया

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने मंगलवार को पंच का नया अवतार पेश किया जिसमें कई नए फीचर जोड़े गए हैं। माइक्रो-एसयूवी श्रेणी में वह हुंडई एक्सटर, सिट्रोएन सी3 और मारुति इग्निस को टक्कर दे रही है। टाटा ने पंच में नया टर्बो पेट्रोल इंजन, सीएनजी के साथ ऑटोमैटिक गियरबॉक्स, 10.25-इंच की बड़ी स्क्रीन, 360-डिग्री कैमरा और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स शामिल किए हैं। पंच का सबसे बड़ा अपडेट इसका नया इंजन विकल्प है। अब इसमें टर्बो पेट्रोल का विकल्प भी जोड़ दिया गया है।

ट्रंप की नई धमकी से भारतीय निर्यातक चिंतित

ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है 25% शुल्क लगाने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा के बाद निर्यातक सतर्क हो गए हैं। उनका कहना है कि अतिरिक्त शुल्क के प्रभाव का आकलन ट्रंप प्रशासन की ओर से अधिसूचना जारी होने के बाद ही किया जा सकेगा। भारतीय निर्यातक पहले से 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क का सामना कर रहे हैं।

ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश को अमेरिका के साथ अपने व्यापार पर 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा। यह एक ऐसा कदम है जो भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे ईरान के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों को प्रभावित कर सकता है। निर्यातकों के संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस' (फियो) ने मंगलवार को कहा कि घरेलू कंपनियां ईरान के साथ व्यापार से संबंधित सभी प्रतिबंधों का अनुपालन कर रही हैं। हालांकि ट्रंप की ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों को 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा पर स्पष्ट जानकारी मिलने पर ही इस चेतावनी के प्रभाव का आकलन संभव हो पाएगा। ट्रंप की घोषणा से भारत-ईरान व्यापार संबंधों पर असर पड़ सकता है।

फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, भारतीय कंपनियां और बैंक, ईरान पर लगाए गए ओएफएसी (विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय) प्रतिबंधों का पूरी तरह और स्पष्ट रूप से पालन कर रहे हैं। हम केवल खाद्य पदार्थों और दवा क्षेत्र में ही काम कर रहे हैं जिन पर रोक नहीं है, इसलिए भारत पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव की आशंका का कोई आधार नहीं है। एक निर्यातक ने कहा, हम अमेरिकी राष्ट्रपति की घोषणा से चिंतित हैं। हम इस संबंध में अमेरिका से अधिसूचना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारत से ईरान को होने वाले प्रमुख निर्यातों में चावल, चाय, चीनी, दवा, कृत्रिम रेशे, विद्युत मशीनरी और कृत्रिम आभूषण शामिल हैं। प्रमुख आयातों में सूखे मेवे, अकार्बनिक/कार्बनिक रसायन और कांच के बर्तन शामिल हैं।

ईरान में अशांति से भारतीय बासमती के निर्यात पर असर

नई दिल्ली। ईरान में जारी नागरिक अशांति का असर भारत के बासमती चावल के निर्यात पर पड़ना शुरू हो गया है जिससे घरेलू कीमतों में भारी गिरावट आई है। निर्यातकों को भुगतान में देरी और बढ़ती अनिश्चितता इसकी मुख्य वजह है। इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन ने निर्यातकों से ईरानी अनुबंधों पर जोखिमों का पुनर्मूल्यांकन करने और भुगतान के सुरक्षित तरीके अपनाने का आग्रह किया है। साथ ही ईरानी बाजार के लिए जरूरत से ज्यादा भंडार रखकर जोखिम न लेने की सलाह दी है। व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-नवंबर के दौरान ईरान को 468.10 अमेरिकी डॉलर का बासमती चावल निर्यात किया जिसकी कुल मात्रा 5.99 लाख टन थी। ईरान भारत का सबसे बड़ा बासमती चावल आयातक है लेकिन अस्थिरता के कारण ऑर्डर प्रवाह, भुगतान चक्र और निर्यात पर दबाव बढ़ रहा है। इसका असर अब घरेलू मंडियों में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। एक सप्ताह में ही बासमती की प्रमुख किस्मों की कीमतों में भारी गिरावट आई है।

नए शिखर पर चांदी-सोना

चांदी 6,000 रुपये उछलकर 2,71,000 रुपये किलो पर
* तीन सत्रों में 21,000 रुपये की वृद्धि

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमतें 6,000 रुपये उछलकर 2,71,000 रुपये किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। स्टॉकिस्टों की लगातार खरीदारी के बीच सोना भी 400 रुपये बढ़कर 1,45,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चांदी ने लगातार तीसरे दिन अपनी बढ़त जारी रखी और 6,000 रुपये यानी 2.3 प्रतिशत उछलकर सभी करों समेत 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। सोमवार को चांदी 15,000 रुपये यानी छह प्रतिशत की जबर्दस्त उछाल के साथ 2,65,000 रुपये प्रति किग्रा के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। यह शुक्रवार को 2,50,000 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। मंगलवार की बढ़त के साथ चांदी पिछले तीन कारोबारी सत्रों में कुल 21,000 रुपये यानी 8.4 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगा चुकी है। वर्ष 2026 में अब तक चांदी ने कुल 32,000 रुपये यानी 13.4 प्रतिशत की तेज बढ़त दर्ज की है। यह 31 दिसंबर, 2025 को 2,39,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी।

सेंसेक्स 250 अंक टूटा

मुंबई। विदेशों से मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स 250.48 अंक यानी 0.30 फीसदी टूटकर 83,627.69 पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी-50 सूचकांक भी 57.95 अंक यानी 0.22 प्रतिशत गिरकर 25,732.30 अंक पर रहा। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रियल्टी, फार्मा, तेल एवं गैस, ऑटो और एफएमसीजी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे। आईटी, बैंकिंग, मीडिया और धातु समूहों के सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट और एटरनल में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही।

सरकार ने अफगानिस्तान के साथ व्यापार निलंबित करने के दावों को खारिज किया

नई दिल्ली। सरकार ने ईरान में अशांति के कारण भारत के अफगानिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध निलंबित करने के दावों को मंगलवार को खारिज कर दिया। पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें फैलाई जा रही हैं कि ईरान में अशांति के कारण भारत ने अफगानिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध निलंबित कर दिए हैं।

• पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही हैं झूठी खबरें

भारत सरकार की ओर से कहा गया है कि ये खबरें पूरी तरह झूठी हैं। इस संबंध में पाकिस्तान के दुष्प्रचार करने वाले कुछ खाते मनगढ़ंत पत्र प्रसारित कर रहे हैं। 'पीआईबी फैक्ट चेक' ने सोशल मीडिया पर लिखा, पाकिस्तानी दुष्प्रचार खातों द्वारा एक मनगढ़ंत पत्र प्रसारित किया जा रहा है जिसमें झूठा दावा किया गया है कि ईरान में बढ़ती अशांति के कारण भारत ने अफगानिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में अफगानिस्तान को भारत का निर्यात 31.891 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा जबकि आयात 68.981 करोड़ अमेरिकी डॉलर था।

रूस से तेल खरीदने में तीसरे स्थान पर खिसका भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज और सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरियों की ओर से कच्चे तेल के आयात में भारी कटौती के बाद दिसंबर 2025 में रूस से इस ईंधन को खरीदने के मामले में भारत तीसरे स्थान पर आ गया है। यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने मंगलवार को इस संबंध में आंकड़े जारी किए।

सीआरईए के अनुसार भारत द्वारा रूस से कुल हाइड्रोकार्बन आयात दिसंबर में 2.3 अरब यूरो रहा, जो पिछले महीने के 3.3 अरब यूरो से कम है। रिपोर्ट में कहा गया, ''तुर्की भारत को पीछे छोड़ते हुए दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन गया, जिसने रूस से दिसंबर में 2.6 अरब यूरो के हाइड्रोकार्बन खरीदे। चीन शीर्ष खरीदार बना रहा, जिसकी रूस के शीर्ष पांच आयातकों से होने वाली निर्यात आय में 48 प्रतिशत (छह अरब यूरो) की हिस्सेदारी रही।

• रिलायंस ने की आयात में भारी कटौती, अब चीन पहले और तुर्किए दूसरे नंबर पर

सीआरईए ने कहा, भारत रूसी जीवाश्म ईंधन का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार था, जिसने दिसंबर में कुल 2.3 अरब यूरो के रूसी हाइड्रोकार्बन का आयात किया। इसके मुताबिक, भारत की कुल खरीद में कच्चे तेल की हिस्सेदारी 78 प्रतिशत थी, जो कुल 1.8 अरब यूरो रही। इसके अलावा कोयला (42.4 करोड़ यूरो) और तेल उत्पाद (8.2 करोड़ यूरो) आयात किया गया। भारत ने नवंबर में रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 2.6 अरब यूरो खर्च किए थे।

इंडिगोः न्यू ईयर सेल में किराए की शुरुआत 14,99 रुपये से

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को न्यू ईयर सेल की घोषणा की जिसमें घरेलू मार्गों पर किराया 1,499 रुपये से शुरू हो रहा है।

इंडिगो ने बताया कि सेल 13 से 16 जनवरी तक जारी रहेगी। इसमें घरेलू मार्गों पर सभी कर सहित किराया 1,499 और अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर 4,499 रुपये से शुरू होगा। इसके साथ, चुनिंदा 6 ई एडऑन पर 70 प्रतिशत तक की छूट भी मिलेगी। इस ऑफर के तहत 20 जनवरी से 30 अप्रैल तक की यात्रा के लिए टिकट की बुकिंग की जा सकेगी। बुकिंग यात्रा से सात दिन पहले करानी होगी। इंडिगोस्ट्रेच का किराया चुनिंदा घरेलू मार्गों पर 9,999 रुपये से शुरू होगा। इंडिगो की वेबसाइट, एप, व्हाट्सएप और एआई एसिस्टेंट 6 ईस्काई से टिकट बुक कराने पर दो साल तक के बच्चों के टिकट एक रुपये में बुक होंगे।

एनपीएस में सुनिश्चित पेंशन के लिए बनाई गई विशेषज्ञ समिति

नई दिल्ली, एजेंसी

पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत निश्चित भुगतान के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत निश्चित पेंशन सुनिश्चित करने के लिए रूपरेखा एवं नियम तैयार करने को लेकर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है।

पीएफआरडीए ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि यह पहल पेंशन नियामक अधिनियम के अनुरूप है और इसका उद्देश्य एनपीएस अंशधारकों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली आय को सुनिश्चित और सुरक्षित बनाना है। इस समिति के गठन का उद्देश्य हर नागरिक को उम्रदराज होने के बाद आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना है। बयान के अनुसार, 15 सदस्यीय समिति का गठन दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एमएस साहू की अध्यक्षता में किया गया है। इसमें विधि, मूल्यांकनकर्ता, वित्त, पूंजी बाजार एवं शिक्षा जगत जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके अलावा, व्यापक विचार-विमर्श सुनिश्चित के लिए समिति को बाहरी विशेषज्ञों या मध्यस्थों को विशेष सदस्यों के तौर पर प्रतिक्रिया एवं परामर्श के लिए आमंत्रित करने का अधिकार दिया गया है।

• कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों को रखा गया है 15 सदस्यीय समिति में

समिति नियमित पेंशन भुगतान पर एक स्थाई सलाहकार समिति के रूप में गठित की गई है। इसके मुख्य कार्यों में नियमों का विकास, बाजार आधारित गारंटी, परिचालन के तौर-तरीके खोजना, जोखिम और कानूनी निगरानी, अंशधारकों की सुरक्षा आदि शामिल हैं। पेंशन नियामक पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण एक सांविधिक नियामक संस्था है। इसका मकसद पेंशन कोष की स्थापना, विकास एवं नियमन के माध्यम से सेवानिवृत्ति के बाद आय सुरक्षा को बढ़ावा देना और पेंशन योजनाओं से जुड़े अंशधारकों के हितों की रक्षा करना है।

रेल किराए की गणना का तरीका हमारा व्यापारिक रहस्य, नहीं कर सकते आम

रेलवे ने केंद्रीय सूचना आयोग के नोटिस पर दिया जवाब, आरटीआई अपील खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रेलवे ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) को अपनी किराए की गणना की पद्धति की जानकारी देने से यह कहकर इन्कार कर दिया कि यह पद्धति उसका व्यापारिक रहस्य है जो व्यावसायिक गोपनीयता के दायरे में आती है, इसलिए इसे सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सीआईसी की ओर से इस संबंध में दायर एक आरटीआई अपील खारिज किए जाने के दौरान रेलवे की ओर से दिया गया यह तर्क सामने आया है।

आरटीआई आवेदन के जरिए ट्रेन टिकटों और विशिष्ट सेवा पश्चिम सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लिए मांग आधारित किराया निर्धारण और तत्काल बुकिंग के प्रभाव सहित आधार किराया (बेस फेयर) गणना प्रणाली पर विस्तृत जानकारी मांगी गई थी। जवाब में, रेलवे बोर्ड ने कहा कि किराया श्रेणी-आधारित है और विभिन्न श्रेणियों में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के कारण इसमें अंतर आता है। उसने इसके साथ यह भी तर्क दिया कि विभिन्न श्रेणियों के किराया निर्धारण के वर्गीकरण और पद्धति के संबंध में उसकी नीति व्यापार रहस्य/बौद्धिक संपदा अधिकारों के दायरे में आता है और आरटीआई अधिनियम की धारा 8 के तहत इसे सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त है।

कहा- टिकट मूल्य निर्धारण खुलासा जनहित में भी नहीं

मुख्य जन सूचना अधिकारी ने यह भी कहा, मूल्य निर्धारण संबंधी जानकारी का खुलासा जनहित में उचित नहीं है, क्योंकि यदि कोई लाभ होता भी है, तो वह आम आदमी को वितरित/हस्तांतरित कर दिया जाता है, न कि निजी उद्यम की तरह व्यक्तिगत लाभ के लिए रखा जाता है। आयोग ने उल्लेख किया कि जन सूचना अधिकारी ने पहले ही सभी सार्वजनिक करने योग्य जानकारी और रेलवे रेटिंग नीतियों के सामान्य सिद्धांत मुहैया कर दिए थे और उपलब्ध अभिलेखों से परे डेटा तैयार करने या उसकी व्याख्या करने की आवश्यकता नहीं है।

सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8 में उन सूचनाओं के लिए छूट का प्रावधान है जिन्हें सार्वजनिक करना अनिवार्य नहीं है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापार रहस्य और व्यक्तिगत गोपनीयता जैसी संवेदनशील जानकारी की रक्षा करती हैं। रेलवे अधिकारियों ने किराया निर्धारण पद्धति की गोपनीयता को बरकरार रखने संबंधी सीआईसी के पूर्व के आदेशों का भी हवाला दिया। साथ ही, यह तर्क दिया कि भारतीय रेलवे एक वाणिज्यिक उपयोगिता के रूप में कार्य करता है तथा राष्ट्रीय हित में सामाजिक दायित्वों का निर्वहन भी करता है। रेलवे बोर्ड के मुख्य जन सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने कहा कि विस्तृत मूल्य निर्धारण प्रणाली का खुलासा जनहित में उचित नहीं है।

सावरकर के चित्रों को हटाने की याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को संसद और अन्य सार्वजनिक स्थानों से विनायक दामोदर सावरकर के चित्रों को हटाने के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति देने से पहले भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी दी।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी बी बालमुरुगन को ऐसी तुच्छ याचिका दायर करने पर चेतावनी दी। सीजेआई ने कहा, इस तरह की याचिका मानसिकता दर्शाती है। पीठ याचिकाकर्ता के इस निवेदन से नाराज थी कि वह वित्तीय बाधाओं के कारण व्यक्तिगत रूप से बहस करने नहीं आ सकता। बालमुरुगन ने याचिका में संसद के केंद्रीय कक्ष और अन्य सार्वजनिक स्थानों से सावरकर के चित्रों को हटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। यह भी कहा था कि सरकार हत्या या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों जैसे जघन्य अपराधों के आरोपियों को तब तक सम्मानित न करे जब तक कि वे बरी न हो जाएं।

• सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को बताया तुच्छ याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

अब्बास अंसारी की पूर्ण जमानत याचिका को मंजूरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर तथा यूएपीए के तहत दर्ज मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक अब्बास अंसारी की पूर्ण जमानत याचिका को मंगलवार को मंजूरी दे दी। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एम पांचोली की पीठ ने अंसारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। पीठ ने कहा कि अंसारी अंतरिम जमानत पर लंबे वक्त से बाहर हैं और अब तक उन पर इस आजादी का दुरुपयोग करने का कोई आरोप नहीं लगा है। ऐसे में मामले पर कोई भी टिप्पणी किए बिना अंतरिम जमानत को पूर्ण किया जाता है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और निजाम पाशा ने अब्बास अंसारी की ओर से पैरवी की।

लड़की की शादी से पहले माता-पिता को उसकी सहमति लेनी चाहिए

भुवनेश्वर। उड़ीसा हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि कोई लड़की शादी के लिए तैयार नहीं है तो बाहरी दबाव या जबरदस्ती के जरिए उसकी शादी कराना स्वस्थ समाज के अनुकूल नहीं है। मुख्य न्यायाधीश हरीश टंडन और न्यायमूर्ति मुराहारी श्री रमन की पीठ ने कहा, अब समय आ गया है कि समाज आत्ममंथन करे कि लड़कियों को उनके माता-पिता जबरन शादी के लिए मजबूर करते हैं तो क्या होता है। लड़की का निर्णय सर्वोपरि है और माता-पिता को कोई भी फैसला लेने से पहले उसकी सहमति लेनी चाहिए।

• उड़ीसा हाईकोर्ट की पति से अलग हुई महिला की याचिका पर टिप्पणी

हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी एक विवाहित महिला की उस याचिका का निपटारा करते हुए की, जिसमें उसने जबरन कराई गई शादी के बाद अलग रहने की अनुमति मांगी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में माता-पिता को ऐसा निर्णय लेने से पहले बालिग लड़की की सहमति अवश्य लेनी चाहिए। महिला ने कहा कि वह न तो अपने पति के साथ रहना चाहती है और न ही अपने माता-पिता के साथ, क्योंकि वह रोजगार में है और स्वयं अपनी आजीविका अर्जित करती है।

एसएसबी ने शुरू की शराब के आदी अपने जवानों की बर्खास्तगी

नई दिल्ली। नेपाल और भूटान के साथ लगती बिना बाड़ वाली सीमाओं की रक्षा में जुटे सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने अपने शराब के आदी जवानों के खिलाफ सेवा समाप्ति की कार्रवाई शुरू की है। अधिकारियों के मुताबिक अब तक ऐसे 50 से ज्यादा जवानों की पहचान की गई है जिनमें से 8-10 कर्मियों को चिकित्सा और कानूनी कार्यवाही पूरी करने के बाद नौकरी से निकाल दिया गया है। बाकी के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई जारी है। अधिकारियों के मुताबिक उन कर्मचारियों के खिलाफ यह कार्रवाई की जा रही है जिनकी पहचान कई वर्षों से शराब की लगातार लत वाले कर्मियों के रूप में की गई है। उन्हें शराब पर निर्भरता के लक्षणों (एडीएस) वाले मामलों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे जवान अपनी खुद की सुरक्षा के साथ अपने सहयोगियों और यहां तक कि आम जनता की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन जाते हैं। शराब न मिलने पर ऐसे जवान चरम कदम उठा सकते हैं।

जज कम होने के बाद भी हिमाचल हाईकोर्ट 90 प्रतिशत मामले निपटाए

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने स्वीकृत संख्या से पांच न्यायाधीश कम होने के बावजूद 2025 में लगभग 90 प्रतिशत मामलों का निपटारा किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एक जनवरी 2025 तक उच्च न्यायालय में 93,942 मामले लंबित थे। वर्ष के दौरान 81,092 नए मामले दर्ज किए गए जबकि 72,981 मामलों का निपटारा किया गया। इस तरह वर्ष के अंत तक लंबित मामलों की संख्या बढ़कर 1,02,053 हो गई लेकिन निपटारे की दर उल्लेखनीय रूप से 89.99 प्रतिशत रही। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सहित स्वीकृत 17 न्यायाधीशों की संख्या के मुकाबले न्यायालय में 12 न्यायाधीश कार्यरत हैं। लंबे समय से लंबित मामलों को निपटाने के उद्देश्य से हाईकोर्ट ने 2026 में 12 शनिवारों को कार्य दिवस घोषित किया है, जिनमें सबसे पुराने मामलों की ही सुनवाई होगी।

लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला कर रहे सरकार चलाने वाले : राहुल

उदगमंडलम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे और जनता की आवाज पर केंद्र सरकार चलाने वालों की ओर से हमला किया जा रहा है। गुडलूर में एक स्कूल के कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे राहुल गांधी ने छात्रों के साथ बातचीत में कहा कि निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाएं हमलों की चपेट में हैं।

उन्होंने कहा, वे उन लोगों को धमका रहे हैं जो उनकी विचारधारा से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, ऐसे परिदृश्य में, हमें आपके जैसे आत्मविश्वासी और सवाल पूछने से न डरने वाले युवाओं की जरूरत है। राहुल ने कहा, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला हो रहा है। लोकतंत्र का मतलब ही है कि सभी लोगों को अपनी बात कहने का अधिकार हो।

जना नायकन फिल्म पर रोक मोदी का तमिल संस्कृति पर हमला

राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि तमिल फिल्म 'जना नायकन' पर प्रतिबंध लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिल संस्कृति पर हमला किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, मोदी जी, आप तमिल लोगों की आवाज दबाने में कभी सफल नहीं होंगे। गौरतलब है कि दक्षिण भारत के सुपरस्टार तलपती के करियर की आखिरी फिल्म 'जना नायकन' 9 जनवरी को रिलीज होनी थी लेकिन अब मामला कोर्ट पहुंच गया है।

पश्चिमी दिल्ली में जिम के बाहर बिश्नोई गैंग ने चलाई गोलियां

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के पश्चिम विहार में एक जिम के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक सोमवार रात को बाहरी दिल्ली के एक जिम के बाहर कुछ अज्ञात मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने गोलीबारी की थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक संदेश में लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पोस्ट की सच्चाई की जांच की जा रही है, जबकि गोलीबारी के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों हमलावर आउटर रिंग रोड पर आर के फिटनेस के पास से गुजरे, जिसमें से एक ने बाहर दो गोलियां चलाईं। किसी को चोट नहीं लगी। घटना के बाद रणदीप मलिक नाम के एक फेसबुक अकाउंट पर एक मैसेज सामने आया, जिसमें हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया। कहा गया कि गोलीबारी रणदीप और अनिल पंडित ने करवाई थी, जो अमेरिका में रहता है।

हमें चुनावी उद्देश्यों से नागरिकता की जांच करने का अधिकार... सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग की दलील

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह मतदाता सूची और चुनाव संचालन से संबंधित मामलों में मूल प्राधिकारी के रूप में कार्य करता है और यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य देश की नागरिकता हासिल करता है तो इस संबंध में आयोग की राय राष्ट्रपति पर बाध्यकारी होती है। आयोग ने कहा कि एसआईआर के दौरान यदि कोई प्रतिकूल निष्कर्ष निकलता है तो उसका परिणाम संबंधित व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटाया जाना होगा और वह निर्वासन का कारण नहीं बनता। ऐसे मामले को नागरिकता अधिनियम और संबंधित कानूनों के तहत जांच के लिए केंद्र को भेजा जा सकता है।

• संवैधानिक अधिकारों से परे काम करने के आरोपों को नकारा

आयोग ने कहा कि खनन पट्टों या अन्य वैधानिक लाभों से जुड़े कई नियामक ढांचों में नागरिकता एक अनिवार्य शर्त होती है और सक्षम प्राधिकारी इसकी जांच कर सकता है। इस दलील के जरिए आयोग ने उस तर्क का खंडन किया कि वह अपने संवैधानिक अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़कर काम कर रहा है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने निर्वाचन आयोग की ओर से ये दलीलें पेश कीं। पीठ ने उन याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई फिर से शुरू की, जिनमें बिहार सहित कई राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती दी गई थी और निर्वाचन आयोग की शक्तियों के दायरे, नागरिकता और मतदान के अधिकार पर महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न उठाए गए थे। द्विवेदी ने एसआईआर प्रक्रिया का बचाव करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से चुनाव आयोग के संवैधानिक और वैधानिक अधिकार क्षेत्र के भीतर है।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान में चार लोगों की गोली मारकर हत्या

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक स्थानीय शांति समिति के चार सदस्यों की अज्ञात हमलावरों ने मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान से सटे बन्नू जिले में हुई। अज्ञात बंदूकधारियों ने जिले के मजांग चौक के पास घात लगाकर हमला किया। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और हमलावरों की तलाश में तलाशी अभियान शुरू किया। खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में हाल के दिनों में आतंकवादी हमलों में तेजी आई है। सोमवार को पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में एक वरिष्ठ अधिकारी समेत छह पुलिसकर्मी मारे गए थे।

न्यूयॉर्क में नर्सों की हड़ताल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर के कई बड़े अस्पतालों में नए अनुबंध पर बातचीत असफल हो जाने से लगभग 15,000 नर्स हड़ताल पर चली गई हैं। कोलंबिया ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम न्यूज (सीबीएस) ने यह जानकारी दी। हड़ताल सोमवार को सुबह पांच निजी अस्पतालों में शुरू हुई, जिसमें माउंट सिनाई, माउंट सिनाई मॉर्निंगसाइड, माउंट सिनाई वेस्ट और मैनहट्टन में न्यूयॉर्क-प्रेस्बिटेरियन सुविधाएं शामिल हैं। मरीजों के परिवारों ने कहा कि नियमित नर्सिंग कर्मचारियों की गैरमौजूदगी से देखभाल की निरंतरता और गुणवत्ता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्रेटर न्यूयॉर्क हॉस्पिटल एसोसिएशन ने कहा कि अस्पतालों ने हड़ताल के दौरान कामकाज चलाने के लिए अस्थायी तौर पर नर्सों को सेवा के लिए लिया है। कर्मचारियों के सेवा-समय में बदलाव किया गया है। मरीजों की छुट्टी की प्रक्रिया तेज की है।

कजाखिस्तान में सड़क हादसे में भारतीय छात्रा की मौत

अस्ताना। कजाखिस्तान में हुए एक सड़क हादसे में एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब मेडिकल छात्रों का एक समूह सड़क मार्ग से यात्रा कर रहा था। भारतीय दूतावास ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह हादसा ओस्केमेन में उस समय हुआ, जब सेमे मेडिकल विश्वविद्यालय के 11 भारतीय छात्र घूम फिर कर वापस लौट रहे थे। भारतीय दूतावास ने बताया कि इस हादसे में भारतीय छात्रा 25 वर्षीय मिली मोहन की मौत हो गई, जबकि अशिका शीजामिनी संतोष और जसीना बी घायल हो गईं। दूतावास ने बताया कि घायल छात्राओं का उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर है। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

अमेरिका ने एक साल में एक लाख से अधिक वीजा किए रद्द

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगभग एक साल पहले पदभार संभालने के बाद से अब तक एक लाख से अधिक वीजा रद्द किए जा चुके हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि रद्द किए गए वीज़ा में लगभग 8,000 छात्रों के वीज़ा और 2,500 स्पेशल वीज़ा उन लोगों के शामिल हैं जिनका आपराधिक गतिविधि में लिप्त होने पर अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों से सामना हुआ था। ज्यादातर वीजा उनके रद्द हुए हैं, जिन्होंने गैरकानूनी तरीके से अवधि से ज्यादा समय देश में बिताया था। बता दें कि पिछले साल जून में अमेरिका ने अपने राजनयिक मिशनों को छात्र वीज़ा के लिए आवेदन करने वाले सभी विदेशियों के सोशल मीडिया और ऑनलाइन मौजूदगी की जांच करने का निर्देश दिया था। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा था कि वह 5.5 करोड़ से अधिक अमेरिकी वीज़ा धारकों के रिकॉर्ड की समीक्षा कर रहा है।

सियाचिन की दहलीज पर अब ड्रैगन की 'नापाक' चाल

शक्सगाम घाटी पर चीन के दावे के बीच 1963 के उस अवैध समझौते का जिन्न एक बार फिर बाहर आ गया है, जिसके तहत पाकिस्तान ने भारतीय क्षेत्र की 5,180 वर्ग किलोमीटर जमीन (शक्सगाम घाटी) चीन को उपहार में दे दी थी। ताजा सैटेलाइट तस्वीरों में इस विवादित क्षेत्र में चीन की बढ़ती सक्रियता और पक्की सड़कों के जाल ने भारत को कड़ा रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया है। विदेश मंत्रालय पहले ही साफ कर चुका है कि अपनी संप्रभुता से समझौता भारत को कतई स्वीकार नहीं है। अब सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने भी स्पष्ट कर दिया है कि शक्सगाम घाटी में किसी भी तरह की गतिविधि को हम स्वीकार नहीं करते हैं और वहां चीन या पकिस्तान की किसी भी गतिविधि को गैरकानूनी मानेंगे।

शक्सगाम घाटी पर चीन के दावे से तनाव।

क्या है विवाद

- शक्सगाम घाटी का विवाद भारत, चीन और पाकिस्तान के बीच एक जटिल क्षेत्रीय मुद्दा है। वर्तमान में यह विवाद इसलिए गहरा गया है क्योंकि चीन ने इस क्षेत्र में अपनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को उचित ठहराते हुए भारत के विरोध को खारिज कर दिया है।

क्षेत्रीय स्थिति और इतिहास

- शक्सगाम घाटी (जिसे ट्रांस-काराकोरम ट्रैक्ट भी कहा जाता है) मूल रूप से जम्मू-कश्मीर रियासत का हिस्सा थी और 1947 में विलय के बाद कानूनी रूप से भारत का अभिन्न अंग बनी थी। लेकिन 1947-48 के युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने इस क्षेत्र (पाक अधिकृत कश्मीर) पर अवैध कब्जा कर लिया था।

1963 का अवैध समझौता

- 2 मार्च 1963 को पाकिस्तान ने एक सीमा समझौते के तहत शक्सगाम घाटी का लगभग 5,180 वर्ग किलोमीटर हिस्सा अवैध रूप से चीन को सौंप दिया था। हालांकि भारत ने इस समझौते को कभी मान्यता नहीं दी और हमेशा इसे अवैध तथा अमान्य करार दिया है।

ताजा विवाद

- सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि चीन इस इलाके में 75 किलोमीटर लंबी और 10 मीटर चौड़ी 'ऑल-वेदर' सड़क और अन्य सैन्य ढांचा तैयार कर रहा है। जानकारी के अनुसार चीन की निर्माणाधीन सड़क दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर के करीब है। भारत ने बीती 9 जनवरी को इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसे चीन ने 12 जनवरी को यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि वह अपने क्षेत्र में निर्माण कर रहा है।

सामरिक महत्व

- यह घाटी सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सियाचिन ग्लेशियर के उत्तर में स्थित है। यहां चीन द्वारा सड़क निर्माण से भारतीय सेना के लिए रणनीतिक चुनौती पैदा हो सकती है, क्योंकि यह चीन के शिनजियांग प्रांत को सीधे पाक अधिकृत कश्मीर से जोड़ती है।

भारत का रुख

- भारत सरकार और विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि संपूर्ण जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अटूट हिस्सा हैं और भारत अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्षेत्र: 5,180 वर्ग किलोमीटर (ट्रांस-काराकोरम ट्रैक्ट)।

विवाद: पाकिस्तान ने 1963 में इसे चीन को दिया, जिसे भारत अवैध मानता है।

ताजा घटना: दो दिन पहले चीन ने भारत के विरोध को खारिज करते हुए निर्माण जारी रखने की बात कही है।

ब्रिटेन में नग्न डीपफेक बनाने के खिलाफ लागू होगा कानून

लंदन। ब्रिटेन सरकार किसी उपभोक्ता की सहमति के बिना ऑनलाइन अश्लील इमेज बनाने वालों पर आपराधिक मुकदमा चलाने की तैयारी कर रही है। ब्रिटिश मीडिया नियामक ऑफ़कॉम ने एक्स एआई और एलन मस्क के चैटबॉट ग्रॉक की जांच शुरू की है। इनका इस्तेमाल एआई का उपयोग करके महिलाओं की सहमति के बिना उनकी अश्लील तस्वीरें बनाने के लिए किया गया था।

ब्रिटेन की विज्ञान, नवाचार और तकनीकी राज्य मंत्री लिज़ केंडल ने संसद में कहा कि किसी की सहमति के बिना उसकी अश्लील तस्वीरें बनाना, साझा करना या साझा करने की धमकी देना व्यक्तियों और प्लेटफॉर्म दोनों के लिए एक आपराधिक कृत्य है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरानी अधिकारियों के साथ बैठकें की रद्द

प्रदर्शनकारियों से कहा-मदद भेजी जा रही, अब तक दो हजार लोगों की हो चुकी मौत

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई के बीच ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाली वार्ता रद्द कर दी है। साथ ही उन्होंने ईरान के नागरिकों से कहा, "मदद भेजी जा रही है।"

राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को हालांकि यह विवरण नहीं दिया कि मदद का स्वरूप क्या है। ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह मदद किस रूप में होगी, लेकिन यह बयान ऐसे समय आया है जब रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि वाशिंगटन की ओर से इस्लामी गणराज्य पर हमले की धमकी के बाद ईरान बातचीत करना चाहता है।

मानवाधिकार निगरानी संस्थाओं के अनुसार, ईरान में विरोध प्रदर्शनों में अब तक 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। ट्रंप हालांकि अपने हालिया सोशल मीडिया संदेश के माध्यम से ईरानी सरकार के साथ बातचीत करने की अपनी तैयारियों को लेकर अचानक रुख बदलते हुए नजर आए। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर सुबह किए गए एक पोस्ट में लिखा, "ईरानी देशभक्तों, प्रदर्शन जारी रखो — अपनी संस्थाओं पर कब्जा करो!!!" उन्होंने कहा, "हत्यारों और अत्याचारियों के नाम दर्ज कर लो। उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। जब तक प्रदर्शनकारियों की निरर्थक हत्याएं बंद नहीं होतीं, मैंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं। मदद भेजी जा रही है।" राष्ट्रपति ने बार-बार तेहरान को सैन्य कार्रवाई की धमकी दी है यदि उनके प्रशासन को पता चलता है कि इस्लामी गणराज्य सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक बल का प्रयोग कर रहा है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों से तत्काल ईरान छोड़ने को कहा

वॉशिंगटन। ईरान में अमेरिका के ऑनलाइन दूतावास ने अपने नागरिकों से ईरान से तुरंत बाहर निकलने का आग्रह किया है। दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों को आर्मेनिया और तुर्की के रास्ते सड़क मार्ग से ईरान छोड़ने को कहा है। बयान में यह भी कहा गया कि अमेरिकी-ईरानी दोहरी राष्ट्रीयता वाले नागरिकों को ईरानी पासपोर्ट का उपयोग करके ईरान छोड़ना होगा, क्योंकि ईरानी सरकार दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देती। चेतावनी दी गई कि, अमेरिकी नागरिक ईरान में पूछताछ, गिरफ्तार और हिरासत में लिए जाने के गंभीर जोखिम में हैं। इस बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लीविट ने कहा कि कूटनीति अमेरिका के ईरान नीति में प्राथमिक दृष्टिकोण बनी हुई है, हालांकि ट्रम्प प्रशासन ने जरूरत पड़ने पर सैन्य विकल्पों को खारिज नहीं किया है। लीविट ने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अगला कदम क्या होगा, केवल वही जानते हैं। इसलिए दुनिया को इंतजार और अनुमान लगाना होगा और हम उन्हें निर्णय लेने देंगे।

... तो भारत को चुकाना पड़ सकता है 75 प्रतिशत टैरिफ

ट्रंप की ईरान के साथ व्यापार करने वाले देश पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा का असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत हाल के वर्षों में ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है। अमेरिका ने पहले ही भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा रखा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, ईरान को भारत के प्रमुख निर्यातों में चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, कृत्रिम फाइबर, विद्युत मशीनरी और कृत्रिम आभूषण शामिल हैं, जबकि ईरान से भारत के प्रमुख आयातों में सूखे मेवे, अकार्बनिक/कार्बनिक रसायन और कांच के बर्तन शामिल हैं। 2023 में भारत से ईरान को निर्यात 1.19 तो 2024-25 में 1.24 अरब डॉलर था। इसके मुकाबले ईरान से 0.44 डॉलर का आयात हुआ था। ऐसे में भारत अगर ईरान के साथ व्यापार जारी रखता है, तो उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने में 75 फीसदी टैरिफ चुकाना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ रद्द किया तो गड़बड़ होगी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर सुप्रीम कोर्ट यह फैसला सुनाता है कि उनके पास व्यापक शुल्क लगाने की एकतरफा शक्ति नहीं है, तो बहुत बड़ी गड़बड़ हो जाएगी, और हमारे देश के लिए उन पैसों को चुकाना लगभग असंभव हो जाएगा, जो अमेरिका ने व्यापक टैरिफ से एकत्र किए हैं। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अगर अदालत उनके द्वारा लगाए गए टैरिफ को रद्द कर देती है, तो हम बुरी तरह फंस जाएंगे। ट्रंप ने अदालत के आसन्न फैसले के बारे में सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट किए हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी जिक्र किया कि सरकार के लिए पैसा वापस करना कितना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने शुल्क का पैसा वापस करने के बारे में कहा, यह संभव नहीं हो सकता। ट्रंप ने कहा कि लेकिन, अगर ऐसा हुआ, तो यह इतनी बड़ी रकम होगी कि यह पता लगाने में कई साल लग जाएंगे कि हम किस संख्या की बात कर रहे हैं और यहां तक कि किसे, कब और कहां भुगतान करना है।

ब्रिटेन से वापस बुला लेंगे राजनयिक

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अगर ब्रिटेन ईरान के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहता है तो ईरान को लंदन में अपने दूतावास के कर्मचारियों को निकालने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। राघची ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों के तहत, ब्रिटेन ईरान के लंदन दूतावास की सुरक्षा करने के लिए बाध्य है।

यूक्रेन की आपातकालीन सेवा द्वारा उपलब्ध कराई गई इस तस्वीर में मंगलवार को यूक्रेन के खार्किव में रूसी हमले के बाद लगी आग को बुझाते सेवा कर्मी।

रूस का यूक्रेन के विद्युत ग्रिड पर बड़ा हमला, चार की मौत

कीव। रूस ने यूक्रेन पर बड़ा ड्रोन और मिसाइल हमला करके उसके विद्युत ग्रिड को एक बार फिर निशाना बनाया। युद्ध के चार साल पूरे होने वाले हैं और ऐसा लगता है कि अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों को रूस नजरअंदाज कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर बताया कि रूस ने रात भर में आठ क्षेत्रों पर लगभग 300 ड्रोन, 18 बैलिस्टिक मिसाइलों और सात क्रूज मिसाइलों से हमला किया। पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र में हमले में एक डाक डिपो में चार लोगों की मौत हो गई और कीव क्षेत्र में कई लाख घरों में बिजली गुल हो गई। राजधानी में दिन का तापमान शून्य से 12 डिग्री सेल्सियस नीचे था। सड़कें बर्फ से ढकी थीं और शहर जनरेटरों के शोर से गूंज रहा था। चार दिन पहले रूस ने रात भर चले एक बड़े हमले में सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया था। रूस ने युद्ध में दूसरी बार एक शक्तिशाली नई हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिसने पश्चिमी यूक्रेन को निशाना बनाया। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन के खार्किव क्षेत्र में रूसी हमले में 10 लोग घायल हुए हैं। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेह किपर ने बताया कि ओडेसा शहर में हुए रूसी हमले में छह लोग घायल हो गए। हमले में ऊर्जा अवसंरचना, एक अस्पताल, एक शैक्षणिक संस्थान और कई आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस बीच, रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि रूसी वायुसेना ने रातभर में 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

अलेप्पो में सरकारी बलों और कुर्द लड़ाकों के बीच संघर्ष के बाद विस्थापित निवासियों को ले जा रही बसें अशरफीह इलाके में एक खंडहर इमारत के पास से गुजरती हुईं।

सीरिया, कुर्दिश मिलिशिया का अलेप्पो में युद्ध विराम

अल्लेपो। कुर्द सशस्त्र सीरियाई लोकतांत्रिक बल (एसडीएफ) के लड़ाके पिछले हफ़्ते शहर के उत्तर-पश्चिम में अशरफीह और शेख मकसूद इलाकों में सरकार समर्थक सेनाओं के साथ कई दिनों तक चली लड़ाई के बाद हुए युद्धविराम के बाद अलेप्पो खाली करने पर राजी हो गए हैं। इन झड़पों में कम से कम 24 लोग मारे गए और 129 घायल हुए हैं। 140,000 से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। जॉर्डन ने लोगों के लिए मदद से भरे 51 ट्रकों का काफिला भेजकर इस खराब मानवीय स्थिति पर प्रतिक्रिया दी है।

इजराइल के फिल्म निर्माता ने निर्भया कांड पर बनाई फिल्म

यरूशलम। इजराइली फिल्म निर्माता डैन वोलमैन ने कहा है कि उनकी नयी फिल्म 'मर्डर्स टू क्लोज, लव टू फार' का विचार उन्हें 2012 में भारत यात्रा के दौरान आया था, जब दिल्ली में एक फिजियोथेरेपी इंटर्न (निर्भया) के साथ हुए सामूहिक बलात्कार व उसकी हत्या के विरोध में व्यापक प्रदर्शन हो रहे थे। ''फ्लोच'', ''माई माइकल'', ''ऐन इजराइली लव स्टोरी'' और ''वैली ऑफ स्ट्रेंथ'' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर वोलमैन ने भारतीय फिल्म निर्माता मंजू बोरा के साथ मिलकर इस 'मर्डर मिस्ट्री' का सह-निर्देशन किया है। यह पहली फिल्म है जिसका सह-निर्माण भारत और इजराइली फिल्मकारों ने किया है। इसे 24वें पुणे अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (पीआईएफएफ) में प्रदर्शित किया जाएगा। वोलमैन ने बताया कि फिल्म की शूटिंग भारत में हुई है और इसमें ''यौन उत्पीड़न, हिंसा, भ्रष्टाचार, समूह के व्यवहार, गिरोह और भीड़ की मानसिकता'' जैसे विषयों को उठाया गया है। उन्होंने कहा, ये मुद्दे इजराइल में भी उतने ही आम हैं जितने दुनिया के अन्य हिस्सों में।

पीआईएफएफ में, ''मर्डर्स टू क्लोज, लव टू फार'' को 17 और 19 जनवरी को ग्लोबल सिनेमा श्रेणी के हिस्से के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

फ्रांस में किसानों ने 350 ट्रैक्टरों के साथ संसद तक मार्च किया

पेरिस। फ्रांस में किसानों ने अपनी कम आय और दक्षिण अमेरिका के साथ यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार समझौते के विरोध में मंगलवार को 350 ट्रैक्टर के साथ संसद तक मार्च किया। पुलिस सुरक्षा के बीच, ट्रैक्टरों ने व्यस्त समय के दौरान चैंप्स-एलिसी और पेरिस की अन्य सड़कों पर यातायातअवरूद्ध कर दिया फिर वे सीन नदी को पार करके नेशनल असेंबली तक पहुंचे। किसान संघों ने कहा कि वे फ्रांस की खाद्य सुरक्षा की रक्षा के लिए ठोस और तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फ्रांस सरकार की प्रवक्ता मौड ब्रेगॉन ने टीएफ1 टेलीविजन पर कहा कि सरकार किसानों की मदद के लिए जल्द ही नयी घोषणाएं करेगी। राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और उनकी सरकार यूरोपीय संघ-मर्कोसुर व्यापार समझौते के विरोध में हैं, लेकिन उम्मीद है कि शनिवार को पैराग्वे में इस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे, क्योंकि इसे ज्यादातर अन्य ईयू देशों का समर्थन प्राप्त है। यूरोपीय देशों के किसान मर्कोसुर देशों - ब्राजील, अर्जेंटीना, बोलीविया, पैराग्वे और उरुग्वे के साथ व्यापार समझौते का लंबे समय से विरोध कर रहे हैं।

आज का भविष्यफल -पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 14 जनवरी, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 17.52 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- अनुराधा 15 जनवरी 03.03 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज व्यावसायिक दृष्टिकोण से दिन बहुत सामान्य रहने वाला है। आपका मन कुछ अशांत हो सकता है। आप जिनसे प्रेम और सम्मान की अपेक्षा रखते हैं, वो आपको भाव नहीं देंगे। आप अपने काम पर ही ध्यान दें। दूसरों के मामलों में पड़ने से बचें।

वृष — आज सहयोगियों के ऊपर अधिक निर्भर न हों। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र रच सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को वेतन की चिंता हो सकती है। रेस्टोरेन्ट्स से जुड़े व्यवसाय में विशेष लाभ प्राप्त होगा। आपकी वाणी और व्यवहार से मित्रजन अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन — आज आर्थिक समस्याओं को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। बच्चों के भविष्य की चिंता हो सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर अधिक गंभीर नहीं रहेंगे। धार्मिक क्रियाकलापों से जुड़ने का प्रयास करेंगे। इससे आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

कर्क — आज व्यर्थ की बहसबाजी से स्वयं को दूर रखें। व्यवसाय में नया प्रयोग करने से बचें। आपको अपनी जिम्मेदारियों पर विशेष ध्यान देना होगा। इस समय आपको काम के साथ आराम की भी आवश्यकता है। शरीर में कुछ थकावट महसूस होगी।

सिंह — आज संपत्ति विवाद हल हो सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को विरोधियों से सावधान रहना चाहिए। अपनी कार्यशैली में सुधार लाने का प्रयास करें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर मन में कुछ कन्फ्यूजन रहने की संभावना है।

कन्या — आज अपनी तीव्रबुद्धि का कुशल प्रयोग करेंगे। नौकरीपेशा जातकों का कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा। किसी दूर के रिश्तेदार से मिलना हो सकता है। दांपत्य जीवन में चल रही अनबन खत्म होने की संभावना है। आपके मन में उच्च पद और प्रतिष्ठा की इच्छा प्रबल होगी।

तुला — आज के दिन आपको कुछ त्याग करना पड़ेगा। अपने विषय में गलत धारणा बनाने से बचें। व्यर्थ के खर्चों के कारण आपका बजट बिगड़ सकता है। ऐसे सभी लोगों से दूरी बनाकर रखें, जो आपका मनोबल गिराते हों।

वृश्चिक — आज प्रेम विवाह को लेकर घर में चर्चा करना चाहते हैं, तो दिन शुभ है। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी। अव्यावहारिक विचारों के कारण उपहास हो सकता है। उच्च अधिकारी आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम सौंप सकते हैं।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आपकी उपेक्षा हो सकती है। पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो सकता है। इसीलिए सोच-विचारकर ही आपको लोगों के सामने प्रतिक्रिया देनी चाहिए। मित्रों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

मकर — आज आपके कारोबार में अच्छी प्रगति होगी। आधारभूत समस्याओं का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे। इसका सकारात्मक परिणाम आपको अवश्य मिलेगा। आप जिन कार्यों को प्राथमिकता क्रम में रखेंगे, उन्हें अवश्य ही पूर्ण कर लेंगे।

कुंभ — आज व्यापार में नई साझेदारी को लेकर कुछ निर्णय कर सकते हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है। किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने से आनंदित महसूस करेंगे। पुरानी गलतियों से सीखने का अवसर न चूकें।

मीन — आज भविष्य को लेकर योजना बनाने के लिए दिन अनुकूल है। सरकारी कार्यों में रुकावटें आ सकती हैं। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। कोई समस्या हो, तो उसे अपने बड़ों से साझा करें। संतान के विवाह की चिंता रहेगी।

सुडोकू -31

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

5		4		7		1		9
	2					7		4
		9		8	3	6		
	8		9			5		6
6		3			4		7	
		7	5	6		9		
9		8					2	
3		1		4		8		7

सुडोकू - 30 का हल

5	1	3	9	4	2	6	7	8
9	8	7	5	1	6	2	4	3
6	4	2	3	8	7	9	5	1
7	3	6	4	5	9	1	8	2
4	2	8	6	3	1	7	9	5
1	9	5	7	2	8	3	6	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	6	4	2	9	3	5	1	7
2	7	1	8	6	5	4	3	9

अपने सपनों को साकार करने और उन्हें पूरा करने का मौका पाकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली व्यक्ति मानता हूं। लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है। मैं टेनिस से संन्यास ले रहा हूं।
–मिलोस राओनिच

हाईलाइट

सीए कटप्पा फिर मुक्केबाजी टीम के मुख्य कोच बने

नई दिल्ली। द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त सी ए कटप्पा की तीसरी बार भारतीय पुरूष मुक्केबाजी टीम के कोच के तौर पर वापसी हो रही है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। वह भारतीय खेल प्राधिकरण रोहतक के कोच धरमेंद्र यादव की जगह लेंगे जिनकी पिछले साल नियुक्ति हुई थी । यादव पुरूष कोचिंग ढांचे का हिस्सा बने रहेंगे । बीएफआई के कार्यकारी निदेशक कर्नल अरूण मलिक ने पीटीआई से कहा सीए कटप्पा को कोच बनाया गया है और धर्मेंद्र यादव कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहेंगे। पिछले कुछ समय से भारतीय पुरूष मुक्केबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण यह फैसला लिया गया है।

विंटर स्विमिंग चैंपियनशिप 17 से

नई दिल्ली। दो दिवसीय स्टेयर्स विंटर स्विमिंग चैंपियनशिप का आयोजन 17 से 18 जनवरी तक स्पोर्ट्स स्कूल सिविल लाइन लुडलो कैटल नई दिल्ली पर किया जाएगा। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष व मेंटर राजकुमार के अनुसार चैंपियनशिप में ग्रुप एक से लेकर ग्रुप पांच तक के लड़के लड़कियां स्विमर भाग लेंगे। चैंपियनशिप में फ्री स्टाइल, बैक स्ट्रोक, ब्रेस्ट स्ट्रोक, बटरफ्लाई , आई एम मेडले तथा फ्री स्टाइल रिले स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेशनल स्पोर्ट्स प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन का मुख्य उद्देश्य ग्रास रूट के स्विमर्स को बेहतरीन सुविधा और आगे बढ़ाना है। चैंपियनशिप स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के नियमों के तहत आयोजित की जाएगी।

वीनस विलियम्स होबार्ट में पहले दौर में बाहर

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया)। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन को शुरू होने में अब जबकि एक सप्ताह से भी कम समय बचा है तब 45 वर्षीय वीनस विलियम्स फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही है। वीनस मंगलवार को यहा होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तात्याना मारिया से 6-4, 6-3 से हार गईं। वीनस को साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड से प्रवेश दिया गया है। उन्हें होबार्ट में खेलने के लिए भी वाइल्डकार्ड मिला था, जहां वह लगभग डेढ़ घंटे तक चले मैच में छठी वरीयता प्राप्त मारिया से हार गईं।

बंगाल टाइगर्स ने तमिलनाडु को हराया

रांची। जुगराज सिंह की हैट्रिक के दम पर श्राची बंगाल टाइगर्स ने पुरुष हॉकी इंडिया लीग में मंगलवार को एकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगंस को 5-3 से हराया। इस मैच से पहले तालिका में सातवें स्थान पर काबिज टाइगर्स के लिये यह अहम जीत थी पर अब जीत के बाद टीम चौथे स्थान पर पहुंच गई है। जुगराज एचआईएल जीसी के केन रसेल के बाद इस सत्र में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। उनके अलावा सुखजीत (33वां) और अभिषेक (55वां मिनट) ने भी गोल दागे। ड्रैगंस के लिए अद्रोहित इक्का (36वां), थॉमस सोर्सबी (48वां) और ब्लेक गोवर्स (51वां) ने गोल किए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे ही मैच में सीरीज जीतना चाहेगी भारतीय टीम

विराट कोहली का शानदार फॉर्म चिंता का विषय है मेहमानों के लिए

राजकोट, एजेंसी

विराट कोहली की शानदार फॉर्म ने भारत की कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों को लेकर बढ़ती चिंताओं को कुछ हद तक कम कर दिया है और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके तीन मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा। भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। वाशिंगटन सुंदर उस मैच में चोटिल हो गए थे और वह वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

चयनकर्ताओं ने दिल्ली के आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है, लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर की ऑलराउंडर को प्राथमिकता देने की रणनीति को देखते हुए नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में एक और ऑलराउंडर को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। ऋषभ पंत पहले वनडे से पूर्व चोटिल होने के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए थे। चयनकर्ताओं ने उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल करने का फैसला किया, जो टीम प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में एक और विकल्प हो सकते हैं। भारतीय टीम के पास कई विकल्प हैं लेकिन अगले महीने से शुरू होने वाले टीम टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेगी। टी20 टीम में वनडे टीम से बिल्कुल अलग बल्लेबाजी क्रम होगा। लेकिन कुछ नाम दोनों टीमों में समान हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण नाम ऑलराउंडर तिलक वर्मा का है जो ग्रोइन की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ कम से कम पहले तीन टी20 मैचों में नहीं खेल पाएंगे। भारतीय टीम की इन चिंताओं के बीच सभी की निगाह कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी।

अभ्यास सत्र के दौरान न्यूज़ीलैंड के निक केली (दाएं) और माइकल रे। एजेंसी

पहले मैच में कोहली वनडे में अपने 54वें शतक से चूक गए, लेकिन उनकी 91 गेंदों पर खेली गई 93 रन की पारी ने भारत की जीत की नींव रखी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों में काफी अंतर नजर आता है। कीवी टीम का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नहीं है और भारतीय बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। पहले मैच में कप्तान शुभमन गिल ने सधी हुई अर्धशतकीय पारी खेली जबकि उप कप्तान श्रेयस अय्यर एक रन से अर्धशतक बनाने से चूक गए। रोहित शर्मा फिर से भारत को अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे। कोहली इस समय अलग ही तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं और वह आत्मविश्वास से भरे हुए नजर आते हैं। ऐसा लगता है कि वह अपेक्षाओं और आलोचनाओं के बोझ से पूरी तरह मुक्त हैं। कोहली ने शुरुआत से ही न तो आक्रामक बल्लेबाजी करने से परहेज की है और न ही रन बनाने का कोई मौका छोड़ा है। यही कारण है कि उन्होंने वडोदरा में सभी प्रारूपों में सबसे कम पारियों में 28,000 रनों का रिकॉर्ड बनाया।

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, नितीश कुमार रेड्डी, आयुष बडोनी, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : माइकल ब्रैसवेल (कप्तान), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), मिशेल हे, निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फाउल्स, डैरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनोक्स, माइकल रे।

समय दोपहर 1:30 बजे से

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते विदर्भ के बल्लेबाज यश राठौड़। एजेंसी

दिल्ली को हराकर विदर्भ सेमीफाइनल में

बेंगलुरु, एजेंसी

पिछले सत्र के उपविजेता विदर्भ ने अनुशासित और ऑलराउंड खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली को 76 रन से हराकर मंगलवार को यहां विजय हजारे एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विदर्भ सेमीफाइनल में कर्नाटक का सामना करेगा। पिछले सत्र में इन दोनों टीमों के बीच फाइनल खेला गया था।

सौराष्ट्र शुक्रवार को होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल में पंजाब का सामना करेगा। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 300 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर बनाया। उसकी तरफ से यश राठौड़ ने 86 और सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे ने 62 रन का योगदान दिया। इसके जवाब में दिल्ली की टीम 45.1 ओवर में 224 रन पर आउट हो गई। उसे कप्तान ऋषभ पंत और उप कप्तान आयुष बडोनी की कमी खली। पंत चोटिल है जबकि बडोनी को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

विजय हजारे ट्रॉफी

एमपी को मात देकर पंजाब अंतिम चार में

बेंगलुरु। अपने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर पंजाब ने मध्यप्रदेश को 183 रन से हराकर मंगलवार को विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर पंजाब ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह के 86 गेंद में 88 रन, अनमोलप्रीत सिंह के 62 गेंद में 70, नेहाल वढेरा के 38 गेंद में 56 और हरनूर सिंह के 71 गेंद में 51 रन की मदद से छह विकेट पर 345 रन बनाए। रमनदीप सिंह ने 15 गेंद में 24 रन बनाए। मध्यप्रदेश के लिये त्रिपुरेश सिंह और कप्तान वेंकटेश अय्यर ने दो दो विकेट लिए। जवाब में मध्यप्रदेश की टीम 31.2 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई। पहले गेंदबाजी का अय्यर का फैसला सफल नहीं रहा और पंजाब को शानदार शुरुआत देते हुए प्रभसिमरन और हरनूर ने पहले विकेट के लिये 21 ओवर में 166 रन जोड़े ।

बीसीबी ने स्वीकार किया आईसीसी नहीं मान रही मांग

ढाका, एजेंसी

- टी20 विश्व कप में भारत ना आने के रुख पर बांग्लादेश अडिग

आईसीसी ने मंगलवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से टी20 विश्व कप के उसके मैच भारत से बाहर कराने की मांग पर पुनर्विचार का अनुरोध किया लेकिन बीसीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं को दोहराते हुए ऐसा करने से इनकार किया है।

एक बयान में बीसीबी ने कहा कि बोर्ड का फैसला वही है हालांकि आईसीसी ने उसका अनुरोध मानने से इनकार कर दिया है। इसने कहा कि दोनों पक्ष संभावित हल तलाशना जारी रखेंगे। बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि सुरक्षा कारणों से विश्व कप के उसके मैच भारत के बाहर कराये जायें लेकिन चूंकि सात फरवरी से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप का कार्यक्रम तय हो चुका है , लिहाजा आईसीसी ने इस पर स्वीकृति नहीं दी है। बीसीबी ने कहा आईसीसी ने कहा है कि टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित हो चुका है और बीसीबी से फैसले पर पुनर्विचार के लिये कहा है लेकिन बोर्ड का फैसला नहीं बदलेगा। दोनों पक्ष इसका हल तलाशना जारी रखने पर सहमत हो गए हैं। बयान में कहा गया बीसीबी अपने खिलाड़ियों, अधिकारियों और स्टाफ के हितों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है और आईसीसी से इस मसले पर बातचीत भी जारी रखेगी। बीसीबी का कहना है कि उसके खिलाड़ियों का भारत जाना सुरक्षित नहीं है लेकिन आईसीसी की जोखिम आकलन रिपोर्ट में टीम को किसी तरह के खतरे की ओर इंगित नहीं किया गया है। आईसीसी के साथ बृहस्पतिवार को प्रेस कांफ्रेंस में बीसीबी की ओर से अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, सीईओ निजामुद्दीन चौधरी ने भाग लिया ।

मुंबई ने गुजरात को सात विकेट से हराया

शॉट लगाती मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

नवी मुंबई, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

- कप्तान हरमनप्रीत कौर ने खेली 71 रनों की नाबाद पारी

भारत की विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाबाद 71 रन की मदद से मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग के मैच में मंगलवार को गुजरात जाएंट्स को सात विकेट से हराया। यह गुजरात जाएंट्स की टूर्नामेंट में पहली हार थी।

इससे पहले निचले क्रम पर भारती फुलमाली और जॉर्जिया वेयरहैम की आक्रामक पारियों के दम पर गुजरात जाएंट्स ने पांच विकेट पर 192 रन बनाये थे। जीत के लिए कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए हरमनप्रीत ने 33 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जो टूर्नामेंट में उनका दसवां अर्धशतक था। इसके साथ ही उन्होंने डब्ल्यूपीएल में एक हजार रन भी पूरे कर लिए। वह 43 गेंद में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 71 रन बनाकर नाबाद रही और मुंबई ने चार गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। मुंबई के दो विकेट पावरप्ले के भीतर ही 37 रन पर गिर गए थे। इसके बाद हरमनप्रीत ने अमनजोत कौर (26 गेंद में 40 रन) के साथ 44 गेंद में 72 रन की साझेदारी की। अमनजोत के आउट होने के बाद निकोला कैरी ने कप्तान का साथ निभाते हुए 22 गेंद में नाबाद 37 रन बनाये जिसमें छह चौके शामिल थे। दोनों ने 43 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को जीत दिलाई। इससे पहले गुजरात की पारी में वेयरहैम 33 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाकर नाबाद रही।

वहीं फुलमाली ने 15 गेंद में नाबाद 36 रन बनाए जिसमें तीन छक्के और तीन चौके शामिल थे। आयुषी सोनी के रिटायर्ड आउट होने के बाद वह बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आई थीं। फुलमाली ने अमनजोत कौर को आखिरी ओवर में दो छक्के और एक चौका लगाकर 23 रन निकाले। गुजरात ने आखिरी तीन ओवरों में 49 रन बनाए। पहले ओवर में गुजरात की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी को जीवनदान मिला जब मुंबई की 17 वर्ष की विकेटकीपर गुनालन कमलिनी ने उनका कैच टपकाया। मूनी ने इसका पूरा इस्तेमाल करके हीली मैथ्यूज को दो चौके लगाकर दूसरे ओवर में 18 रन निकाले। सोफी डेवाइन (आठ) के सस्ते में आउट होने के बाद मूनी और कनिका आहूजा ने पावरप्ले में कमान संभाली । आहूजा ने 18 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 35 रन बनाए । वहीं मूनी ने 26 गेंद में 33 रन का योगदान दिया। वह सातवें ओवर में एमेलिया केर को रिटर्न कैच देकर लौटी। इसके बाद आहूजा ने कप्तान एशले गार्डनर के साथ गुजरात को नौ ओवर में दो विकेट पर 96 रन तक पहुंचाया। मुंबई की गेंदबाज कैरी ने गार्डनर को और मैथ्यूज ने आहूजा को आउट कर दबाव बनाया।

प्रिया-श्रुति कड़े मुकाबले में हारीं

इंडिया ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रिया कोंजेंगबाम (बाएं) और श्रुति मिश्रा। एजेंसी

- त्रीसा और गायत्री ने दूसरे दौर में प्रवेश किया

त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारत की शीर्ष महिला युगल जोड़ी ने मंगलवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ इंडिया ओपन 2026 सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया, लेकिन प्रिया कोनजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी को मैच प्वाइंट हासिल करने के बावजूद कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

नवंबर में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने ओर्निचा जोंगसथापोनपार्न और सुकिता सुवाचाई की थाईलैंड की जोड़ी को 42 मिनट में 21-15, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। प्रिया और श्रुति को हालांकि लोक लोक लुइ और ह्यु येन सेंग की हांगकांग की जोड़ी के खिलाफ एक घंटे आठ मिनट चले मुकाबले में 11-21, 22-20, 22-24 से शिकस्त झेलनी पड़ी। प्रिया और श्रुति ने चार मैच प्वाइंट बचाने के बाद एक मैच प्वाइंट भी हासिल किया लेकिन अंततः भारतीय जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।

त्रीसा और गायत्री ने पूरे मैच के दौरान दमदार खेल दिखाया। भारतीय जोड़ी ने नेट पर शानदार खेल दिखाने के अलावा स्मैश से भी काफी अंक जुटाए। थाईलैंड की जोड़ी ने दूसरे गेम में बेहतर शुरुआत की थी लेकिन त्रीसा और गायत्री वापसी करते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहीं। गायत्री ने कहा कि पिछले साल के अंत में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का खिताब जीतकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और 2026 में उनकी नजरें कुछ अच्छे नतीजे हासिल करने पर टिकी हैं। गायत्री ने कहा, ''पिछले साल चोटों ने थोड़ा परेशान किया लेकिन साल के अंत में हम सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का खिताब जीतकर आत्मविश्वास हासिल करने में सफल रहे।

आयुष को हराकर लक्ष्य इंडिया ओपन के दूसरे दौर में

नई दिल्ली। स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने मंगलवार को यहां हमवतन आयुष शेट्टी को सीधे गेम में हराकर योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2026 सुपर 750 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई।

वर्ष 2022 के चैंपियन लक्ष्य ने आईजी स्टेडियम में खेले जा रहे इस 9,50,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट के पहले दौर में आयुष को सिर्फ 36 मिनट में 21-12, 21-15 से हराया। आयुष पहली बार इंडिया ओपन में खेल रहे थे। चौबीस साल के लक्ष्य अगले दौर में जापान के केंता निशिमोतो से भिड़ेंगे जिन्होंने 21-6, 7-5 के स्कोर पर अपने सातवें वरीय हमवतन प्रतिद्वंद्वी कोडाई नारोका के मुकाबले से हटने पर दूसरे दौर में प्रवेश किया। लक्ष्य ने बेहतर खेल दिखाया और परिस्थितियों से बेहतर ढंग से सामंजस्य बैठाने में सफल रहे। आयुष ने कुछ मौकों पर अच्छी टक्कर दी।

घोषणा

भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद फैसले पर करेंगी अमल

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेंगी एलिसा हीली

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों में से एक एलिसा हीली मार्च में भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी।

यह 35 वर्षीय खिलाड़ी भारत के खिलाफ पर्थ में होने वाली तीन वनडे और एकमात्र महिला टेस्ट मैच की श्रृंखला में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी। हीली भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला में नहीं खेलेंगी क्योंकि वह इस साल ब्रिटेन में होने वाले टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेंगी।

महिला क्रिकेट की सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक हीली ने बयान में कहा भारत के खिलाफ आगामी सीरीज ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा जुनून अभी भी बरकरार है, लेकिन मेरे अंदर वह प्रतिस्पर्धात्मक भावना

कुछ हद तक कम हो गई है जिसने मुझे शुरुआत से ही प्रेरित किया है, इसलिए यह संन्यास लेने का सही समय लगता है।

उन्होंने कहा यह जानते हुए कि मैं इस साल टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाऊंगी और टीम के पास तैयारी के लिए सीमित समय है, मैं भारत के खिलाफ टी20 मैचों का हिस्सा नहीं रहूंगी। लेकिन मुझे घरेलू मैदान पर अपना करियर समाप्त करने और भारत के खिलाफ वनडे और टेस्ट टीम की कप्तानी का अवसर मिलने से बहुत खुशी है। यह हमारे लिए इस कैलेंडर वर्ष की सबसे बड़ी श्रृंखलाओं में से एक है। पिछले एक दशक में ऑस्ट्रेलिया के दबदबे में हीली ने अहम भूमिका निभाई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने हीली को खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक बताया। उन्होंने कहा एलिसा इस खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने अपने 15 साल के करियर में मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हम भारत के खिलाफ श्रृंखला में उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए उत्सुक हैं।

उनकी मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने जीते 8 विश्व कप

एलिसा हीली की मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया ने आठ विश्व खिताब जीते हैं, जिनमें से छह टी20 प्रारूप में और दो एक दिवसीय क्रिकेट में हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टेस्ट, 123 वनडे और 162 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने अब तक 30 .56 के औसत से 489 टेस्ट रन, 35 .98 के औसत से 3563 वनडे रन (सात शतक सहित) और 25 .45 के औसत से 3054 टी20 अंतरराष्ट्रीय रन (एक शतक सहित) बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क से शादी करने वाली इस क्रिकेटर ने कहा मुझे कुछ चोटों से भी जूझना पड़ा। मुझे कई बार डाइव लगानी पड़ी लेकिन अब मुझे लगता है कि हम मुश्किल होता जा रहा है।